मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	40.1	29.8
जमशेदपुर	40.4	25.0
डालटनगंज	43.6	23.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 06 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 58 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

BIOME ®

Leading Institute for Pre-Medical Exam.

A Unit of Bhavya Educational Services LLP

सिर्फ मेडिकल Preparation का संस्थान

झारखंड के इतिहास में BIOME से लगातार दूसरी बार, 700 Marks पार

Stable रखी अपनी पहचान, फिर से एक बार झारखंड से NEET-UG में Leadership का एक और प्रमाण

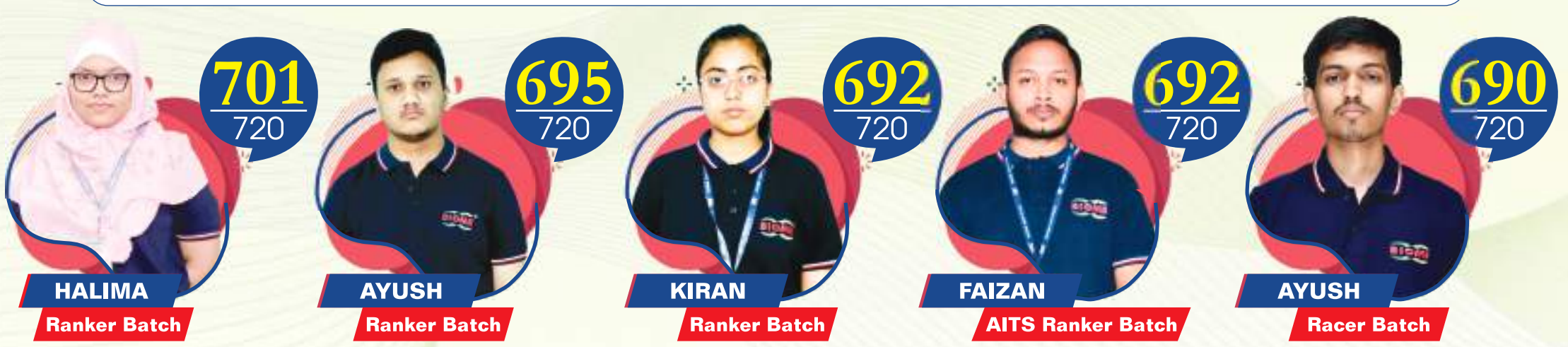

Authentic Highest Selection in NEET 2024 from एक शहर, एक संस्थान

and many more...

SCHOLARSHIP BASED ON NEET (UG) - 2024 SCORE

LAKSHYA BATCH

620 & Above	100%	580 & Above	70%
610 & Above	90%	560 & Above	60%
600 & Above	80%	550 & Above	50%

NEET-UG Counselling Seminar
9 June, 2024 (Sunday) at 11:30 A.M.
Venue : BIOME, Hinoo Campus

LAKSHYA	AITS	TARGET
For 550+ Scorer in NEET 2024	Admission is Going on for NEET 2025	(12th Passed Students) for NEET 2025
Starting from 20th June, 2024	Starting from 14th July, 2024	Starting from 20th June, 2024

7360066185 / 86 / 87 / 88 / 89 / 90 / 91 / 92

Corporate Office : Shivpuri (Kilburn Colony), Opp. Spring City Mall, Hinoo, Ranchi
Branch Office : New Nagratoli, Near Women's College, Science Block, Ranchi

www.biomeinstitute.in youtube.com/biomeinstitute facebook.com/biomeinstitute/

Library School Hostel Transport
Managed by third party

कांग्रेस ज्यादा सीट लेने में आगे-आगे, पर जीतने में फिसड्डी, इस बार भी कांग्रेस सात सीटों पर लड़ी, दो जीती, झामुमो पांच पर लड़ा, तीन जीता

झारखंड में झामुमो अब भी 'बड़ा भाई'

झामुमो की नजर अब केवल और केवल विधानसभा चुनाव पर अगले पांच महीने सरकार और पार्टी के लिए काफी अहम

कौशल आनंद। रांची

बीते विधानसभा चुनाव से ही झामुमो कांग्रेस को इस बात का एहसास कराता रहा है कि वह झारखंड में बड़े भाई की भूमिका में है, इसलिए लोकसभा में झामुमो को अधिक सीटें मांगी थी, मगर कांग्रेस ने एक न सुनी. झामुमो के लाख प्रयास और दावों के बावजूद उसे कांग्रेस ने पांच सीटें ही दीं और खुद सात सीटों पर चुनाव लड़ी. मगर कांग्रेस सात में महज दो सीट जीतने में सफल रही. जबकि झामुमो ने पांच में तीन सीट जीत कर फिर यह एहसास करा दिया कि अब भी झारखंड में झामुमो बड़ा भाई ही है. हालांकि कांग्रेस भले ही सामान्य सीटों पर जीत दर्ज नहीं कर पायी हो, मगर अपने वोट प्रतिशत में काफी सुधार किया है, जिसका लाभ विधानसभा चुनाव में उसे मिल सकता है.

खास बातें

- केवल चार महीने के लिए नेतृत्व परिवर्तन की संभावना कम
- अभी पार्टी का फोकस विधानसभा चुनाव पर

अब झामुमो की नजर विधानसभा चुनाव पर

लोकसभा चुनाव परिणाम से उत्साहित झामुमो की नजर अब विधानसभा चुनाव पर टिक गयी है. इस चुनाव में झामुमो ने जहां बहुत कुछ खोया, तो उससे अधिक पा भी लिया है. पिछली बार महज एक सीट जीतने में सफल रहा झामुमो इस बार तीन सीट जीतकर अपनी ताकत का एहसास करा दिया है. हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद हताश और निराश झामुमो को कल्पना सोरेन के रूप में संजीवनी मिल चुका है. कल्पना सोरेन ने अपनी उपयोगिता और लोहा पार्टी को मनवा लिया है कि निकट भविष्य में वह ही सोरेन और झामुमो परिवार की नयी पौध हैं. इसलिए पार्टी के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने भी गत दिवस स्पष्ट कर दिया है कि अब झामुमो की नजर विधानसभा पर है. झामुमो और कांग्रेस ने मिलकर भाजपा को पांचों आदिवासी सीटों पर धूल चटा दिया. झामुमो ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अब सरकार और पार्टी के पास समय बहुत कम बचा है. शेष बचे चार-पांच महीने में सरकार को हेमंत सोरेन के सभी अधूरे काम पूरा करना है. स्पष्ट है कि झामुमो का निकट भविष्य में क्या इरादा है.

कल्पना की आगामी भूमिका पर रहेगी सबकी नजर

कल्पना मुर्मू सोरेन भले ही पांच महीने के लिए ही सही मगर वह विधानसभा की दहलीज पर पहुंच गयीं. अब कल्पना सोरेन सदन के अंदर अपने तेवर और अंदाज में दहाड़ेंगी. चुनाव जीतने के बाद और आगामी विधानसभा चुनाव में कल्पना सोरेन की पार्टी, चुनाव और सरकार में क्या भूमिका होगी. इसकी चर्चा बहुत अधिक है. राजनीतिक गलियारे में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि झारखंड सरकार का नेतृत्व परिवर्तन होगा. सोरेन परिवार में इसकी कोई सुगबुगाहट नहीं है. क्योंकि सोरेन परिवार और खुद पार्टी यह मानकर चल रही है कि मात्र चार महीने के लिए नेतृत्व परिवर्तन करना और कोल्हान टाइगर चंपाई सोरेन को नाराज करना कहीं से उचित नहीं होगा. अब जो होगा वह विधानसभा चुनाव के बाद ही होगा.

झारखंड में लोकसभा चुनाव : 14 सीटों पर विधानसभावार पार्टियों की स्थिति

रांची : भाजपा को पांच विधानसभा में बढ़त, कांग्रेस एक पर आगे

यशस्विनी सहाय	(कांग्रेस)	संजय सेठ (भाजपा)	देवेंद्र नाथ महतो
हटिया	130023	156593	1796
रांची	80854	11678	515
खिजरी	113868	97535	23043
सिल्ली	34846	57281	49362
ईचागढ़	58784	96724	38564
कांके	119271	139164	17246
लोहरदगा : सभी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को बढत, चमरा विशुनपुर में भी पिछड़े			
विधानसभा	भाजपा	कांग्रेस	चमरा लिंडा
मांडर	82466	131383	13492
सिसई	62288	88282	3498
गुमला	61799	81242	2791
बिशुनपुर	63076	77895	13276
लोहरदगा	70056	97310	12025
राजमहल : झामुमो को सभी विधानसभा क्षेत्र में बढ़त			
विधानसभा	भाजपा		झामुमो
राजमहल	106045		109642
बोरियो(एसटी)	74876		77537
बरहेट(एसटी)	52629		76068
लिटिपारा(एसटी)	54970		80348
पाकुड़	80557		159343
महेशपुर(एसटी)	61467		104355
दुमका : सीता सोरेन ने अपने विस क्षेत्र जामा में बढ़त बनाई			
विधानसभा	भाजपा		कांग्रेस
सिकरीपाड़ा(एसटी)	62639		879780
नाला	95700		74041
जामताड़ा	90859		126013
दुमका(एसटी)	89211		78778
जामा(एसटी)	74932		69246
सारठ	107373		106241
गोड्डा : प्रदीप यादव अपने विस क्षेत्र में भी पिछड़ गये			
विधानसभा	भाजपा		कांग्रेस
जरमुंडी	107082		62648
मधुपुर	119956		128833
देवघर(एससी)	153449		111711
पोरैयाहाट	101676		93136
गोड्डा	107698		90601
महगामा	99018		99139
चतरा : मंत्री भोक्ता के विस से पिछड़े केएन त्रिपाठी			
विधानसभा	भाजपा		कांग्रेस
सिमरिया(एससी)	140884		66271
चतरा(एससी)	143867		76022
मनिका(एसटी)	70459		72045
लातेहार(एससी)	96840		79579
पांकी	116862		54193
पलामू : मंत्री मिथिलेश के गढ़ में भी पिछड़ी ममता			
विधानसभा	भाजपा		राजद
डालटनगंज	155023		72747
बिश्रामपुर	119685		69188
छतरपुर(एससी)	95985		71382
हुसैनाबाद	88445		68972
गढ़वा	150077		92415
भवनाथपुर	153075		98964
हजारीबाग लोकसभा : मांडू से भी पिछड़े जेपी पटेल			
विधानसभा	भाजपा		कांग्रेस
बरही	133167		51988
बड़कागांव	133579		74548
रामगढ़	108110		70517
मांडू	118677		86609
हजारीबाग	153883		87979
खूंटी : अर्जुन मुंडा अपने गृह विधानसभा क्षेत्र में भी पिछड़े			
विधानसभा	भाजपा		कांग्रेस
खरसावां(एसटी)	74960		89910
तमाड़(एसटी)	69798		75786
तोरपा(एसटी)	43840		79260
खूंटी(एसटी)	48804		96399
सिमडेगा(एसटी)	72273		81691
कोलेबिरा(एसटी)	48401		80951
सिंहभूम : सीएम चंपाई के विधानसभा में जोबा को मिले कम वोट			
विधानसभा	भाजपा		कांग्रेस
सरायकेला(एसटी)	118773		98488
चाईबासा(एसटी)	45338		104833
मझगांव(एसटी)	35171		95164
जगन्नाथपुर(एसटी)	49105		70082
मनोहरपुर(एसटी)	48587		76263
चक्रधरपुर(एसटी)	52032		71159
जमशेदपुर : समीर मोहंती आपने विधानसभा क्षेत्र में भी पिछड़े			
विधानसभा	भाजपा		झामुमो
बहरागोड़ा	101784		71959
घाटशिला(एसटी)	88042		87252
पोटका(एसटी)	111554		99507
जुगसलाई(एससी)	139852		83093
जमशेदपुर पूर्व	145482		40712
जमशेदपुर पश्चिम	133172		77474
कोडरमा : विनोद सिंह बगोदर में भी पिछड़े			
विधानसभा	भाजपा		माले
कोडरमा	159250		64141
बरकट्ठा	152750		55874
धनवार	117425		73338
बगोदर	135480		76229
जमुआ(एससी)	115578		61112
गांडेय	106702		82251
गिरिडीह : मथुरा डुमरी में भी पीछे			
विधानसभा	आजसू	झामुमो	जेबीकेएसएस
गिरिडीह	86901	72082	21786
डुमरी	55421	52193	90541
गोमिया	66488	58828	70828
बेरमो	84651	59183	53393
टुंडी	72838	73771	59421
बाघमारा	81597	51140	46272
धनबाद : अपने ही गढ़ में पिछड़ी अनुपमा			
विधानसभा	भाजपा		कांग्रेस
बोकारो	167044		102141
चंदनक्यारी(एससी)	100177		43717
सिन्दरी	128476		87239
निरसा	139319		70979
धनबाद	151379		89412
झरिया	96028		58870

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पंच ग्रही योग धन भाव में बन रहा है. धन का आगमन होगा. किया गया कार्य का सही लाभ मिलेगा. समय अनुकूल है. वरिष्ठों से संबंध मधुर होंगे, परन्तु सहकर्मियों से मनमुटाव व टकराहट हो सकती है, इसलिए असावधानी न बरतें.

वृषभ मानसिक उलझन वाला दिन होगा. विदेश से लाभ होगा. खर्च में वृद्धि होगी, पर बाहर से कोई शुभ समाचार मिलेगा. आपकी सृजनात्मकता आपको अन्य साथियों से आगे ले जायेगी. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है.

मिथुन खर्च में वृद्धि होगी, पर आय के लिए किया गया सार्थक प्रयास लाभ देगा. आर्थिक स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहेगी, धन की आवक सामान्य तौर पर बनी रहेगी, वहीं खर्च भी बढ़ सकते हैं. अपना धन किसी को उधार न दें.

कर्क समय लाभ का मौका देगा. बस कर्म पर ध्यान दें. समाज में मान-सम्मान मिलेगा. परिवार में सुख शांति भरपूर रहेगी. किसी शुभ कार्य के होने का संकेत भी सितारे दे रहे हैं. किसी विवाद में न पडें. अन्न का दान करें.

सिंह पिता के कार्य में हाथ बटाएं, लाभ होगा. धार्मिक यात्रा सुखद और मनोरंजक होगी. जीवनसाथी से संबंध थोड़े बेहतर होंगे. क्या न करें- आज कहीं पैसा फंसने का भी योग बन रहा है और कोई भी जोखिम भरा कार्य ना करें.

कन्या आपकी नासमझी के कारण किसी से विवाद होगा. दिल के बदले दिमाग से कार्य करें. आप कार्य में अपनी पसंदीदा चीजों की तरफ ध्यान देंगे. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है, अतः आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें.

तुला किसी से बेकार में बहस हो सकती है. जुबान पर नियंत्रण आवश्यक है. किसी नए शौक की तरफ रुझान रहेगा, जबकि स्पोर्ट्स, योग आपको तरोताजा होने में मदद करेंगे. कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं, अतः सतर्क रहें.

वृश्चिक ऋण लेने की नौबत आएगी. मेहनत ज्यादा करनी होगी. आपको एकाग्र होने में मदद मिलेगी और आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. अपने रुझान में कूटनीतिक रहने की कोशिश करें और विवाद न करें.

धनु शिक्षा में सुधार होगा. प्रेम में धोखा मिलेगा. गलतफहमियां दूर कर सकेंगे और नए वादे किए जाएंगे. मेहनत एवं अनुभव द्वारा कुछ नवीन स्थिति को पाएंगे. विषम परिस्थितियों में साहस न खोएं. गुरु मंत्र जाप करें.

मकर मां के स्वास्थ पर ध्यान दें. विदेशी कारोबार से जुड़े लोगों को अच्छे लाभ का योग है. पिता और उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. बिना बात के किसी से भी उलझना भारी पड़ सकता है. आलस त्यागें.

कुंभ भाई के लिए किया गया कार्य लाभ देगा. आपके परिश्रम को उचित सम्मान मिलेगा एवं नयी जिम्मेदारी का भार भी आपके कंधों पर डाली जायेगी. नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें.

मीन आय होगी, पर कार्य बनने में बाधा होगी. पैतृक संपत्ति का लाभ होगा. अपने कामकाज को बढ़ाने में सफल होंगे. कार्य से सम्बंधित यात्राओं का लाभ मिलेगा. किसी वाद-विवाद के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने से बचें.

हजारीबाग, धनबाद, मनोहरपुर और शिकारीपाड़ा के विधायक सांसद में हुए प्रमोट

विधानसभा में भी दिखेगा बदला-बदला सा नजारा, खाली नजर आएंगी चार सीटें

रवि भारती। रांची

इस बार विधानसभा के मॉनसून सत्र में बदला-बदला सा नजारा दिखेगा. चार सीटें खाली भी नजर आएंगी. हजारीबाग, धनबाद, मनोहरपुर और शिकारीपाड़ा के विधायक अब सांसद में प्रमोट हो गये हैं. इस कारण मनीष जायसवाल, ढुल्लू महतो, जोबा मांझी और नलिन सोरेन संसद में नजर आएंगे. वहीं बागी और दूसरे दलों से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले विधायकों के बैठने की व्यवस्था का भी दिलचस्प नजारा विधानसभा के अंदर दिखेगा.

झामुमो के बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम और विशुनपुर से झामुमो विधायक चमरा लिंडा भी सत्ता पक्ष की ओर बैठे नजर आएंगे. इसकी वजह यह है कि सभी को अपने-अपने दल की ओर से जारी ह्विप का पालन करना ही होगा. पार्टी स्तर से जारी ह्विप का पालन संवैधानिक बाध्यता होगी. ऐसा नहीं करने पर जरूरी प्रावधानों के तहत उन पर अनुशासनात्मक और वैधानिक कार्रवाई भी हो सकती है.

सीता का इस्तीफा अब तक स्वीकार नहीं, सत्ता पक्ष की तरफ ही बैठेंगी : सीता सोरेन ने विधायक पद से इस्तीफा तो दे दिया है, लेकिन अब तक इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है. उन्होंने इस्तीफा अपनी बेटी के मेल से भेजा था. स्पीकर न्यायाधिकरण ने सीता सोरेन से इस्तीफा की मूल प्रति मांगी है. उन्होंने अब तक मूल प्रति नहीं दी है, इसलिए इस्तीफे पर फैसला नहीं लिया जा सका है. उनके मामले में फैसला लिए जाने तक सदन के भीतर वे झामुमो विधायक के तौर पर ही दिखेंगी.

जेपी पटेल का मामला स्पीकर कोर्ट में, विपक्ष की ओर बैठे नजर आएंगे

भाजपा के विधायक जयप्रकाश भाई पटेल के विरुद्ध स्पीकर के न्यायाधिकरण में शिकायत दर्ज हो चुकी है. न्यायाधिकरण से उन्हें नोटिस जारी हो चुका है. उन्हें चार मई तक नोटिस का जवाब खुद या अधिवक्ता के माध्यम से भेजना था, पर उन्होंने जवाब देने के लिए समय की मांग की थी. न्यायाधिकरण की ओर से उन्हें जवाब देने के लिए छह जून तक का समय दिया गया है. इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. ऐसी स्थिति में पटेल एक बार फिर सदन के भीतर भाजपा की ओर ही बैठे दिख सकते हैं.

सीता और गीता फ्लॉप, पटेल को भी जनता ने दिखाया किनारे का रास्ता

झारखंड में दलबदलू नेताओं की नहीं गली दाल, मिली करारी हार

रांची। लोकसभा चुनाव में दलबदलु नेताओं की नहीं चल पायी. जनता ने उन्हें किनारे का रास्ता दिखा दिया. चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा. चुनाव से ठीक पहले इन नेताओं ने टिकट के लिए पाला बदला था. इसमें से दो ने भाजाप का और एक ने कांग्रेस का दामन थामा. चुनाव जीतने का दंभ भी भरा. भाजपा और कांग्रेस के स्टार प्रचारकों ने भी उन्हें जिताने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी.इसके बावजूद उन्हें करारी शिकस्त मिली.

कमल नहीं खिला पाई सीता : चुनाव से ठीक पहले जामा से झामुमो विधायक सीता सोरेन ने पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया. इसके बाद भाजपा ने सुनील सोरेन का टिकट काट कर दुमका से सीता सोरेन को टिकट दिया. दुमका में पीएम मोदी सहित भाजाप के स्टार प्रचारकों ने पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन सीता सोरेन दुमका में कमल नहीं खिला पाईं. उन्हें अपनी पुरानी पार्टी झामुमो के नलिन सोरेन ने करारी शिकस्त दी.

हाथ मजबूत नहीं कर पाये जेपी पटेल, दावा उल्टा पड़ा

भाजपा विधायक जेपी पटेल चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस में शामिल हो गए. कांग्रेस ने उन्हें हजारीबाग से टिकट भी दिया. टिकट मिलने के बाद जेपी पटेल ने जीत का दावा किया. लेकिन उनका दावा उल्टा पड़ गया. वे हजारीबाग से कांग्रेस का हाथ मजबूत नहीं कर पाये. उन्हें भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा. जनता ने जेपी पटेल को सिरे से नकार दिया.

गीता कोड़ा को भी जनता ने किनारे का रास्ता दिखाया

काफी तामझाम से कांग्रेस की सिटिंग सांसद रहीं गीता कोड़ा ने एन चुनाव के वक्ता भाजपा का दामन थामा. पीएम नरेंद्र मोदी सहित भाजपा नेताओं ने सिंहभूम में अपनी ताकत झोंक दी. लेकिन गीता कोड़ा सिंहभूम में कमल नहीं खिला पाईं. उन्हें झामुमो की जोबा मांझी ने बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी.

भाजपा ने चुनाव आयोग को शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने पर दी बधाई

रांची। भाजपा का प्रतिनिधिमंडल सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व में बुधवार को चुनाव आयोग पहुंचा और शांतिपूर्ण, हिंसामुक्त चुनाव कराने के लिए झारखंड के सीइसी सहित सभी पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी.सुधीर श्रीवास्तव ने बताया की साफ सुथरा, हिंसा मुक्त चुनाव होने से न सिर्फ राज्य के लोग खुश होते हैं, बल्कि देश का नाम भी ऊंचा होता है. इस गर्मी में जिस तरह चुनाव आयोग और चुनाव में लगे जितने भी पदाधिकारी और कर्मचारी थे. बूथ पर उपस्थित पीठासीन पदाधिकारी से लेकर जिला पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बल और बाहर राज्य से आये पुलिस बल के जावानों ने भी निष्पक्षतापूर्वक कार्य किया है, जो प्रशंसनीय है. इसके अलावा भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से आग्रह किया कि आनेवाले विधानसभा चुनाव में किसी वोटर का नाम वोटर लिस्ट में छूटे नहीं और किसी का नाम डिलीट न हो, इस पर ध्यान रखा जाए.

12 विधायकों की थी सांसद बनने की चाहत, चार सफल हुए

रांची। झारखंड के दर्जन भर विधायक संसदीय चुनाव में किस्मत आजमाने उतरे थे. हजारीबाग से विधायक मनीष जायसवाल, धनबाद से ढुल्लू महतो, दुमका से नलिन सोरेन, सिंहभूम से जोबा मांझी ही चुनाव जीत सके. झामुमो से बगावत कर लोबिन हेंब्रम व चमरा लिंडा ने चुनाव लड़ा, हार गये. बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती ने जमशेदपुर से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गये. जामा विधायक रहीं सीता सोरेन चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुईं, हार गईं. वहीं टुंडी विधायक मथुरा महतो ने चुनाव लड़ा, लेकिन जीत न सके. मांडू के भाजपा विधायक रहे जयप्रकाश भाई पटेल कांग्रेस के टिकट पर हजारीबाग से लड़े, हार गये. पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव भी गोड्डा से हार गये. झामुमो विधायक नलिन सोरेन ने सीता सोरेन को दुमका से हरा कर दिल्ली का टिकट बुक किया. सिंहभूम से मंत्री जोबा मांझी ने गीता कोड़ा को हरा कर दिल्ली का रुख किया है.

मेरी नीतीश कुमार से कोई बातचीत नहीं हुई: चंपाई

रांची। सीएम चंपाई सोरेन ने कहा है कि राजनीति के हर मोड़ पर लोग मिलते-जुलते रहते हैं. इसमें कोई दिक्कत नहीं है. उन्होंने यह भी कहा कि मेरी नीतीश कुमार से कोई बातचीत नहीं हुई है. अगर हमारे साथी दल में से किसी ने नीतीश कुमार से बात की होगी, तो इसकी मुझे जानकारी नहीं है. वे बुधवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि राजनीति में सभी दलों के साथ मुलाकात होती रहती है. यहां कोई भी अछूता नहीं है. बताते चलें कि एनडीए के घटक दल टीडीपी और जदयू किंगमेकर की भूमिका में आ गये हैं. अब केंद्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा, टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू और जदयू के नीतीश कुमार पर निर्भर हो गई है.

- राजनीति के हर मोड़ पर लोग मिलते-जुलते तो रहते ही हैं

जेबीकेएसएस ने खड़े किए आठ प्रत्याशी, गिरिडीह, कोडरमा रांची, हजारीबाग और सिंहभूम में रहे तीसरे स्थान पर

मुख्य संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव में झारखंड की राजनीति में एक नए चेहरे ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज की है. साथ ही पार्टी राज्य की 4 लोकसभा सीटों में पहली बार जितनी लेकर आयी है, वह किसी भी राजनीतिक दल के लिए लंबी लकीर के समान है. जयराम गिरिडीह लोकसभा में तीसरे स्थन पर रहे, लेकिन 3 लाख 47 हजार 322 वोट लाकर यह साबित कर दिया कि झारखंड की राजनीति में उनकी मजबूत पकड़ है. जयराम की दमदार उपस्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वे मथुरा महतो से मात्र 23 हजार वोटों से ही पीछे रहे. जयराम की पार्टी झारखंडी भाषा संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) ने आठ लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए थे. इनमें गिरिडीह में तो बेहतर प्रदर्शन किया ही, इसके साथ रांची लोकसभा सीट में 132647 वोट, हजारीबाग लोकसभा में 157977 वोट लाकर दिग्गज राजनीति धुरंधर को भी चुनाव में हांफने पर मजबूर कर दिया. आने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी का जोरदार हस्तक्षेप होगा, यह तय माना जा रहा है. झारखंड की राजनीति में जयराम महतो के उदय से आजसू और झामुमो के लिए खतरे की घंटी बज गई है. अबतक स्थानीय वोटों पर इन्हीं दो पार्टियों का कब्जा रहता था, लेकिन अब जयराम महतो के रूप में एक तीसरा मजबूत विकल्प झारखंड में सामने आ गया है.

आजसू और झामुमो के लिए खतरे की घंटी

जेबीकेएसएस के प्रत्याशी और मिले वोट

लोकसभा	प्रत्याशी	मिले वोट	वोट प्रतिशत
गिरिडीह	जयराम महतो	3,47,322	27.46
रांची	देवेंद्रनाथ महतो	1,32,647	9.16
हजारीबाग	संजय मेहता	1,57,977	12.49
धनबाद	इकलाक अंसारी	79,653	5.58
सिंहभूम	दामोदर सिंह हंसदा	44,292	4.4
कोडरमा	मनोज यादव	28,310	2.09
चतरा	दीपक गुप्ता	12,566	1.16
दुमका	बेनीलता टुडू	19,360	1.63

लापरवाही 31 मई को अध्यक्ष जस्टिस अभिताभ गुप्ता का कार्यकाल हो गया समाप्त

अध्यक्ष विहीन झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग एक बार फिर अध्यक्ष विहीन हो गया है. आयोग के अध्यक्ष जस्टिस अमिताभ गुप्ता का कार्यकाल 31 मई को समाप्त हो गया. अब आयोग में सिर्फ मेंबर तकनीक और मेंबर लॉ महेंद्र प्रसाद ही बचे हैं. ऐसे में 2024-25 के लिए बिजली दर निर्धारण में देरी होगी. वहीं आयोग में नई नियुक्ति भी नहीं हो पा रही है. पिछले साल नवंबर में आयोग ने अफसरों की नियुक्ति का विज्ञापन निकाला था, लेकिन आठ महीने बीतने के बाद भी नियुक्ति नहीं हो सकी है.

58 लाख बिजली उपभोक्ताओं की कौन सुनेगा

एक तरफ झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली की नई दर जारी करने की तैयारी में जुटा है, तो दूसरी तरफ राज्य के 58 लाख उपभोक्ताओं की शिकायतों को कोई सुनने वाला नहीं है. उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए हर लाइसेंसी को कंज्यूमर ग्रिवांस रिड्रेसल फोरम का गठन करना था. फोरम का गठन तो हुआ, लेकिन अध्यक्ष नहीं होने से कामकाज बाधित हो रहा है. फोरम में डिस्ट्रिक्ट जज स्तर के अधिकारी की नियुक्ति होनी है.

पलामू के फोरम में भी अध्यक्ष की नहीं हुई नियुक्ति

पलामू के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है. पलामू में कंज्यूमर ग्रिवांस रिड्रेसल फोरम में पिछले चार साल से अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई है. वहीं रांची में भी अध्यक्ष का पद खाली हो गया है. चाईबासा में 22 मई 2022 से अध्यक्ष का पद खाली पड़ा हुआ है. बोकारो में 19 नवंबर 2021 से अध्यक्ष का पद खाली है, जबकि मेदिनीनगर में सात नवंबर 2019 से अध्यक्ष का पद खाली है.

क्या है नियम अगर पावर सप्लाई करनेवाला लाइसेंसी फोरम में अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति नहीं करता है, तो विद्युत नियामक आयोग उस लाइसेंसी के खिलाफ कार्रवाई भी कर सकता है. खास बात यह है कि फोरम में उपभोक्ताओं की ओर से एक प्रतिनिधि का होना भी जरूरी है. लेकिन अब तक उपभोक्ताओं की ओर से एक भी फोरम में प्रतिनिधि नहीं है.

नियुक्ति में भी अब तक फंसा है पेंच

पिछले साल नवंबर में राज्य विद्युत नियामक आयोग में सचिव, लेखा और वित्त अधिकारी और सहायक निदेशक (टैरिफ) के पद पर नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया था. इन पदों पर नियुक्ति प्रत्यक्ष, अनुबंध और प्रतिनियुक्ति के आधार पर की जानी है. उम्मीदवारों के अनुभव के आधार पर आयोग चयन करेगा.

लापुंग व बेड़ो में सुखदेव भगत को मिली बढ़त

लापुंग। मांडर विधानसभा क्षेत्र में लोहरदगा के कांग्रेस के प्रत्याशी सुखदेव भगत को 131383 वोट मिले हैं जबकि भाजपा के प्रत्याशी समीर उरांव को केवल 82466 वोट मिले हैं. जीत का अंतर 48917 बताया जा रहा है. जबकि मांडर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लापुग प्रखंड में लोकसभा में कांग्रेस के प्रत्याशी सुखदेव भगत को लापुंग प्रखंड से भाजपा के खिलाफ 4843 वोटों की बढ़त मिली है. चुनाव परिणाम एवं सूत्रों के अनुसार लापुंग प्रखंड के 65 बूथों में हुए चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी सुखदेव भगत को 17195 वोट मिले जबकि भाजपा के प्रत्याशी समीर उरांव को महज 12352 वोट मिले.

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 06 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 58

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

17वीं लोस भंग करने की अधिसूचना जारी

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति को सौंपा इस्तीफा

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

निवर्तमान पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल की आखिरी कैबिनेट मीटिंग बुधवार को की. इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस्तीफा सौंप दिया. वह 8 जून को तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ले सकते हैं. इसके पहले 7 जून को संसदीय दल की बैठक होगी.

मोदी ने आखिरी कैबिनेट की बैठक में साथियों से कहा, हार-जीत राजनीति का हिस्सा है. नंबर गेम चलता रहता है. कितनी अच्छी बात है कि हम लोग जीत कर भी शांत हैं. वहीं कम नंबर लाने वाले लोग उछल रहे हैं. बैठक में चुनाव के नतीजों पर भी चर्चा हुई. इस मीटिंग में लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की गई और पीएम समेत पूरी कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया. इसके बाद पीएम सीधे राष्ट्रपति भवन पहुंचे और द्रौपदी मुर्मू को इस्तीफा सौंपा. राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मोदी ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दिया जिसे राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया और उनसे नयी सरकार के कार्यभार संभालने तक पद पर बने रहने को कहा. इसी के साथ नयी लोकसभा के गठन के लिए 17वीं लोकसभा को भंग करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है. पीएम के रूप में मोदी ने इससे पहले दूसरे कार्यकाल के मंत्रिमंडल और मंत्रिपरिषद की अंतिम बैठक की. केबिनेट की बैठक में चुनाव की समीक्षा करने के साथ ही सरकार गठन की संभावित रूपरेखा पर विचार किया. मौजूदा 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है. भाजपा ने 543 सदस्यीय लोकसभा में अपने दम पर 240 सीटें जीती हैं, जबकि उसके नेतृत्व वाले एनडीए (292) को स्पष्ट बहुमत मिला है.

राष्ट्रपति ने दिया विदाई भोज: राष्ट्रपति मुर्मू ने देरशाम पीएम मोदी और उनकी कैबिनेट को विदाई भोज दिया. इस भोज में मोदी समेत तमाम विशिष्ट लोग शामिल हुए.

आखिरी कैबिनेट में बोले मोदी- कम नंबर लानेवाले भी उछल रहे हैं

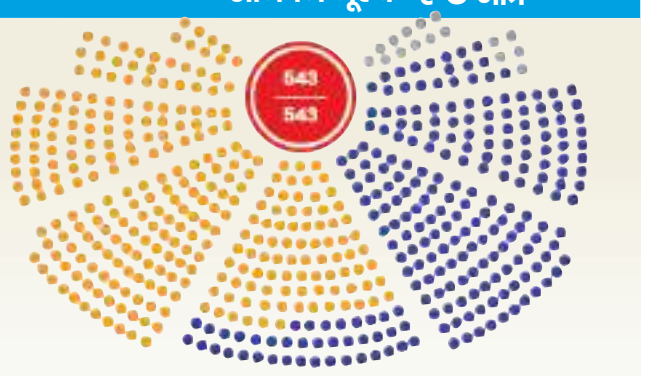

एनडीए	इंडिया	अन्य
293 -50	234 +107	16

सरकार बनाने की कवायद : सर्वसम्मति से एनडीए की बैठक में पास हुआ प्रस्ताव

मोदी ही होंगे पीएम

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव के बाद अब सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है. इसी सिलसिले में बुधवार को एनडीए की पहली बैठक पीएम आवास में शाम 4 बजे हुई. इस बैठक में नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुना गया. इस तरह नरेंद्र दामोदरदास मोदी के लगातार तीसरी बार पीएम बनने का रास्ता साफ हो गया है. बैठक में 16 दलों के 21 नेता आए थे.

सूत्रों के मुताबिक, 7 जून को एनडीए के सांसदों की बैठक के बाद राष्ट्रपति के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा. मोदी 8 जून को पद की शपथ ले सकते हैं. राजनाथ, अमित शाह और जेपी नड्डा को सभी सहयोगी दलों के साथ वन-टू-वन बात करने और नई सरकार के स्वरूप पर चर्चा करने की जिम्मेदारी दी गई है. एनडीए की बैठक में पीएम मोदी को पिछले 10 साल के कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई दी गई और तीसरी बार प्रधानमंत्री पद के लिए लाए गए प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से मुहर लगा दी गई. दरअसल, लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित हो चुके हैं. एनडीए गठबंधन गठबंधन के खाते में 293 सीटें आई हैं. वहीं, विपक्षी इंडिया अलायंस को 234 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा. एनडीए की बैठक में भाजपा समेत 16 दलों के नेताओं ने शिरकत की. इस बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया. जिसमें कहा गया कि भारत के 140 करोड़ देशवासियों ने पिछले 10 सालों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है.

प्रस्ताव में आगे कहा गया है कि बहुत लंबे अंतराल, लगभग 6 दशक के बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सशक्त नेतृत्व को चुना है. प्रस्ताव में कहा गया, हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव एनडीए ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता. हम सभी एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं.

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार भारत के गरीब-महिला-युवा-किसान और शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है. भारत की विरासत को संरक्षित कर देश के सर्वांगीण विकास हेतु एनडीए सरकार भारत के जन-जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करता रहेगा.

नई सरकार के लिए राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा करेंगे सभी सहयोगियों से वन टू वन बात, 8 जून को हो सकती शपथ

बैठक में 16 पार्टियों के 21 नेता शामिल हुए

1. नरेंद्र मोदी, पीएम 2. जेपी नड्डा,भाजपा अध्यक्ष 3.राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री 4. अमित शाह, गृहमंत्री 5.चंद्रबाबू नायडू, टीडीपी 6. नीतीश कुमार, जदयू 7. एकनाथ शिंदे, शिवसेना 8.एचडी कुमारस्वामी, जेडीएस 9. चिराग पासवान, लोजपा आर 10. जीतन राम मांझी, हम 11. पवन कल्याण, जेएसपी 12. सुनील तटकरे, राकांपा 13.अनुप्रिया पटेल, अपना दल एस 14. जयंत चौधरी, रालोद 15. प्रफुल्ल पटेल, एनसीपी 16. प्रमोद बोरो, यूपीपीएएल 17. अतुल बोरा, अगप 18. इंद्रा हैंग सुब्बा, एसकेएम 19. सुदेश महतो, आजसू 20. राजीव रंजन सिंह, जदयू 21. संजय झा, जदयू.

...तीसरे कार्यकाल में पुरानी प्रतिबद्धता या हार का दवाब होगा

सुरजीत सिंह

त्वरित टिप्पणी

यह लगभग तय है कि केंद्र में एनडीए की सरकार बनेगी और निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे. अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी पुरानी प्रतिबद्धताओं को जारी रखेंगे, पहले की तरह ही सख्त फैसले लेते रहेंगे या फिर बहुमत तक ना पहुंचने और इंडिया ब्लॉक को जनता का समर्थन मिलने का दवाब दिखेगा. भाजपा और एनडीए के दो सबसे बड़े घटक दल जेडीयू और टीडीपी की प्राथमिकताओं में बहुत बड़ा विरोधाभास है. मोदी इसे कैसे साधेंगे, यह देखना दिसचस्प होगा. भाजपा जाति आरक्षण का विरोध करती रही है, जबकि नीतीश कुमार इसके सबसे बड़े समर्थक हैं. उन्होंने बिहार में इसे कराया भी है. इसी तरह मुसलमानों को लेकर भाजपा और टीडीपी के रास्ते बिल्कुल विपरीत सोच वाला है.

इन सबसे ऊपर, इस चुनाव का सबसे बड़ा सच यह है कि भले ही भाजपा 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, उसे बहुमत नहीं मिला है. जनता जनार्दन ने कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के वादों पर भी भरोसा जताया है. कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं, जबकि इंडिया ब्लॉक को 234 सीटें. बंगाल में टीएमसी और उत्तर प्रदेश में सपा पर मतदाताओं के एक बड़े समूह ने भरोसा जताया है. जिस कारण भाजपा बहुमत से पीछे रह गई है. ऐसी स्थिति में नरेंद्र मोदी के सामने इंडिया ब्लॉक ने वादे किए हैं, उसे दूसरे रूप में ही सही, लागू करना बड़ी चुनौती होगी.

इंडिया ब्लॉक ने जो बड़े वायदे किये, उनमें गरीब महिलाओं को हर साल एक-एक लाख रुपया देने, अग्निवीर योजना को खत्म करने, मजदूरों की आय दोगुनी करने, 30 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने, ग्रेजुएशन करने वाले हर युवक-युवती को निजी क्षेत्र की कंपनियों में सरकारी खर्चे पर एक साल तक एप्रेंटिस (प्रशिक्षु) की व्यवस्था करने, किसानों के लिए एमएसपी को कानून का दर्जा देने व सारे कर्ज माफ करने और जाति जनगणना व आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण कराना शामिल है. यह तय है कि नौकरी के वादे की वजह से युवकों का रुझान कांग्रेस की तरफ बढ़ा है. किसानों व महिलाओं का समर्थन भी मिला है. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में इन वादों को किसी दूसरे तरीके से लागू करने का दवाब रहेगा या मोदी सरकार इसकी परवाह नहीं करेगी.

जदयू समेत एनडीए के सहयोगियों ने सौंपी मांगों की लिस्ट

नीतीश चाहते हैं बिहार में हों जल्दी विस चुनाव

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

एनडीए के सहयोगियों ने केंद्र में सरकार गठन से पहले ही बीजेपी पर दवाब बनाना शुरू कर दिया है. किंगमेकर की भूमिका में आ चुके बिहार के सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू पीएम मोदी की बीजेपी से तगड़ा मोलभाव करनेवाला है. जदयू ने बिहार में जल्दी विस चुनाव कराने के साथ देश में जाति जनगणना, बिहार को विशेष दर्जा, कैबिनेट में कम से कम पांच मंत्री पद की मांग की है.

बताया जा रहा है कि नीतीश की रेलवे, ग्रामीण विकास और जल संसाधन जैसे अहम मंत्रालयों पर नजर है. वे एनडीए की बैठक में हिस्सा लेने बुधवार को दिल्ली पहुंचे थे. जदयू के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, नीतीश बिहार की जाति गणना का मॉड्यूल पूरे देश में लागू कराना चाहते हैं, ताकि गरीब और पिछड़े तबके के लोगों को मुख्य धारा में लाया जा सके. बता दें कि पिछले साल बिहार में जाति गणना की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण का दायरा 75% तक बढ़ा दिया गया. साथ ही नीतीश सरकार गरीब परिवारों को 2 लाख की आर्थिक मदद करने की योजना भी लेकर आई है. इसके अलावा सीएम नीतीश कुमार एनडीए के पक्ष में अनुकूल माहौल का लाभ उठाने के लिए राज्य में जल्दी विधानसभा चुनाव कराने के लिए भी उत्सुक हैं. मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल नवंबर 2025 को समाप्त होगा. देखना है कि उनकी कितनी बात मानी जाती है.

बाकी सहयोगियों की मांग भी कम नहीं

एनडीए के एक अन्य घटक शिवसेना के एकनाथ शिंदे भी एक कैबिनेट और दो राज्यमंत्री चाहते हैं. लोजपा आर के चिराग पासवान एक कैबिनेट और एक राज्य मंत्री की मांग कर सकते हैं. हम सुप्रीमो जीतन राम मांझी भी मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री बनना चाहते हैं. दूसरी तरफ टीडीपी ने सबसे बड़ी डिमांड लोकसभा स्पीकर पद को लेकर रहने वाली है. कहा जा रहा है कि नायडू 5-6 मंत्रालयों की मांग कर सकते हैं. इसके साथ चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश के लिए स्पेशल स्टेटस भी मांग सकते हैं. यह उनकी काफी पुरानी मांग रही है. बता दें कि स्पेशल स्टेटस का दर्जा ऐसे राज्यों को दिया जाता है, जो ऐतिहासिक रूप से देश के बाकी हिस्सों की तुलना में पिछड़े हुए हैं. इसका फैसला राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) लेता रहा है. तेलंगाना के अलग होने के बाद से ही चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश के लिए स्पेशल स्टेटस यानी विशेष राज्य का दर्जा मांगते रहे हैं. इसके पीछे उनका तर्क है कि हैदराबाद के तेलंगाना के पास जाने के बाद आंध्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान हुआ है. वहीं, जयंत ने कहा है कि हमें इलेक्शन के पहले एक मंत्री पद देने का वादा किया गया था। इसी तरह अनुप्रिया पटेल भी एक मंत्री पद चाहती हैं.

टीडीपी की संभावित मांग

- आंध्र को विशेष राज्य का दर्जा
- लोकसभा अध्यक्ष का पद
- पांच कैबिनेट मंत्री पद (कम से कम तीन महत्वपूर्ण मंत्रालय)

जदयू की संभावित मांग

- बिहार की तर्ज पर पूरे देश में हो जाति जनगणना
- बिहार को विशेष राज्य का दर्जा
- चार कैबिनेट एक राज्यमंत्री का पद (रेलवे, ग्रामीण विकास व जल संसाधन जैसे मंत्रालय)
- बिहार में जल्द कराए जाएं विधानसभा चुनाव

लोजपा आर की संभावित मांग

- कम से कम एक कैबिनेट और एक राज्यमंत्री का पद

शिवसेना की संभावित मांग

- कम से कम एक कैबिनेट मंत्री और दो राज्यमंत्री का पद

जीतन राम मांझी

- कैबिनेट मंत्री का पद

जनादेश मोदी के खिलाफ: खरगे

- संविधान की प्रस्तावना में आस्था रखने वाले दलों का गठबंधन में स्वागत है
- 'इंडिया' की बैठक में शामिल हुए सीएम चंपाई और कल्पना समेत सभी बड़े नेता

दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक. इसमें झामुमो की तरफ से शामिल हुए सीएम चंपाई सोरेन और कल्पना सोरेन.

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद बुधवार को कहा, इस गठबंधन में उन सभी दलों का स्वागत है, जो संविधान की प्रस्तावना में अटूट आस्था रखते हैं और इसके आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक न्याय के उद्देश्यों को लेकर प्रतिबद्ध हैं.

खरगे ने कहा, हम सही समय का इंतजार करेंग. हम एकजुट होकर पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़े. मोदी जनमत को नकारने की कोशिश करेंगे. ये मोदी की राजनीतिक हार है. हम मोदी के खिलाफ लड़ते रहेंगे. यह जनादेश मोदी की नीतियों के खिलाफ है. हमारी बैठक में नेताओं से मौजूदा राजनीतिक हालात पर सुझाव आए और चर्चा हुई. हमारे गठबंधन को मिले भारी समर्थन के लिए जनता का आभार व्यक्त करते हैं. जनादेश ने बीजेपी और उसकी नफरत, भ्रष्टाचार की राजनीति को करारा जवाब दिया है. यह जनादेश भारत के संविधान की रक्षा और महंगाई, बेरोजगारी, क्रोनी पूंजीवाद के खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने के लिए है. इंडिया गठबंधन मोदी के नेतृत्ववाली बीजेपी के फासीवादी शासन के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा.

राहुल गांधी ने कहा, इंडिया भारत की आवाज है. इस आवाज ने अपना निर्णय साफ-साफ सुना दिया है. देश की जनता ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा में अपना पूरा जोर लगा दिया है और इस संकल्प को हम पूरी शक्ति के साथ आगे बढ़ाएंगे.

सभी नेता हुए शामिल : बैठक में खरगे सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, शरद पवार (एनसीपी एस), तेजस्वी यादव (राजद), अखिलेश यादव (सपा), अभिषेक बनर्जी (टीएमसी), चंपाई सोरेन, कल्पना सोरेन (झामुमो), एमके स्टालिन (द्रमुक), सीताराम येचुरी (माकपा), संजय सिंह (आप), उमर अब्दुल्ला (नेशनल कांफ्रेंस), डी राजा (भाकपा), संजय राउत (शिवसेना यूबीटी) समेत गठबंधन के कई अन्य नेता भी शामिल हुए. बैठक के दौरान माहौल बेहद खुशनुमा रहा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,900
चांदी (किलो)	96,000

केजरीवाल को दोहरा झटका

नयी दिल्ली। दिल्ली की कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में स्वास्थ्य आधार पर जमानत देने का आग्रह करने वाली अरविंद केजरीवाल की याचिका बुधवार को खारिज कर दी. विशेष जज कावेरी बावेजा ने तिहाड़ के अधिकारियों को न्यायिक हिरासत में केजरीवाल की चिकित्सकीय जरूरतों का ध्यान रखने का निर्देश दिया. जज ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत भी 19 जून तक के लिए बढ़ा दी. कोर्ट अदालत मामले में वैधानिक जमानत का आग्रह करने वाली केजरीवाल की याचिका पर सात जून को सुनवाई कर सकती है.

संबोधन पॉलिटिकल प्रेशर को लेकर चीफ जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ का बड़ा बयान, बोले

कभी नहीं करना पड़ा राजनीजिक दबाव का सामना

एजेंसी। नयी दिल्ली

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव हमारे संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार है, वहीं जज व्यवस्था की रक्षा करनेवाले संवैधानिक मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित करते हैं. सीजेआई ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, समाज में निर्णायकों की मानवीय भूमिका के विषय पर अपनी बात रख रहे थे.

उन्होंने इस दौरान न्यायिक प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला. सीजेआई चंद्रचूड़ ने साफ किया है कि उन्हें कभी भी पॉलिटिकल प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ा है. उन्होंने भारत के आम चुनावों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, चुनाव संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार है. भारत में न्यायाधीश निर्वाचित नहीं होते और इसका एक कारण यह भी है कि न्यायाधीश हालातों और संवैधानिक मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित करते हैं.

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, लोकतंत्र में न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका है,जिसमें हम परंपरा की भावना को प्रदर्शित करते हैं और साथ ही इस भावना को भी प्रदर्शित करते हैं कि एक अच्छे समाज का भविष्य कैसा होना चाहिए. निर्णय सुनाते समय उन्हें जिन राजनीतिक और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ा, उसके बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, न्यायाधीश के रूप में मेरे 24 वर्षों के कार्यकाल में मुझे कभी भी राजनीतिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ा.

फैसले का नहीं करूंगा बचाव, क्योंकि...

सीजेआई ने कहा, हमारा जीवन सरकार की राजनीतिक शाखा से बिल्कुल अलग है. लेकिन स्पष्ट रूप से न्यायाधीशों को अपने निर्णयों के व्यापक राजनीति पर पड़नेवाले प्रभाव से परिचित होना चाहिए. यह राजनीतिक दबाव नहीं है, बल्कि न्यायालय द्वारा किसी निर्णय के संभावित प्रभाव की समझ है. मौजूद विद्यार्थियों ने सीजेआई चंद्रचूड़ से पिछले वर्ष विशेष विवाह अधिनियम पर सुनाए फैसले के बारे में सवाल पूछा, जिसमें भारत में समलैंगिक विवाह को वैध बनाने के खिलाफ फैसला सुनाया गया था. उन्होंने कहा, मैं यहां फैसले का बचाव नहीं करूंगा, क्योंकि एक जज के तौर पर फैसला सुनाए जाने के बाद यह न केवल राष्ट्र की बल्कि वैश्विक मानवता की पूंजी बन जाता है. स्पेशल मैरिज एक्ट संसद द्वारा बनाया गया एक कानून था, जो विषम लैंगिक संबंध में विवाह की परिकल्पना करता है.

एआई पर सीजेआई की चेतावनी

टेक्नोलॉजी और एआई पर बात करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि यह अहम है कि हम न्याय के मानवीय तंत्र को सुनिश्चित करने के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग के पक्ष-विपक्ष को समझें व महत्व दें. एआई भविष्य के लिए असीम संभावनाओं से भरा हुआ है. हमें यह भी पक्का करना चाहिए कि हम एआई को कंट्रोल करने के लिए सुरक्षा उपाय लागू करें और संचार की प्रक्रिया को जज से रोबोट में शिफ्ट न करें. मेरा मानना है कि लोकतंत्र में समाज को और अन्य तरीकों से बहुत कुछ करना पड़ता है. समाज में उठने वाले हर मुद्दे या विवाद को सुलझाने के लिए आप कोर्ट की तरफ नहीं देख सकते.

पीएम मोदी के फिर आने से शेयर बाजार ने लगाई छलांग

एजेंसी। मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों ने बुधवार को जोरदार वापसी की और बीएसई सेंसेक्स 2,300 अंक से अधिक की छलांग लगा गया. एनएसई निफ्टी भी 735 अंक के लाभ में रहा. 30 शेयरों पर आधारित बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2,303.19 अंक, यानी 3.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,382.24 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 2,455.77 अंक तक चढ़ गया था.

बैंक, वाहन तथा पेट्रोलियम कंपनियों शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 735.85 अंक, यानी 3.36 प्रतिशत उछलकर 22,620.35 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान, एक समय यह 785.9 अंक तक चढ़ गया था. एचडीएफसी बैंक,

आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज़ में भारी लिवाली से बाजार में तेजी आई. एनडीए ने बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया. जियोजीत के शोध प्रमुख ने कहा, राजनीतिक स्तर पर स्थिरता सुनिश्चित होने के साथ बाजार में चौतरफा लिवाली से तेजी लौटी... हालांकि, सभी की नजर सरकार के गठन और इस सप्ताह पेश होने वाली मौद्रिक नीति पर होगी. सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर लाभ में रहे. इंडसइंड बैंक सात प्रतिशत से अधिक लाभ में रहा.

ढोल, ताशा के साथ राम दरबार की भव्य झांकी आकर्षण का केंद्र

संजय सेठ की जीत पर निकाला गया भव्य विजय जुलूस

संवाददाता। रांची

रांची लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के नव निर्वाचित सांसद संजय सेठ के भारी मतों से विजयी होने पर बुधवार को महानगर भाजपा की ओर से पंडरा स्थित ओटीसी मैदान से एमजी रोड काली मंदिर तक विजय जुलूस निकाला गया. काली मंदिर और हनुमान मंदिर में संजय सेठ ने पूजा अर्चना की. विजय जुलूस में ढोल, ताशा, नगाड़े और राम दरबार की भव्य झांकी निकाली गई. मौके पर संजय सेठ ने कहा कि यह जीत हमारी नहीं, बल्कि रांची की जनता की जीत है. जो स्नेह और प्यार जनता ने दिया है, उसके लिए हृदय से धन्यवाद. रांची के जो अधूरे कार्य हैं उन्हें पूर्ण करना है. रांची को नंबर वन बनाना है. रांची की जनता के हर सुख दुख में साथ खड़े रहेंगे.

जुलूस में रांची के पूर्व सांसद अजय मारू, रांची के विधायक सीपी सिंह, कांके विधायक समरी लाल, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, बलराम सिंह, भाजपा प्रदेश का समिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ललित नारायण, संजय मिनोचा, शुभम जायसवाल, तरुण जायसवाल, राजकुमार जायसवाल, अविनाश राय, बाली राय, प्रमोद महतो, मनोज कुमार, जगमोहन, हीरा पासवान, बली यादव, हीरा राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा के नेता-कायकर्ता और समर्थक मिल रहे.

भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के विजय जुलूस के दौरान आतिशबाजी करते कार्यकर्ता.

नवनिर्वाचित सांसद कालीचरण मुंडा और सुखदेव भगत पहुंचे कांग्रेस ऑफिस, प्रभारी और अध्यक्ष से मिले

चुनाव की जिम्मेवारी निभा रहे पदाधिकारियों के साथ बैठक कर परिणाम की होगी समीक्षा : मीर

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस के निर्वाचित दोनों सांसद कालीचरण मुंडा और सुखदेव भगत बुधवार को कांग्रेस ऑफिस पहुंचे. इन दोनों का स्वागत प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने किया. इस मौके पर मीर ने कहा कि हारी हुई सीट को लेकर कई तरह की शिकायतें विभिन्न स्रोतों से आ रही हैं. हमें लगता है कि इसकी सामूहिक समीक्षा होनी चाहिए. बहुत जल्द चुनाव की जिम्मेवारी निभा रहे पदाधिकारियों के साथ बैठक परिणामों की समीक्षा होगी. हर चुनाव में टिकट के कई दावेदार होते हैं, मगर अंतिम रूप से नेतृत्व सारी परिस्थितियों का आकलन करके टिकट देता है. टिकट मिलने के बाद सभी लोगों की सामूहिक जिम्मेवारी बनती है कि वह पार्टी प्रत्याशी के जीत के लिए काम करे.

प्रदेश अध्यक्ष बोले- जनता ने हमारी बातें सुनीं और समझीं

उन्होंने कहा कि यह खंडित जनादेश है. यह भी तय है कि यह जनादेश मोदी और भाजपा के खिलाफ है. 400 पार का दावा करने वाली भाजपा अपने दम पर बहुमत के आंकड़े तक 272 नहीं पहुंच पाई. इस बार के चुनाव में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लोग मुद्दे के साथ उतरे. हमारी बातों को देश की जनता से सुना और समझा. इसका परिणाम है चुनावी रिजल्ट. हम संविधान और आरक्षण बचाने के लिए मैदान में थे. देश में आपसी प्रेम-भाईचारा बनाने के लिए उतरे थे. जिसमें हम सफल हुए. यह अलग बात है कि संख्या बल से चूक गए. रही बात इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने की, तो अभी कुछ नहीं कहा सकता है, यह सबकुछ स्थिति, परिस्थिति पर निर्भर है. इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद ही कुछ सामने आ पाएगा.

अगर मैं भी जिम्मेवार हूं तो जिम्मेवारी तय होगी : ठाकुर

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि जिस पार्टी का संगठन मजबूत होता है, उसमें ही टिकट के अधिक दावेदार होते हैं. यह कांग्रेस पार्टी के लिए अच्छी बात है कि एक सीट के लिए कई-कई दावेदार रहे हैं. मगर यह भी तय है कि टिकट एक ही को मिलता है. कांग्रेस को जिन सीटों पर हार मिली है, उसकी गहराई से समीक्षा होगी. अगर मैं भी जिम्मेवार हूं तो जिम्मेवारी तय होगी. समग्रता से विचार होगा. उन्होंने कहा कि जिसके प्रदेश अध्यक्ष आदिवासी हैं वे ही आदिवासी सीट हार गए हैं. निश्चित ही इसका प्रभाव विधानसभा चुनाव में पड़ेगा. उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि पिछली बार की तुलना में कई सीटों पर हमारा वोट प्रतिशत बढ़ा है. एक से दो-दो लाख तक वोट की बढ़ोतरी हुई है. यह कम बड़ी बात नहीं है.

हेमंत व आदिवासी से गद्दारी की सजा चमरा को मिली : सुखदेव

लोहरदगा के नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि जितनी बड़ी जीत है, उतनी बड़ी जिम्मेवारी है. लोहरदगा का प्रभारी हमें नियुक्त किया गया था. मैंने उसी समय तय किया था कि लोहरदगा से कांग्रेस को जिताना है, चाहे प्रत्याशी कोई भी हो. प्रभारी ने कहा था कि यहां से 1 लाख से अधिक मतों से जीत होनी चाहिए. दूसरी बात राहुल गांधी के दौरे का असर हुआ. उन्होंने जो बातें कहीं, उन्हें जनता ने सुनीं. लोगों ने राहुल गांधी को स्वीकार किया है. समीर उरांव का हारना इसलिए भी अहम है कि वे भाजपा राष्ट्रीय जनजातीय मोर्चा के अध्यक्ष भी हैं. चमरा लिंडा मेरे छोटे भाई हैं. चमरा लिंडा ने हेमंत सोरेन के साथ गद्दारी की, आदिवासी से गद्दारी की. उनका यह भ्रम टूट गया कि आदिवासी वोटर उनके बंधुआ मजदूर हैं. वे आरएसएस-भाजपा के खिलौना बन कर रहे गए थे.

जनता के आशीर्वाद से खूंटी में खूंटा गाड़ दिए : कालीचरण

खूंटी के नवनिर्वाचित सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से हमने खूंटी में खूंटा गाड़ दिए. मैं पार्टी का एक सामान्य कार्यकर्ता हूं, पार्टी ने भरोसा किया और जनता ने अपना समर्थन दिया, जिसके कारण यह जीत हुई. भारजीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अर्जुन मुंडा के बारे में उन्होंने कहा कि जो जनता के बीच नहीं रहेंगे, उनका यही हाल होगा. यह लड़ाई जल, जंगल और जमीन बेचने और बचाने वालों के बीच थी. हम सदन में इसकी आवाज बुलंद करेंगे.

सीईसी ने सुचारु रूप से चुनाव संपन्न कराने के लिए सभी को दिया धन्यवाद

संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है. भारत निर्वाचन आयोग का निर्देश मिलते ही झारखंड में आदर्श आचार संहिता के समाप्त होने की घोषणा कर दी जाएगी. उन्होंने चुनाव निष्पक्ष, भयमुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने पर संतोष व्यक्त किया. पूरे चुनाव के दौरान राज्य में कही भी हिंसक घटना नहीं हुई. सबसे संतोष की बात यह रही कि इस चुनाव में नक्सली घटना भी शून्य रही.

एमसीसी उल्लंघन के मामलों में आयी कमी

कुमार ने बताया कि पिछले दो लोकसभा चुनावों की अपेक्षा इस बार सबसे कम आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले दर्ज किये गये हैं. 2014 में 318 मामले दर्ज किये गये थे. वहीं 2019 में यह संख्या 193 रही थी, जबकि, 2024 में यह संख्या महज 101 रही है. यह सब जागरूकता अभियानों और मीडिया की सकारात्मक भूमिका के कारण संभव हुआ है. आगे प्रयास रहेगा कि आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले न्यूनतम हों.

पौधरोपण के साथ मना विश्व पर्यावरण दिवस

रांची। एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालयए एनएमएल, रांची में केंद्रीय पेट्रो रसायन इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के नए परिसर में बुधवार को बड़े पैमाने पर फल देने वाले पौधों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया. स्वयंसिद्धा लेडीज क्लब के सहयोग से 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर सामूहिक पौधरोपण किया गया. स्वयंसिद्ध लेडीज क्लब की अध्यक्ष रेखा जैन ने फलदार पौधे लगाने की शुरुआत की, जिसके बाद शिखा रस्तोगी, सुनीता पांडे, मनसा वर्मा, दीपा कुमारी, स्निग्धा रानी मांझी और सपना पारीक सहित अन्य ने पौधरोपण किए.

हाईकोर्ट ने कहा : दोष साबित करने के लिए साक्ष्य की भी जरूरत

सिर्फ हथियार मिलना क्राइम नहीं

विनित आभा उपाध्याय। रांची

- सिमडेगा कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में दी गई थी चुनौती

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि सिर्फ हत्या में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी के आधार पर किसी को दोषी करार नहीं दिया जा सकता, दोष सिद्ध करने के लिए अन्य साक्ष्यों की भी जरूरत है. अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि अगर हत्या का हथियार बरामद भी हो जाये और उस पर खून के धब्बे भी हों, तो भी इससे आरोपी का अपराध साबित नहीं होता. यह अकेली परिस्थिति किसी भी तरह से अपीलकर्ता को दोषी ठहराने का आधार नहीं बन सकती. हथियार बरामदगी को छोड़कर अन्य परिस्थितियों पर भी गौर किया जाना चाहिए और अपीलकर्ता को दोषी ठहराने के लिए कुछ कड़ी होनी चाहिए. दरअसल सिमडेगा सिविल कोर्ट ने संजय कुजूर को पिछले वर्ष हत्या के जुर्म में दोषी करार दिया था. इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी थी. मृतक मुकेश कुजूर की पत्नी द्वारा दर्ज करवायी गयी एफआईआर के मुताबिक, जब वह खेत पर काम करने गयी थी, तभी उसकी भाभी ने बताया कि उसके पति पर उसके भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया है. हमले के बाद उसका पति बेहोशी की हालत में आंगन में पड़ा मिला. वह तुरंत घर पहुंची और घायल पति को अस्पताल ले गयी. शुरुआत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 326/307 (हत्या का प्रयास) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गयी थी. बाद में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) को जोड़ा गया.

पानी की परेशानी | मधुकम में कुएं सूखे, बोरिंग फेल... सप्लाई वाटर का भरोसा नहीं, समाधान की भी कोशिश नहीं

जल संकट गहराया, लोग पूछ रहे -पानी रे पानी तेरा रंग कैसा

बसंत मुंडा। रांची

मधुकम मुहल्ले के लोग पानी की किल्लत से परेशान हैं. दिन तो दिन रात में पानी के जुगाड़ में भटकते रहते हैं. जून महीने के पहला सप्ताह में गर्मी बढ़ गई है. चूंकि मार्च -अप्रैल में हीं कुए सूख गये हैं, बोरिंग फेल हैं, इसलिए लोगों को पानी के लिए ज्यादा परेशान होना पड़ रहा है. सरकारी कुएं नहीं हैं. ज्यादातर लोग सप्लाई पानी पर ही निर्भर है. लेकिन सप्लाई वाटर कब आएगा, कब जाएगा लोगों को पता ही नहीं. वैसे भी मुहल्ले के ज्यादार घरों मे सप्लाई वाटर का कनेक्शन ही है नहीं. मुहल्ले की मुख्य सड़क के किनारे चार चापानल तो दिखते हैं, लेकिन उनसे पानी नहीं निकलता है. वर्षों से चारों चापानल खराब पड़े हैं. मुहल्ले के लोगों ने कई दफा मिनी एचवाईडीटी (पानी टंकी) की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग तो की, लेकिन निगम के अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इसे कभी गंभीरता से लिया ही नहीं. निगर निगम का टैंकर कभी पानी लेकर आता ही नहीं. नतीजतन लोगों को पीने के लिए जार का पानी खरीद कर लाना पड़ता है. लोगों का कहना है कि पानी की समस्या को लेकर हर साल निगम के अधिकारियों का ध्यान दिलाया जाता है, लेकिन कभी स्थायी रूप से इसका समाधान करने की कोशिश नहीं की गयी.

मधुकम में खराब पड़ा चापानल.

तीन साल से खराब पड़े हैं चापानल : पीयूष राज

मुहल्ले में रहनेवाले पीयूष राज ने बताया कि चारों के चारों चपानल तीन साल से खराब पड़े हैं. मुहल्ले में सप्लाई पानी नहीं समय पर नही पहुंचता है. पानी कब आएगा, कब जाएगा, पता ही नहीं चलता है. पावर कट और लो-वोल्टेज की समस्या से भी लोग परेशान रहते हैं. न इन्वर्टर चार्ज हो पाता है और न पंखा ही ढंग से चल पाता है.

सप्लाई पानी का कोई भरोसा ही नहीं : हर्ष

मुहल्ले के रहनेवाले हर्ष राज ने बताया कि सप्लाई पानी का पाईप घर तक पहुंचा है. कनेक्शन भी ले रखा है, लेकिन पानी कभी -कभी ही आता है. सप्लाई पानी दो- तीन दिन में कभी कभार आ जाता है. सबसे बड़ी समस्या है कि सप्लाई पानी भी पीने लायक नहीं है. जगह -जगह पाइपलाइन लीकेज है, जिससे नाली का गंदा पानी पाइप में चला जाता है.

गर्मी में पानी के लिए बढ़ जाती है परेशानी

सतीश कुमार ने बताया कि गर्मी में बोरिंग का जलस्तर नीचे चला गया है. पानी बहुत कम निकल रहा है. सप्लाई वाटर पर भरोसा नहीं किया जा सकता है. हालांकि इस बार थोड़ी बारिश समय- समय पर हुई है, इसलिए बोरिंग से काम चलाने भर पानी मिल जाता है. मुहल्ले में लगभग 10 हजार से अधिक की आबादी है. लेकिन गर्मी के दिनों में लोगों को काफी परेशानी होती है.

न्यूज अपडेट

रांची सिटीजन फोरम की टीम ने किया पौधरोपण

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस पर रांची सिटीजन फोरम की टीम ने बुधवार को हरमू हाउसिंग कॉलोनी में पौधरोपण किया. फोरम के अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में हरमू हाउसिंग कॉलोनी में बेल, पीपल, बड़, नीम, अमरूद के पौधे लगाए गए. मौके पर निराला ने कहा कि तेजी से रांची का मौसम बदला है और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है. इसको देखते हुए रांची सिटीजन फोरम ने नागरिकों से अपील की है कि वे भी घर, ऑफिस, प्रतिष्ठान के आसपास पौधे लगाएं और उनकी देखभालकरें. कार्यक्रम में फोरम के उपाध्यक्ष उमा शंकर सिंह, रेणुका तिवारी, सचिव सुशील क्रांतिकारी और कोषाध्यक्ष विनोद बेगवानी सहित अन्य मौजूद थे.

पर्यावरण दिवस पर बीआईटी मेसरा में पौधरोपण

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस पर बीआईटी मेसरा लालपुर केंद्र में बुधवार को पौधरोपण किया गया. इस दौरान गुलमोहर के विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए. केन्द्र की निदेशक डॉ. वंदना भट्टाचार्य ने कहा कि हर मनुष्य यदि अपने जीवनकाल में एक पौधा लगाए तो धरा की सुंदरता और बढ़ जाएगी. अपने जीवन में एक पौधा जरूर लगाएं. डॉ. प्रणव कुमार ने पौधरोपण करने और उनको संरक्षण देने की बात कही. कार्यक्रम में डॉ संदीप नाथ शाहदेव, डॉ विनोद कुमार शर्मास डॉ अमृता सरकारस डॉ मानशी गुप्ता, सुभाशीष रॉय, मनोज कुमार, अनामिका कुमारी, सरिता तिग्गा, मिनी दुबे, ऐलिस टोप्पो, सोनी कुमारी, अजय कुमार, बासुदेव सिंह आदि उपस्थित थे.

पत्नी के आत्महत्या मामले में पति दोषी करार

रांची। अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की कोर्ट ने बुधवार को पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपित पति मोहम्मद सद्दाम को दोषी ठहराया है. दोषी की सजा के बिंदु पर कोर्ट 12 जून को सुनवाई करेगी. मामले के एक आरोपित मोहम्मद असलम को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया.उल्लेखनीय है कि यह मामला अनगड़ा थाना क्षेत्र से जुड़ा है. बताया जाता है कि मो. सद्दाम की पत्नी ने वर्ष 2018 में आत्महत्या कर ली थी. इसके बाद मोहम्मद सद्दाम पर पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था. इसे लेकर अनगड़ा थाना में कांड संख्या 22/2018 थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे ने किया पौधरोपण

रांची। पर्यावरण दिवस पर रांची सिविल कोर्ट में पौधरोपण किया गया. कोर्ट परिसर में रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे समेत अन्य

न्यायिक पदाधिकारियों ने अर्जुन, चंदन और रुद्राक्ष के पौधे लगाये. मौके पर न्यायायुक्त ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है. आज हमें पर्यावरण के संरक्षण, संवर्द्धन और विकास का संकल्प लेने की जरूरत है. प्रकृति और मानव का रिश्ता पुराना है, यह एक अटूट संबंध है, मगर आधुनिकता और बढ़ती व्यस्तता के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है. बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध इस्तेमाल से आज विश्व का तापमान चिंतित स्तर पर बढ़ रहा है.

नशा कारोबार पर कार्रवाई में लापरवाही न करें

रांची। नशा कारोबार के खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही पर पुलिसकर्मियों पर गाज गिरेगी. इसे लेकर गुरुवार को डीजीपी अजय सिंह जिले के एसएसपी, एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे. झारखंड हमेशा अफीम समेत अन्य नशीले पदार्थ के उत्पादन को लेकर सवालों के घेरे में रहा है. इसके उत्पादन और उपभोग में वृद्धि देखी गयी है. झारखंड पुलिस के मुताबिक, बीते पांच सालों में करीब 2024 कांड दर्ज किये गये हैं. जबकि उक्त कांडों में करीब 4949 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है. अफीम उत्पादन और उपभोग सबसे ज्यादा चतरा, पलामू, लातेहार और रांची में दर्ज किया गया है.

आदिवासियों के प्रकृति प्रेम का परिणाम है हरियाली

रांची । झारखंड के लिए यह सौभाग्य की बात है कि यहां के आदिवारियों के प्रकृति प्रेम और सरना धर्म के कारण ही हरियाली नजर आ रही है. विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को जुपमी भवन के सभागार में आयोजित एक कार्यशाला के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव चंद्रशेखर ने यह बातें कहीं. उन्होंने इस अवसर पर राज्य के सभी नगर निकायों को पर्यावरण पखवाड़ा आरंभ करने का निर्देश दिया. इससे पूर्व राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के विभूति कुमार ने गंगा स्वच्छता अभियान से हो रहे पर्यावरण की सुरक्षा के संबंध में बताया . जुडको के सहायक महाप्रबन्धक अभिनेन्द्र कुमार ने बढ़ते वैश्विक तापमान, बढ़ते समुद्र जल को वायुमंडल में हो रहे परिवर्तन को कारण बताया.

आंदोलनकारियों ने जोबा की जीत पर दी बधाई

रांची। झारखंड आंदोलनकारी अमीन अहमद ने लोकसभा चुनाव 2024 में सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र से जोबा मांझी की जीत पर खुशी जतायी. उन्होंने कहा कि अब कोल्हान की आवाज संसद गूंजेगी. विभाजित बिहार से झारखंड राज्य की राजनीति से राष्ट्र की राजनीति में एक और बेहतरीन दौर से संसद में आवाज गूंजेगा और कोल्हान को इसका हक संसद से भी मिलेगा. बधाई देने वालों में झारखंड आंदोलनकारी आसमान सूंडी, दलपति सरदार, डॉ अरशद ताहिर, सगीर अंसारी, शहजाद अनवर, सरवर आलम, जिकरुल होदा शामिल थे.

तापमान
39.3° अधिकतम | 24.2° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 06 जून 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 58 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

तीन बांग्लादेशी लड़कियों का पुलिस ने किया रेस्क्यू

संवाददाता। रांची

रांची के स्पा से थाईलैंड की लड़कियों के बरामद होने के बाद अब तीन बांग्लादेशी लड़कियों को भी पुलिस ने रेस्क्यू किया है. इसके बाद सनसनी फैल गई है कि क्या विदेशी लड़कियों के जरिए देह व्यापार का धंधा रांची में फल-फूल रहा है.

झारखंड और रांची में अब ऐसा लगता है कि जिस्मफरोशी रैकेट चलाने वाले विदेशी लड़कियों को लाकर अपना धंधा तेजी से बढ़ा रहे हैं. सोमवार यानी तीन जून को रांची के ही एक स्पा से थाईलैंड की लड़कियों को बरामद किया गया था. अब तीन दिन बाद बुधवार को फिर एक होटल से बांग्लादेश से लाई गई तीन लड़कियों को जिस्मफरोशी के धंधे में धकेलने की तैयारी थी. हालांकि, वक्त पर पुलिस को पता चल गया और इस अपराध में संलिप्त लोगों के मंसूबों पर पानी फिर गया. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों लड़कियों को बरियातू थाना क्षेत्र के बाली रिसोर्ट हिल व्यू रोड से गिरफ्तार किया. सभी की उम्र करीब 20-24 वर्ष के बीच है. पकड़ी गयी तीनों बांग्लादेशी लड़कियों का नाम और पता पूछने पर इनके द्वारा फर्जी तरीके से भारत में बनाया गया आधार कार्ड दिखाया गया. जिसमें इनका नाम पायल दास, अनिका दत्ता और खुशी लिखा हुआ है. लेकिन इसकी जांच करने पर पता चला कि इन सभी का नाम निम्पी बरुआ उर्फ पायल दास, सरमीन अख्तर उर्फ अनिता दत्ता और निपा अख्तर उर्फ खुशी है. तीनों अपना नाम बदल कर भारत में रह रही हैं.

इन तीनों को महिला पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर गिरफ्तार किया गया. इनके पास से कुल चार मोबाइल और फर्जी आधार कार्ड बरामद किया गया है. इसके अलावा तीन अन्य बांग्लादेशी महिला फरार हैं. उनके नाम प्रवीन, झुमा और हासी अख्तर हैं. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. फरार लड़कियों की भी तलाश हो रही है.

- जिस्मफरोशी के धंधे में धकेलने के लिए बरियातू के एक होटल में रखा गया था कैद
- अंधेरे में तार काट कर किया था बार्डर क्रॉस, तीनों को भेजा गया जेल, तीन की तलाश

बरियातू के होटल में कैद करके रखी गई थीं तीनों लड़कियां

दरअसल, रांची के बरियातू स्थित एक होटल में तीन बांग्लादेशी लड़कियों को एक कमरे में अपने चुंगल में फंसा कर दलालों ने रखा था और उनके साथ एक पश्चिम बंगाल की लड़की भी थी. इन सब पर देह व्यापार के धंधे में शामिल होने का दबाव भी बनाया जा रहा था और इनकार करने पर कैद में भी रखा गया था. इनमें से एक पश्चिम बंगाल की लड़की किसी तरह से बरियातू थाना पहुंची और पूरे मामले को बताया पुलिस ने रेड करके तीनों बांग्लादेशी लड़कियों का रेस्क्यू कर लिया.

अवैध तरीके से भारत में घुसी थीं युवतियां

रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि रेस्क्यू के बाद खुद बांग्लादेशी लड़कियों ने बताया कि वो कंटीले तारों के नीचे से बॉर्डर पार करके भारत पहुंची थीं. उनके पास न तो पासपोर्ट है और न ही वीजा. एसएसपी ने बताया कि फॉरेनर्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए तीनों लड़कियों को जेल भेज दिया गया है. बड़ी बात यही है कि जिस तरह से विदेशी लड़कियों के इस्तेमाल जिस्मफरोशी के धंधे में हो रहा है. उससे रांची में एक बड़े देह व्यापार का अड्डा बनाने की तैयारी होती दिख रही है.

ब्रीफ खबरें

शादी समारोह के दौरान वज्रपात, आठ घायल

खूंटी। तपकारा के लतौली गांव में शादी समारोह के दौरान वज्रपात से सात लोग घायल हो गये. घायलों को रेफरल अस्पताल तोरपा में भर्ती कराया गया है. सभी घायल खतरे से बाहर हैं. लतौती में जॉन टोपनो के बेटे मतियस की शादी थी. शादी के बाद बुधवार शाम को चुमावन का कार्यक्रम चल रहा था. तभी बिना बारिश के ही बादल गरजा और वज्रपात हो गया. इसकी चपेट में आने से अभिषेक बोदरा, सुप्रीम तोपनो, रोशनी, पास्कल, धनु, पूर्ति दीगी, पौलुस चंपी, बेरोनिका धान व सिधु निवासी गंभीर रूप से घायल हो गये. सूचना मिलते ही रेफरल अस्पताल का एंबुलेंस को लतौली गांव भेजा गया. वहां से लाकर सभी घायलों को तोरपा के रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया.

कर्रा के तीन मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार किए गए

लोधमा (खूंटी)। रांची जिले से सटे खूंटी जिला के लोधमा चौक के पास लूट गए मोबाइल को बेचने पहुंचे व्यक्ति को कर्रा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. उसकी निशानदेही पर फ्लिपकार्ड के लूटकांड का भी खुलासा पुलिस ने कर दिया. पुलिस के मुताबिक लूटकांड में संलिप्त अन्य दो अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है. गिरफ्तार अपराधियों में मदन कच्छप, शखिल और विकास मिंज शामिल हैं. सभी कर्रा के ही रहनेवाले हैं. उनकी निशानदेही पर एक बाइक, 45 सौ रु, दो मोबाइल, चार्जर, फ्लिपकार्ट का लूटा सामान,शर्ट, टी-शर्ट आदि पुलिस ने बरामद किया है.

ट्रेन से बैग चुरा कर भाग रहा बदमाश गिरफ्तार

रांची। ट्रेन से बैग चोरी करते आरपीएफ ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है. अभियुक्त प्रकाश चौधरी चुटिया का रहनेवाला बताया जाता है. आरपीएफ को शिकायत मिली कि ट्रेन से एक व्यक्ति ने ट्रॉली बैग चुरा लिया है. इसके बाद सीसीटीवी फुटेज की मदद से स्टेशन की तलाशी ली गयी. इस दौरान एक व्यक्ति को काले रंग के बैग के साथ पुलिया पर जाते पकड़ा गया और पूछताछ की गई. उसने बताया कि बैग उसने दूसरी ट्रेन से चुराया था. इसके बाद आरपीएफ ने सत्यापन किया और ट्रॉली बैग के साथ धराये प्रकाश को जीआरपी रांची को सौंप दिया.

आत्मनिर्भरता : स्वरोजगार से जुड़ी हैं 88 फीसदी महिलाएं

झारखंड में स्वरोजगार के मामले में पुरुषों को पछाड़ा

- 58 .7 फीसदी पुरुष ही जुड़े हैं स्वरोजगार से
- सिर्फ 16 .5 फीसदी पुरुष मजदूरों को ही मिलती है नियमित मजदूरी
- झारखंड सरकार के आंकड़ों में हुआ खुलासा

रवि भारती। रांची

झारखंड में स्वरोजगार के मामले में महिलाओं ने पुरुषों को पछाड़ दिया है. सूबे की 88 फीसदी महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं. इसमें 90.3 फीसदी महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार से जुड़ी हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों की 55.7 फीसदी महिलाएं ही स्वरोजगार करती हैं. इसका खुलासा झारखंड सरकार के आंकड़ों में हुआ है. आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में 58.7 फीसदी पुरुष स्वरोजगार से जुड़े हैं. इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले 61.4 फीसदी पुरुष स्वरोजगार करते हैं. जबकि शहरी क्षेत्रों 45 फीसदी पुरुष स्वरोजगार से जुड़े हैं.

नियमित मजदूरी पाने में वाले मजदूरों की संख्या काफी कम : झारखंड में नियमित मजदूरी व वेतन पाने वाले पुरुषों की संख्या सिर्फ 16.6 फीसदी है. इसमें ग्रामीण क्षेत्र में 12.4 फीसदी पुरुष मजदूरों को नियमित मजदूरी मिल पाता है. जबकि शहरी क्षेत्रों 37.3 फीसदी मजदूरों को ही नियमित मजदूरी मिलती है. वहीं सिर्फ 4.7 फीसदी महिला मजदूरों को ही नियमित मजदूरी मिलती है. ग्रामीण क्षेत्रों में 2.4 फीसदी महिला मजदूरों को नियमित मजदूरी मिलती है. जबकि शहरी क्षेत्रों में 38.1 फीसदी महिलाओं को नियमित मजदूरी मिलती है.

स्वरोगार करने वाले पुरुषों की संख्या में सिर्फ एक फीसदी की वृद्धि : झारखंड में पिछले नौ साल में स्वरोजगार करने वाले पुरुषों की संख्या में सिर्फ एक फीसदी की वृद्धि हुई है. 2017-18 में 57.8 फीसदी पुरुष स्वरोजगार से जुड़े थे. जबकि 2023-24 में 58.7 फीसदी पुरुष स्वरोजगार से जुड़े हैं. वहीं 2017-18 में 68 फीसदी महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी थीं. 2023-24 में 88 फीसदी महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं.

24.8 प्रतिशत पुरुष कैजुअल लेबर हैं

झारखंड में पुरुष कैजुएल लेबर की संख्या 24.8 फीसदी है. इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में 26.2 फीसदी और शहरी क्षेत्रों 17.6 फीसदी कैजुएल लेबर हैं. वहीं महिला कैजुएल लेबर की संख्या सिर्फ 7.2 फीसदी है. इसमें ग्रामीण क्षेत्र में महिला कैजुएल लेबर 7.3 और शहरी क्षेत्र में 7.2 फीसदी ही है.

पुरुषों की स्थिति

- 2017-18 में 57 .7 फीसदी पुरुष जुड़े थे स्वरोजगार से
- 2023-24 में 58 .7 फीसदी पुरुषों को स्वरोजगार
- 2017-18 में नियमित मजदूरी पाने वाले पुरुष मजदूरों की संख्या थी 15 .4 फीसदी
- 2023-24 में नियमित मजदूरी पाने वाले मजदूरों की संख्या है 16 .6 फीसदी
- 2017-18 में पुरुष कैजुएल लेबर की संख्या थी 24 .9 फीसदी

महिलाओं की स्थिति

- 2017-18 में स्वरोजगार करने वाली महिलाओं की संख्या थी 68 फीसदी
- 2023-24 में स्वरोजगार करने वाली महिलाओं की संख्या हो गई 88 फीसदी
- 2017-18 में नियमित मजदूरी पाने वाली महिलाओं की संख्या 14 .1 फीसदी
- 2023-24 में नियमित मजदूरी पाने वाली महिलाओं की संख्या घटकर हो गई 4 .7 फीसदी
- 2017-18 में महिला कैजुएल लेबर की संख्या थी 17 .3 फीसदी

चांडिल में जब्त वाहन जबरन उठा ले जाने वालों पर केस दर्ज

संवाददाता। रांची/चांडिल

बालू के अवैध खनन व परिवहन को लेकर ईचागढ़ थाना की पुलिस अब सख्त रवैया अपना रही है. बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करने से रोकने, जब्त वाहन जबरन छुड़ा कर ले जाने और पुलिस के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. ईचागढ़ थाना प्रभारी ने दो जिला परिषद सदस्य समेत कुल 20 नामजद और 25-30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. नामजद अभियुक्तों में ईचागढ़ भाग दो के जिला परिषद सदस्य ज्योति लाल माझी और चांडिल पश्चिम के जिला परिषद सदस्य सविता मार्डी शामिल हैं. इसके अलावा अन्य आरोपियों में लालटू गुप्ता, सोमेन महतो, नेपाल महतो, सुभाष शाही, प्रकाश चूड़ीवाला, तबरेज आलम, राजेश सिंह, सलीम अंसारी, तपन मंडल, पप्पु मुंडा, राजू अंसारी, रूपम गुप्ता, सुजीत गुप्ता, प्रकाश मार्डी, कर्मू मार्डी, विजय कुईरी, मनोरंजन मंडल, कृष्णा मांझी समेत 25-30 अज्ञात पर मामला दर्ज किया गया है.

थाना प्रभारी ने दर्ज किया मामला : ईचागढ़ थाना प्रभारी विक्रमादित्य पांडेय ने स्वयं के बयान पर मामला दर्ज करते हुए कहा कि तीन मई की शाम पुलिस दल के साथ गश्ती पर निकले थे. इस दौरान डुमटांड मोड़ के पास उन्हें सूचना मिली कि ईचागढ़ के बाकलतोड़िया के पास जब्त कर रखे गए 50 हजार सीएफटी बालू की चोरी कर हाइवा में लोड किया जा रहा है.

छुट्टी नहीं मिलने से नाराज सिपाही ने एएसआई को मारी गोली, मौत

घटनस्थल पर पहुंचे पुलिस के आला अधिकारी व जवान.

संवाददाता। लोहरदगा

लोकसभा चुनाव कराने के बाद वापस लौटे एक जवान ने एएसआई को गोली मार दी है. घटना बुधवार की रात लोहरदगा जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित एसपी आवास के पीछे की है . छुट्टी नहीं मिलने से नाराज सिपाही अनंत मुंडा ने एएसआई धर्मेंद्र सिंह को गोली मार दी है. मौके पर ही धर्मेंद्र सिंह की मौत हो गई. सूचना मिलने के बाद पुलिस के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटे हुए हैं. जिस सिपाही अनंत मुंडा ने गोलीबारी की है, वह चुनाव ड्यूटी से वापस अपने घर लौटा था. इसके बाद उसने अपनी पत्नी और बच्चों को घर में बंद कर दिया था. उसकी सर्विस राइफल उसके साथ थी, जब उसके साथी पुलिसकर्मियों ने उससे राइफल वापस लेने की कोशिश की तो उसने मना किया. इसके बाद जब उस पर हथियार देने के लिए थोड़ा दबाव दिया गया, तो उसने गुस्से में धर्मेंद्र सिंह को गोली मार दी. कमरे में जैसे ही फायरिंग हुई वहां से बाकी पुलिसकर्मी बाहर निकल गए. घटना को अंजाम देनेवाला पुलिसकर्मी घर के अंदर ही है और रह-रह कर फायरिंग कर रहा था. इस पूरे मामले की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में पुलिस पर मौके पर पहुंच गई है. एसपी और सीआरपीएफ कमांडेंट गोलीबारी करने वाले पुलिसकर्मी से बात करने की कोशिश कर रहे हैं. इधर, इस गोलीबारी से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया है. बताया जाता है कि आरोपी जवान नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष का बॉडीगार्ड है और उनके बंगले पर ही उसकी ड्यूटी है. आरोपी जवान ने कुछ दिन पहले ही छुट्टी की अर्जी दी थी. छुट्टी मंजूर नहीं होने से वह गुस्से में था.

खुद को कमरे में बंद कर अंधाधुंध फायरिंग करता रहा

कल्पना और सोनिया के बीच खुशी के पल

इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने दिल्ली पहुंचीं कल्पना सोरेन ने सोनिया गांधी से मुलाकात की, तो दोनों की खुशी देखने लायक थी. कल्पना को पूरा गांधी परिवार बहुत पसंद करने लगा है.

चुटिया थानेदार समेत 3 सस्पेंड

संवाददाता। रांची

चुटिया के एक्स्ट्रीम बार में बीती 27 मई को डीजे बॉय की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. इस मामले में चुटिया थानेदार समेत तीन जवानों को सस्पेंड किया गया है. एसएसपी चंदन सिन्हा की अनुशंसा पर रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने चुटिया थानेदार उमाशंकर सिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया. एसएसपी ने चुटिया थानेदार के बॉडीगार्ड और अरगोड़ा थाना के पेट्रोलिंग वाहन के एक पुलिसकर्मी को सस्पेंड किया है.

थानेदार खुद न जाकर, बॉडीगार्ड को जांच के लिए भेजा : दरअसल एक्स्ट्रीम बार में गोलीबारी और डीजे संदीप की हत्या के बाद यह जानकारी आयी कि थानेदार ने अपने बॉडीगार्ड को जांच के लिए भेजा था. वह खुद नहीं पहुंचे. जिससे घटना हो गयी. पूरे मामले में अनुशासनहीनता सामने आयी थी. इस कांड के बाद यह निर्णय लिया गया कि सभी थानों में तैनात बॉडीगार्ड को लाइन क्लोज किया जाएगा और उन्हें नये सिरे से अलग-अलग थानों में पदस्थापित किया जाएगा.

एक्स्ट्रीम बार मर्डर केस

जब्त गाड़ियां थानों में खुले में नहीं रखें, जब तक जरूरी न हो: हाईकोर्ट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों को पुलिस थानों में खुले आसमान के नीचे तब तक रखने की जरूरत नहीं है, जब तक कि जांच के लिए उपस्थिति जरूरी न हो. यह मामला पुलिस द्वारा डोडा की अवैध तस्करी में इस्तेमाल के दौरान जब्त किए गए वाहन से जुड़ा था.

याचिकाकर्ता ने पुलिस द्वारा जब्त की गई बाइक को मुक्त करने के लिए पहले चतरा सिविल कोर्ट में याचिका दायर की थी. जिसे ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दिया था. ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए अनीता देवी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. जिसपर हाईकोर्ट ने न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई.

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि जब्त वाहन का मूल्य प्रतिदिन घटता जा रहा है क्योंकि इसे पुलिस स्टेशन परिसर में बिना देखभाल के रखा गया है. इसके साथ ही याचिकाकर्ता ने अदालत के समक्ष यह भी कहा कि भविष्य में अदालत या पुलिस द्वारा मांगे जाने पर बाइक पेश कर देंगे.

हाईकोर्ट ने उक्त बाइक को रिलीज करने का आदेश देते हुए यह शर्त रखी कि जब तक मामला लंबित है, तब तक याचिकाकर्ता वाहन को न तो बेचेगा, न ही गिरवी रखेगा, न ही उसका स्वामित्व हस्तांतरित करेगा और न ही किसी अन्य को इसे चलाने देगा. इसके साथ ही अदालत ने यह भी शर्त रखी कि मामले के लंबित रहने के दौरान वाहन की पहचान में कोई परिवर्तन या छेड़छाड़ नहीं करेगा.

सूरतेहाल सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रतिबंध के बावजूद धड़ल्ले से हो रहा इस्तेमाल, प्लास्टिक के उत्पादन, भंडारण, वितरण और इस्तेमाल पर है पाबंदी

प्रतिबंध की ऐसी-तैसी...हम तो करेंगे प्लास्टिक का इस्तेमाल

पियूष गौतम। रांची

झारखंड में सिंगल यूज प्लास्टिक पर एक जुलाई 2022 से प्रतिबंध लग हुआ है. इसका मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक कचरे को कम करना और पर्यावरण को स्वच्छ रखना है. इस प्रतिबंध के अंतर्गत, एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के उत्पादन, भंडारण, वितरण और इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाई गई है. लेकिन राज्य में कई जगहों पर इसका उपयोग अब भी धड़ल्ले से जारी है. हालांकि सरकार और प्रशासन द्वारा इस प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए कई प्रयास भी किए जा रहे हैं. प्रतिबंध के उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई और जुर्माने का प्रावधान है, जिसमें पांच हजार से लेकर 20 हजार तक के

जुर्माने और पांच वर्ष तक की सजा शामिल है. इसके बावजूद, राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग और बिक्री नहीं रुक रही है.

उपयोग करना मजबूरी

पेशे से दुकानदार अविनाश ने बताया

कि हम जानते हैं प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन ग्राहकों की मांग और विकल्पों की कमी के कारण हमें इसका उपयोग करना पड़ता है. विकल्प के तौर पर कागज और कपड़े के बैग महंगे हैं और अतिरिक्त खर्च से ग्राहक बचना चाहते हैं.

विकल्प मिले तो अपनाऊंगी

पेशे से गृहिणी सुमित्रा देवी ने बताया

कि मैं यह बिल्कुल समझती हूं कि प्लास्टिक का इस्तेमाल हमारे पर्यावरण के लिए हानिकारक है, लेकिन जब बाजार में जाती हूं तो अक्सर विकल्प नहीं मिलते". सरकार और विक्रेता अगर विकल्प प्रदान करें, तो मैं खुशी से उन्हें अपनाऊंगी.

व्यवहार में लाना होगा बदलाव

स्नातक कर रहे छात्र राजेश कुमार ने

बताया कि मैंने देखा है छोटे दुकानदार अभी भी प्लास्टिक बैग दे रहे हैं. उन्हें इस बात का डर रहता है कि ग्राहक दूसरी दुकान पर चले जाएंगे. हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा और स्थायी विकल्पों को अपनाना होगा. सरकार को इस पर अधिक सख्ती से अमल करना चाहिए.

प्लास्टिक के खतरों के प्रति जागरूकता जरूरी

पेशे से शिक्षिका अर्चना मिंज ने बताया कि

प्लास्टिक प्रतिबंध का पालन करने में लोगों को कठिनाई हो रही है प्लास्टिक पर पूर्णत: रोक के लिए सरकार द्वारा इसके विकल्पों को सुलभ और सस्ता बनाना होगा. जनता को भी इसके खतरों के प्रति और अधिक जागरूक और शिक्षित करने की जरूरत है.

इन चीजों पर है प्रतिबंध

- प्लास्टिक स्टिक वाले ईयर बड्स
- गुब्बारों के लिए प्लास्टिक स्टिक
- प्लास्टिक के झंडे
- कैंडी स्टिक
- आइसक्रीम स्टिक
- थर्मोकोल
- प्लास्टिक की प्लेट, कप, गिलास
- प्लास्टिक के फोर्क, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे
- इन्विटेशन कार्ड
- सिगरेट के पैकेट
- मिठाई के डिब्बों को रैप या पैक करने वाली फिल्म
- 100 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक या पीवीसी बैनर

फूड चेन में शामिल हो जाता है माइक्रो प्लास्टिक, मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा

प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन भारत में एक गंभीर चुनौती बना हुआ है. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार भारत में उत्पन्न होने वाले प्लास्टिक कचरे का केवल एक छोटा हिस्सा ही सही तरीके से प्रबंधित हो पाता है. बाकी कचरा अक्सर सड़कों पर, नालियों में और जलाशयों में फेंक दिया जाता है, जिसके कारण जल निकासी प्रणालियों में रुकावट, नदियों और समुद्रों में प्रदूषण और जलीय जीवन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. इसके अलावा, प्लास्टिक के टुकड़े समय के साथ छोटे माइक्रोप्लास्टिक्स में टूट जाते हैं, जो खाद्य श्रृंखला (फूड चेन) में शामिल होकर मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन जाते हैं.

जागरूकता के साथ वैकल्पिक उत्पादों की उपलब्धता में सुधार की आवश्यकता

जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन में अनेक चुनौतियां आ रही हैं. दुकानदारों और आम जनता के बीच जागरूकता की कमी और विकल्पों की अनुपलब्धता इसके मुख्य कारण हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के लिए जन जागरूकता और वैकल्पिक उत्पादों की उपलब्धता में सुधार आवश्यक है. सरकार और संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में और अधिक प्रयास करने की जरूरत है, ताकि इस प्रतिबंध का असली मकसद पूरा हो सके.

केबीसी में भी पूछा गया था सवाल, कालीचरण सिंह ने चतरा का कलंक धोया

... आखिरकार चतरा को मिल गया स्थानीय सांसद

आशीष टैगोर। लातेहार

अब केबीसी या अन्य किसी प्रश्नोतरी प्रतियोगिताओं में यह सवाल नहीं पूछा जाएगा कि वह कौन सा संसदीय क्षेत्र है जहां से एक भी स्थानीय सांसद नहीं हुआ है. क्यूंकि चतरा लोकसभा को स्थानीय सांसद मिल गया है. भाजपा के कालीचरण सिंह ने न सिर्फ चतरा लोकसभा क्षेत्र में लगे इस कलंक को धोया वरन चुनाव जीत कर भाजपा की हैट्रिक भी लगायी. कालीचरण सिह ने कांग्रेस के केएन त्रिपाठी को 220802 वोटों के भारी अंतर से हराया . कालीचरण सिंह को 568912 और केएन त्रिपाठी को 348110 वोट मिले. नामांकन प्रपत्र में दायर किये गये शपथ पत्र में कालीचरण सिंह ने अपना पता सोनबिगहा, तपेज, चतरा दर्ज कराया है. हालांकि कांग्रेस के केएन त्रिपाठी ने कालीचरण सिंह को बिहारी बता कर एक ट्रंप कार्ड अवश्य खेला था, लेकिन यह भी काम नहीं आया और उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा.

प्रमाण पत्र लेते कालीचरण सिंह.

जानिए अपने सांसद को

कालीचरण सिंह ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से एमएसएसी व बीएड तक की शिक्षा ग्रहण की है. छात्र जीवन में 1977 से 1979 तक महाविद्यालय इकाई के अभाविप के अध्यक्ष रहे. उन्होंने पांच जनवरी 1983 को राज्य संपोषित उच्च विद्यालय झागराखांड़, खरौंधी (वर्तमान गढ़वा जिला) से बतौर गणित शिक्षक सरकारी सेवा शुरू की थी . लेकिन 26 मई 1986 में सरकारी सेवा से त्याग पत्र दे दिया .अगस्त 1986 में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की और विभिन्न पदों पर रहे . बाद में कई विधानसभा चुनावों में बतौर प्रभारी कार्य किया . वर्तमान में कालीचरण सिंह भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष के पद हैं. सेवा व कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए उन्हें राज्यपाल, झारखंड से वर्ष 2023 में सम्मानित किया जा चुका है.

चतरा के अब तक के सांसद

चतरा संसदीय क्षेत्र में वर्ष 1957, 1962 व 1967 के लोकसभा चुनाव में विजया राजे चुनाव जीत कर दिल्ली पहुंची. 1971 में कांग्रेस के शंकर दयाल सिंह, 1977 में जनता पार्टी के सुखदेव प्रसाद वर्मा, 1980 में कांग्रेस आई के रणजीत सिंह, 1984 में कांग्रेस के योगेश्वर प्रसाद योगेश, 1989 व 1991 में जनता दल के उपेंद्र नाथ वर्मा, 1996 व 1998 में भाजपा के धीरेंद्र अग्रवाल, 1999 में राजद के धीरेंद्र अग्रवाल, 2004 में राजद के धीरेंद्र अग्रवाल, 2009 में निर्दलीय इंदर सिंह नामधारी और 2014 व 2019 में भाजपा के सुनील सिंह चुनाव जीत कर संसद पहुंच चुके हैं.

नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत पहुंचे मुड़मा जतरा खूंटा शक्ति स्थल

संवाददाता। लोहरदगा

झारखंड के लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुखदेव भगत प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत कर सांसद बने. इधर, सांसद बनने के उपरांत सबसे पहले सुखदेव भगत मुड़मा पहुंच कर वहां पर स्थित जतरा खूंटा शक्तिस्थल पर मत्था टेककर क्षेत्र में शांति, समरसता और भाईचारा कायम रहने के लिए प्रार्थना किये.

इससे पूर्व लेदा पाहन के द्वारा विधिवत पूजा पाठ संपन्न कराया गया. पूजा संपन्न होने के उपरांत ऐतिहासिक राजी पड़या जतरा समिति मुड़मा के द्वारा नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत का भव्य स्वागत किया गया.

मौके पर नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत ने सबसे पहले उपस्थित जतरा समिति के सभी लोगों का उनका अभिनंदन करने एवं चुनाव में पूरा सहयोग देने के लिए आभार प्रकट किये. नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि चुनाव में आदिवासी समाज के लोगों का भरपूर सहयोग मिला है. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए पूरा काम करेंगे. लाखों की संख्या में सरना धर्म के मानने वाले लोग हैं . मौके पर सीताराम भगत, कमले किस्पोट्टा, वीरेंद्र उरांव , सुमित उरांव ,सुका उरांव, सुशील उरांव, सुमित्रा उरांव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

मत्था टेककर शांति और भाईचारगी की कामना की

पूजा करते सुखदेव भगत .

ब्रीफ खबरें

डकरा अस्पताल में 23 को लगेगा रक्तदान शिविर

डकरा। सिविल सोसायटी खलारी-डकरा की सदस्यों की बैठक मंगलवार को ओमप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता हुई. बैठक में प्रचंड गर्मी के कारण रांची के सदर अस्पताल डे-केयर में इलाजरत थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को रक्त की कमी के कारण हो रही परेशानी को लेकर चर्चा किया गया. सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य राजीव चटर्जी ने कहा कि थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए ही सिविल सोसायटी का गठन किया है .

एक्यूप्रेशर परिषद रांची ने किया पौधरोपण

नामकुम। एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे रांची ने पर्यावरण दिवस पर एक्यूप्रेशर परिषद प्रदेश सचिव डॉ मधुसूदन पांडे के नेतृत्व में पौधरोपण किया . जिसमें पीपल, बर, नीम ,शरीफा ,अमरूद,अशोक,कनैल, के पौधे लगाए. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर किया गया . डॉ मधुसूदन पांडे ने कहा कि एक्यूप्रेशर और पर्यावरण का बहुत ही गहरा नाता है. मौके पर डॉ ललिता कुमारी, डॉ प्रीति कुमारी, विजय लिंडा, जगन्नाथ महतो, परी कुमारी, डॉ नरेश महतो व अन्य लोग मौजूद रहें .

अशोक और पिपरवार में बेमियादी बंदी 11 से

पिपरवार। जमीन के बदले नौकरी और मुआवजा देने में देरी पर विस्थापित ग्रामीणों ने 11 जून से बेमियादी बंदी करेंगे. इससे संबंधित पत्र सीसीएल पिपरवार प्रबंधन और सीसीएल मुख्यालय को दे दी गई है . ग्रामीणों का आरोप है कि सीसीएल के द्वारा बनाए गए प्रावधानों के तहत भूमि अधिग्रहण के बाद भी विगत 14 वर्ष से विस्थापितों को नौकरी के लिए कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है .

डीएवी विवेकानंद के बच्चों ने किया पौधरोपण

बेड़ो। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण किया . स्कूल के बच्चों और शिक्षकों ने 1000 से अधिक पौधे अपने घरों के आस पास लगाए . कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के मैनेजर श्रवण कुमार,एवं शिक्षक, गुलशन कुमार, सीमा खेस, सोमी खाखा, अंजू पांडे, सविता कुमारी, अनीता कुमारी, ज्योति धीर, शैली गुप्ता, गायत्री देवी, विजय महतो, भारती कुमारी, संचिता साहू, तारा देवी एवम सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा.

डीएवी विवेकानंद में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

बेड़ो। एकल अभियान बेड़ो संच ने बेड़ो महादानी मन्दिर परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया. सभी आचार्यों ने वृक्षों को रक्षा पुत्र बांध कर पर्यावरण संरक्षण करने का संकल्प लिया. बेड़ों संच अध्यक्ष के पिता समाजसेवी स्व गजाधर साहू का एकल आचार्यों एवं बेड़ों समिति सदस्यों ने पुण्य तिथि भी मनाया. इस अवसर पर उपस्थित सभी आचार्यों के बीच एकल अध्यक्ष ने फलदार वृक्ष का पौधा वितरण किया .

इटकी यूनियन बैंक ने किया पौधरोपण

इटकी :विश्व पर्यवरण दिवस पर इटकी यूनियन बैंक के तत्वावधान में इटकी प्रखंड परिसर में पौधा रोपण किया. लोगों को पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरुक किया. मौके पर शाखा प्रबंधक दीपक उरांव सहायक प्रबन्धक पूजा रंजन, प्रखंड के नाज़िर चन्दन कुमार, रामाकांत, साबित अन्य कई लोग उपस्थित थे.

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रीन सिल्ली-क्लीन सिल्ली अभियान की हुई शुरुआत

प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : नेहा महतो

अभियान के तहत अनगड़ा में बिरसा मुंडा आर्चरी सेंटर की अध्यक्ष नेहा महतो पौधे बाटंती हुईं.

संवाददाता। अनगड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्रीन सिल्ली, क्लीन सिल्ली अभियान की शुरुआत अनगड़ा प्रखंड के बरवादाग आम बगीचा में पौधारोपण कर हुई. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई बिरसा मुंडा आर्चरी सेंटर की अध्यक्ष नेहा महतो के नेतृत्व में यहां पौधारोपण और पौधा वितरण किया गया. पर्यावरण को स्वच्छ एवं क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से इस अभियान के तहत सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में तीन लाख से अधिक पौधारोपण कर उनका संरक्षण किया जाएगा. कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों को संबोधित करते हुए नेहा महतो ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी. पर्यावरण को बचा कर ही हम बेहतर भविष्य की परिकल्पना कर सकते हैं. हम सभी को मिलकर अपने वातावरण को स्वच्छ रखने, वृक्षों एवं जल स्रोतों के संरक्षण हेतु संकल्पित होने की आवश्यकता है.

खास बाते

- तीन लाख पौधों को लगाने वसंरक्षण का लिया संकल्प
- लोगों के बीच पौधें का किया गया वितरण,बचाने का लिया संकल्प

मेधा डेयरी के किसान करेंगे पौधरोपण, की शुरूआत

खलारी। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर मेधा डेयरी परिवार द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत कर सराहनीय व अनुकरणीय पहल की गई है . इस संबंध में मेधा डेयरी के अधिकारी अनुज कुमार पांडेय ने बताया कि हर दूध शीतक केंद्र में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है . इसे भविष्य में एक अभियान का रूप देना है . इस अवसर पर झारखंड मिल्क फेडरेशन के महाप्रबंधक एम गोपालन ने भानु महतो द्वारा संचालित पतरातु बीएमसी के दूध उत्पादक महिला पुरुष किसान सदस्यों के साथ पौधारोपण किया . इसी क्रम में कंडेर बीएमसी व खलारी-बुढ़मू पथ के अन्य बीएमसी में पौधारोपण का शुभारंभ किया गया, बमने शीतलक केंद्र में भी पौधारोपण किया गया . पांडेय ने बताया कि इसका एकमात्र उद्देश्य पर्यावरण में संतुलन के लिए समाज में जागरूकता लाना है . राज्य के समस्त जिलों में मेधा डेयरी से जुड़े लगभग 45000 किसान परिवार द्वारा पौधारोपण कराया जाएगा.

हिंडालको मुरी में धूमधाम से मनाया गया पर्यावरण सप्ताह

सिल्ली/मुरी। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड मुरी में विश्व पर्यावरण सप्ताह बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया . हिंडाल्को के ठेकेदार एवं कर्मचारियों ने मिलकर इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया .आयोजन को भव्य रूप देने के लिए पोस्टर, स्लोगन, कविता लेखन, वायो डायवर्सिटी फोटोग्राफी, स्टेप अकाउंट इत्यादि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया . इसी क्रम में दो जून को छोटे-छोटे बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता एवं महिलाओं के लिए पर्यावरण नाटक का आयोजन किया गया . संध्या में कॉलोनी के बच्चों द्वारा आर एम पी3 में पौधरोपण किया गया .चार जून को कर्मचारियों के लिए प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता आयोजित किया गया . जिसमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया साथ ही साथ बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के द्वारा प्रभात फेरी निकाला गया . हिंडाल्को के एमडी सतीश पाई के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों के बीच संदेश दिया गया एवं बच्चों के द्वारा एलुमिना क्लब में पौधरोपण किया गया .

पौधारोपण से पूर्व पूजा पाठ करते हिंडाल्को के एमडी सतीश पाई

न्यूज अपडेट

सोनाहातू प्रखंड परिसर में मनाया गया पर्यावरण दिवस

सोनाहातू। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को सोनाहातू प्रखंड मुख्यालय परिसर में बीडीओ खगेश कुमार ने दर्जनों पौधे लगाए गये. बीडीओ ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित करना हमारा परम कर्तव्य है. उन्होंने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत करना है. मौके पर बीपीओ बबिता गोस्वामी, अर्जुन महतो, सौरभ कुमार, अविनाश कुमार, बसंत महतो, बबलू कुमार सहित प्रखंड कर्मी उपस्थित थे.

पौधरोपण करते बीडीओ व अन्य.

चान्हो व मांडर में लोगों से मिले सुखदेव भगत

चान्हो/मांडर। लोहरदगा लोकसभा के नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत जीत मिलने के बाद पहली बार चान्हो और मांडर प्रखंड का दौरा किया. इस सर्व प्रथम मुड़मा जतरा खूंटा में पूजा कर माथा टेका . दोनों प्रखंड में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया.चान्हो पहुंचने पर पीसीसी डेलीगेट दिलीप सिंह की अगुवाई में प्रखंड अध्यक्ष मो ईस्तियक, मो गेयास, एहसान,फकरुद्दीन,नेसार, हासीम सहित अन्य लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया, फूलमाला पहनाकर समर्थन में नारे भी लगाए .इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी .इसके बाद सांसद मुड़मा शक्ति स्थल पहुंचे और मत्था टेका. मुडमा में कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक ग्रामीण जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर, मोमिन कांफ्रेंस के जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद, अनिल उरांव,कामले किस्पोट्टा,महादेव भगत आदि ने उनका स्वागत किया.

चान्होमांडर लोगों से मिलते लोहरदगा के नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत.

मांडर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स ने पौधरोपण किया

मांडर। मांडर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया. सबसे पहले कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर में नीम, करंज एवं अमरूद जैसे कई सारे पौधे लगाए और इसका संरक्षण का संकल्प लिया. उसके बाद पर्यावरण दिवस से संबंधित विषयों पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर में और इसके चारों ओर प्लाष्टिक मुक्त अभियान चलाया. इस अवसर पर मांडर कॉलेज की प्रभारी प्रचार्या प्रो.डॉ कुनुल कांदिर, एएनओ डॉ. अनसेलम मिंज, सहायक एएनओ अजीत एक्का, उत्तम साही, मन्टु उरांव तथा कुल 54 कैडेट्स उपस्थित थे.

मांडर कॉलेज में पौधरोपण करते एनसीसी कैडेट्स

भारथी कॉलेज के छात्रों ने मनाया पर्यावरण दिवस

मांडर। भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बीएड एवं डीएलएड सत्र 2022-24 तथा 2023-25 के छात्र-छात्राओं ने विश्व पर्यावरण दिवस पर महाविद्यालय द्वारा गोद लिये गांव करकरा में पौधारोपण किया.शैक्षणिक सचिव श्रीमती दीपाली पराशर ने कहा कि समुदायों को संगठित करे, जागरूकता बढ़ाये और प्लास्टिक प्रदूषण को दूर करने तथा स्वस्थ एवं अधिक टिकाऊ पर्यावरण को बढ़ावा देने में प्रोत्साहित करने की जरूरत है. महाविद्यालय डीन उपेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ता जा रहा . मौके पर व्याख्याता राकेश राय, मनोज कुमार गुप्ता, विनीता चैधरी, मधु रंजन, विकास प्रसाद, विवेकराज जायसवाल इत्यादि ने पौधेरोपण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की.

पौधरोपण के बाद कॉलेज परिवार के सदस्य.

अनगड़ा प्रखंड कार्यालय परिसर में किया गया पौधरोपण

अनगड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के परिसर में पौधरोपण किया गया . कार्यक्रम का नेतृत्व बीडीओ जयपाल सोय ने किया . परिसर में आम निम व कई जंगली पौधा लगाया गया .उप प्रमुख जयपाल हजाम ने कहा कि हरियाली मानव जीवन का मूल आधार है. व सरकारी स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. मौके पर जनप्रतिनिधि व कार्यालय के स्टाफ मौजूद रहें .

पौधरोपण करते बीडीओ व अन्य.

पिपरवार में पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने उकेरी अपनी कल्पना

पेंटिंग प्रतियोगिता में शामिल छोटे-छोटे बच्चे.

संवाददाता। पिपरवार

सीसीएल पिपरवार मैं विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया. इस अवसर पर सीसीएल पिपरवार क्षेत्र स्थित बचरा ऑफिसर्स क्लब में सीसीएल पिपरवार क्षेत्र की ओर से पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को किया गया . कार्यक्रम के प्रारंभ में पिपरवार कार्मिक प्रबंधक शिशिर गर्ग के द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कविता की प्रस्तुति की गई . इस पेंटिंग प्रतियोगिता में पिपरवार क्षेत्र के विभिन्न पंचायत के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया .कार्यक्रम में मुख्य रूप से पिपरवार कार्मिक प्रबंधक शिशिर गर्ग, प्रबंधक खनन सुभोजित हलघर, उप प्रबंधक पर्यावरण सत्येन्द्र कुमार, सहित उपस्थित अधिकारियों के परिजन एवं छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक काफी संख्या में उपस्थित थे .

पिपरवार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर उड़ाये अबीर- गुलाल ,लगाये नारे

संजय सेठ की जीत पर निकाला गया विजय जुलूस,आतिशबाजी

संवाददाता। पिपरवार

रांची लोकसभा से एनडीए भाजपा के प्रत्याशी संजय सेठ के प्रचंड जीत पर खलारी मंडल के राय में भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा गाजे बाजे के साथ भव्य विजय जुलूस निकाला गया. भव्य जुलूस में अतिथि के रूप भाजपा के प्रदेश मंत्री मनोज बाजपेई , पिपरवार मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा शामिल हुए. जुलूस के दौरान उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भाजपा मंत्री एवं पिपरवार मंडल अध्यक्ष को बुके देकर सम्मानित किया . विजय जुलूस राय पंचायत के सभी टोला एवं मोहल्ला में घूम कर बम, पटाखे फोड़कर एवं लड्डू बाटकर खुशियां मनाई. इस मौके पर कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी के द्वारा एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई दी गई. इस मौके पर पिपरवार मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा उर्फ माइकल,भाजपा प्रदेश मंत्री मनोज बाजपेई भाजपा नेत्री रेणु देवी,खलारी प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख इतवारा महतो, कोलेश्वर महतो बसंत प्रजापति, रमन सिंह, रणधीर महतो सहित कई लोग मौजूद थे.

विजय जुलूस में शामिल भाजपा कार्यकर्ता.

कहीं खुशी-कहीं गम कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में जीत की खुशी ,भाजपा के खेमे में उदासी छायी

सुदर्शन भगत की निष्क्रियता भाजपा को ले डूबी : कंचन उरांव

संवाददाता। लापुंग

लोहरदगा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव परिणाम आने के बाद लापुंग प्रखंड में सर्वत्र कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह और उल्लास देखा जा रहा है. वहीं भाजपा खेमे में उदासी छायी हुई है. लापुंग प्रखंड से लोहरदगा के कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत को अपने वोटों से विजयी बनाने को लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है. वहीं समीर उरांव की हार से भाजपा कार्यकर्ताओं में उदासी सी छा गई है. लापुंग के प्रखंड प्रमुख और कांग्रेसी नेता कंचन उरांव ने कहा कि लापुंग की जनता ने कांग्रेस के प्रत्याशी सुखदेव भगत पर भरोसा जताया और उन्हें लापुंग के गांव गांव से भारी संख्या में वोट मिला है. कंचन उरांव ने कहा कि यहां की जनता पूर्व सांसद सुदर्शन भगत से भारी नाराज थी लगातार 15 सालों तक सांसद होने के बावजूद उन्होंने लापुंग में दर्शन नहीं दिया. कभी कभार सिर्फ चुनाव के दौरान आते थे लेकिन जनता उन्हें पहचानती तक नहीं थी. इसका खामियाजा भाजपा के प्रत्याशी समीर उरांव को भुगतना पड़ा. वहीं डाडी. पंचायत निवासी और किंग मेकर मनोज साहु उर्फ बजरंग ने कहा कि लापुंग प्रखंड की जनता कांग्रेस की नीतियों और उनके वायदे पर भरोसा किया.

उन्होंने कहा संविधान को बचाने, आदिवासियों की जमीन व आरक्षण को बचाने के लिए यहां की जनता ने सुखदेव भगत को भारी मतों से विजयी दिलाया. वहीं पूर्व मुखिया सह विधायक प्रतिनिधि संतोष तिर्की ने कहा कि सुखदेव भगत की जीत के पीछे लापुंग की जनता, यहां के कांग्रेसी कार्यकर्ता और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व मंत्री बंधु तिर्की तथा स्थानीय विधायक शिल्पी नेहा तिर्की की बहुत बड़ी भूमिका है. संतोष तिर्की ने कांग्रेस के प्रत्याशी सुखदेव भगत को शुभकामनाएं और बधाई दी. इस मौके पर अलग-अलग कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने खासकर महावीर साहु, सत्यनारायण पाठक, जन्मेंजय पाठक, पवन ठाकुर सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सुखदेव भगत की जीत को ऐतिहासिक बताया. उन्होंने कहा कि पिछली बार लगातार 15 वर्षों तक सांसद के रूप में भाजपा के सुदर्शन भगत को जनता ने देखा. लेकिन भाजपा के सांसद लापुंग प्रखंड की जनता की उम्मीद की कसौटी पर खरे नहीं उतरे. लापुंग कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सुखदेव भगत की जीत पर एक दूसरे को बधाई और शुभकामनाएं दी है.ो

लापुंग में कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत की जीत की खुशी जताते कांग्रेस के कार्यकर्ता.

दृढ़ीकरण संस्कार ईश्वर के साथ जोड़ने का एक विधान : बिशप मस्करेन्हास

संवाददाता। रांची

महुआडांड़ माता चर्च में बुधवार को दृढ़ीकरण संस्कार ग्रहण समारोह में महुआडांड़ पल्ली के 29 गांवों के 341 बच्चों ने संस्कार ग्रहण किया. बिशप थियोडोर मस्करेन्हास मुख्य अनुष्ठाता थे. उनकी अगुवाई में मिस्सा बलिदान अर्पित किया गया. सभी बच्चे पारंपरिक परिधान में संस्कार ग्रहण समारोह में शामिल हुए. बच्चों ने बिशप और पुरोहितों का स्वागत करते हुए वेदी तक लाया. परमेश्वर की विशेष विनती की गई. विधि विधान से दृढ़ीकरण संस्कार कराया गया. बच्चों के लिए विशेष विनती की गई. ईश्वर को धन्यवाद देते हुए दृढ़ीकरण संस्कार कराया गया. बिशप मसकरेन्हास ने संदेश दिया कि दृढ़ीकरण संस्कार मनुष्य को ईश्वर के साथ जोड़ने का एक विधान है. इसे ग्रहण कर बच्चे ईश्वर के करीब पहुंचते हैं. हम सभी ईश्वर द्वारा चुने गए हैं और आज वो हमें पवित्र आत्मा के साथ जोड़ता है. जब आप इस संस्कार को ग्रहण करते हैं, तो आप ईश्वर के कार्य करने के लिए बुलाये जाते हैं. इससे अच्छा जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है. गायक दल ने मसीही भजन प्रस्तुत किये. पूरा परिसर परमेश्वर की आराधना से गुंजायमान रहा. मौके पर पल्ली पुरोहित फादर सुरेश किंडो, फादर अमरदीप, फादर अजय मिंज, फादर सुमन, संत जोसेफ के प्रधानाध्यापक फादर दिलीप एक्का, फादर रौशन एसजे, फादर पतरस, फादर अरविंद एसजे, सिस्टर सुपीरियर स्वाति समेत अन्य धर्म बहनें मौजूद थीं.

कामयाबी : हलीमा महजबीन ने नीट में हासिल किये 701 अंक, बनीं झारखंड की थर्ड टॉपर

बायोम से लगातार दूसरी बार नीट यूजी में 700 पार

संवाददाता। रांची

बायोम इंस्टीट्यूट रांची के विद्यार्थियों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2024 में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है. रिजल्ट 4 जून को जारी हुआ है. इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने लगातार दूसरे वर्ष नीट यूजी प्रवेश परीक्षा में 700 अंक का आंकड़ा पार किया है. संस्था की छात्रा हलीमा महजबीन ने 720 अंक में से 701 अंक हासिल कर झारखंड की थर्ड टॉपर और संस्थान की टॉपर बनी है. हलीमा ने ओबीसी कैटेगरी रैंक 514 और जेनरल रैंक 1545 हासिल किया है. नीट यूजी 2024 में बायोम इंस्टीट्यूट के 1412 से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है. इनमें से 70 से अधिक ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्होंने

परीक्षा में 650 से अधिक अंक हासिल किया है. वहीं, 130 से अधिक विद्यार्थियों ने नीट यूजी में 600 से अधिक अंक हासिल किया है.

बायोम के छात्र आयुष कुमार पांडेय ने 695 अंक व ऑल इंडिया रैंक 1465, किरण कुमारी ने 692 अंक व ओबीसी कैटेगरी रैंक 1431 और फैजान अख्तर ने 692 अंक व ओबीसी कैटेगरी रैंक 1436 हासिल किया है. इनके अलावा अन्य बेस्ट परफॉर्मर विद्यार्थियों में आयुष कुमार (690 अंक), गुलाम दस्तगीर (687 अंक), हिमांशु कुमार मेहता (685 अंक), अनिल कुमार महतो (685 अंक), प्रियांशु भारती (685 अंक), कौशवी राज (681 अंक), कुंदन कुमार (681 अंक), प्रेम कुमार (680 अंक), विशाल मंडल (680 अंक), लव कुमार साहा (680 अंक), अक्षिता आनंद (678 अंक), अरिबा तस्नीन (677 अंक), फैसल शमशाद (675 अंक), आदित्य राज (675 अंक), अलिशा श्रीवास्तव (673 अंक), आकांक्षा नीतू (676 अंक), चंदन

हलीमा महजबीन

कुमार वर्मा (676 अंक) समेत अन्य शामिल है. बायोम इंस्टीट्यूट में बुधवार को विद्यार्थियों ने अपने रिजल्ट का जश्न मनाया. विद्यार्थियों के जश्न में संस्थान के सभी शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हुए. बायोम इंस्टीट्यूट के एमडी सह निदेशक पंकज सिंह ने नीट यूजी 2024 के सफल छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की. बायोम के प्रबंधक ने बताया कि बायोम इंस्टीट्यूट ने इस गर्व के पल को आपके साथ साझा करने का निर्णय लिया है. बताया कि संस्थान में 6 जून को 11 बजे एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा.

30 विद्यार्थियों का श्रेष्ठ प्रदर्शन

बायोम इंस्टीट्यूट में संचालित विभिन्न बैच के विद्यार्थियों के प्रदर्शन का आकलन किया गया. सभी विद्यार्थियों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन दिया है. अकेले रैंकर बैच से 42 विद्यार्थी सफल हुए हैं. इसके अलावा रेसर बैच से 30 विद्यार्थी बेहतर अंक के साथ ऑल इंडिया रैंक हासिल करने में सफल रहे.

ब्रदर्स एकेडमी के आयुष बने नीट टॉपर 94 प्रतिशत छात्रों को मिली सपफलता

संवाददाता। रांची

गत् वर्ष की भाँति इस वर्ष भी ब्रदर्स एकेडमी के छात्रों ने नीट 2024 परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कुछ छात्र रहे, आयुष (स्कोर 701/720), तनिष्क राज (स्कोर 660/720), हर्षवर्द्धन (स्कोर 658/720), जान्या (स्कोर 654/720) एवम अन्य. इस संस्थान के 94 प्रतिशत छात्रों को सफलता मिली.

छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों के सारगर्भित मार्गदर्शन, अपने माता पिता के अनुशासन और समस्त परिवार जनों के आशीर्वाद व सहयोग को दिया. आयुष का मानना है कि एक औसत छात्र भी अपने दृढ़ संकल्प,

गुलदस्ते के साथ नीट 2024 में सफल ब्रदर्स एकेडमी के छात्र और छात्राएं

आत्मबल, धैर्य और सघन परिश्रम के बल पर अपना एमबीबीएस करने का सपना साकार कर सकता है. संस्थान के निदेशक पारस कुमार अग्रवाल, प्रेम प्रसून और शुभेन्दु शेखर ने कहा कि एक बार फिर हमारे छात्रों की सफलता ने ऐकेडमी का गौरव बढ़ाया है. कई छात्रों ने विषम परिस्थितियों से जूझते हुए अपनी सफलता की गाथा लिख कर एक मिसाल कायम की है. सफलता परीक्षा के दिन नहीं, बल्कि तैयारी के दौरान गढ़ी जाती है. निदेशकों ने छात्रों की सफलता पर बधाई देते हुए आगे की जीवन-यात्रा की सफलता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं.

विश्व पर्यावरण दिवस

लगाये गये पौधे, गोष्ठी एवं प्रभातफेरी

रांची। विश्वपर्यावरण दिवस के अवसर पर राजधानी रांची में बुधवार को विभिन्न सरकारी, अर्द्धसरकारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों एवं शैक्षणिक णिक संस्थाओं के तत्वावधान में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किये. इस अवसर पर की पौधे लगाये गये तो कहीं विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ. कुछ संस्थाओं की ओर से प्रभातफेरी भी निकाली गयी. इस बीच कोयला मंत्रालय ने 'कोयला और लिग्नाइट पीएसयू में हरित पहल' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है. रिपोर्ट में कहा गया कि इन सार्वजनिक उपक्रमों ने व्यापक वनीकरण और पारिस्थितिक बहाली परियोजनाएं आरंभ की. कोयला मंत्रालय के सचिव अमृत लाल मीना ने रिपोर्ट को संकलित करने में सीएमपीडीआई व कोयला मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की.

डीएसपीएमयू में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण

डीएसपीएमयू में पौधारोपण करते छात्र एवं छात्राएं.

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा वृक्षारोपण किया गया. इसके तहत 30 की संख्या में पौधे लगाये गये. कुलपति प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के मानवीय दुष्प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं और हमें इससे निजात पाना है. मौके पर कुलसचिव डॉ. नमिता सिंह, डॉ. अभय कृष्ण सिंह, डॉ शमा सोनाली, डॉ. सुचि संतोष बरवार आदि की उपस्थिति रही.

कडरू में बच्चों ने निकाली जागरूकता प्रभातफेरी

पर्यावरण के प्रति जागरूकता प्रभातफेरी निकालते बच्चे.

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर के गाढ़ा टोली, शांति नगर, कडरू बस्ती व कडरू पुलटोली में जागरूकता फैलाने के लिए प्रभात फेरी निकाली गई. इसमें चाइल्ड राइट एंड यू द्वारा संचालित रिमेडियल क्लास सेंटर के बच्चों ने हिस्सा लिया. प्रभात फेरी के दौरान बच्चों ने पर्यावरण जागरूकता के लिए कई स्लोगन के नारे लगाए. फेरी के बाद कुछ लोगों ने अपनी-अपनी बस्तियों में फलदार (आम, लीची, कटहल) पौधों को लगाया.

अघोर पथ नागरिक मंच ने उत्साह पूर्वक लगाये पौधे

पौधारोपण करते अघोर पथ नागरिक मंच के सदस्य.

रांची। अघोर पथ नागरिक मंच ने बुधवार को पौधारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया. अघोर पथ मोहल्ले वालों ने पीपल, मोहगनी, कोईनार, गुलमोहर और कंडेल के पोधे लगाये. मंच ने चीनी मिट्टी कारखाना में पीपल का पौधा लगाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में विक्रम शाहदेव, ब्रिज नंदन प्रसाद, राजेश शाहू, राजू गुप्ता, मनोज ओराव, नागदमनी शाहदेव, अमित कश्यप आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी.

गायत्री परिवार ने साधक शक्ति में लगाये पौधे

साधक शक्ति पीठ में पौधारोपण करतीं गायत्री परिवार की सदस्य.

रांची। गायत्री परिवार ने 108 पौधारोपण कर प्रर्यावरण संरक्षण दिवस मनाया. बुधवार को सुबह गायत्री शक्तिपीठ सेक्टर टू में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये. जटाशंकर झा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. साधक शक्तिपीठ में पूजा-अर्चना कर विविध प्रजाति के पौधे लगाये गये. केन्द्रीय विद्यालय, सीआरपीएफ प्रशासनिक कार्यालय 133 बटालियन और कांके प्रखंड की प्रतिनिधि सुलोचना शाहदेव के माध्यम से पौधे लगाए गये.

नगर निगम ने जयपाल सिंह स्टेडियम में पौधे लगाये

जयपाल सिंह स्टेडियम में पौधारोपण के बाद आंधी से गिरी सुरक्षा जाली.

रांची। पर्यावरण दिवस के अवसर पर रांची नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने कचहरी रोड स्तित जयपाल सिंह स्टेडियम में बुधवार सुबह 10:30 बजे से पौधारोपण किया. जयपाल सिंह स्टेडियम में पौधे लगाने के बाद कर्मचारियों ने पौधों को जाली से घेर दिया, ताकि पौधे सुरक्षित रहें. लेकिन स्टेडियम से अधिकारियों के जाते ही दोपहर 12:30 बजे पौधों के बचाव के लिए लगाए गयी जाली हवा के झोकों के कारण उड़ गयीं या नीचे गिर गईं.

आईएचएम में लगाये गये 40 से अधिक फलदार पौधे

आईएचएम में में फलदार पौधे लगाने के बाद संस्थान के शिक्षक-अधिकारी.

रांची। होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) रांची में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया. कार्यक्रम का आयोजन उद्यान निदेशालय और होटल रेडिसन ब्लू के सहयोग से हुआ. इसमें आम,कटहल, अमरूद, सिरिस, बेल, कचनार, महोगनी, गुलमोहर आदि के 40 फलदार पौधे लगाये गये. प्राचार्य डॉ भूपेश कुमार सहित रामचंद्र राव, आनंद सेठ, पिनाकी, कन्हैया कुमार, आकाश, विकास त्रिपाठी आदि मौजूद थे.

दूषित वातावरण को बदलने की है जरूरत : निर्मला

ब्रह्माकुमारी संस्थान में कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकारों के साथ निर्मला बहन

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान, हरमू रोड में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण दिवस मनाया गया. मौके पर संचालिका निर्मला बहन ने दूषित वातावरण को बदलने की बात कही. विद्यालय के द्वारा दिए जा रहे राजयोग का प्रशिक्षण मानव जीवन में उन्नति का सशक्त माध्यम है. इससे ज्ञान, पवित्रता, शांति, प्रेम, सुख, आनन्द और शक्ति की अनुभूति होती है.

जिला स्कूल में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

रांची जिला स्कूल में पर्यावरण दिवस मनाते एनसीसी कैडेट्स.

रांची। रांची जिला स्कूल में बुधवार को विश्व पर्यालरण दिवस मनाया गया. इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम ''हमारी भूमि- हमारा भविष्य'' पर आधारित था. इसमें एनसीसी एयर विंग और इको क्लब के सैंकडों लोग शामिल हुए. विद्यालय के 50 एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे. विद्यालय की प्राचार्य डॉ.यास्मिन गलेरिया, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. गोविंद बिहारी व छात्र -छात्राए मौजूद थे.

एसआर डीएवी पुंदाग में बच्चों ने बनाये आकर्षक पोस्टर

एआर डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया पोस्टर का प्रदर्शन.

रांची। एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल, पुंदाग के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने 'पर्यावरण संरक्षण' विषय पर आकर्षक पोस्टर बनाए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. प्राचार्य एसके मिश्र ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विद्यालय परिसर में उपस्थित विद्यार्थियों तथा शिक्षिकाओं के संग मिलकर प्रदूषण नियंत्रण हेतु विद्यालय की वाटिका में पौधारोपण किया.

पर्यावरण बचाने का लें संकल्प : डॉ. अजित कुमार

आर्यभट्ट सभागार में पर्यावरण दिवस समारोह में हिस्सा लेते अधिकारी.

रांची । रांची विश्वविद्यालय के एनएसएस एवं आईक्यूएसी के सहयोग से बुधवार को आर्यभट्ट सभागार में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया. इस वर्ष की थीम भूमि बहाली, सूखा लचीलापन एवं मरुस्थलीकरण नियंत्रण थी. विश्वविद्यलय के कुलपति अजित कुमार सिन्हा ने कहा कि आज से पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत करने का संकल्प लेने की आवश्यकता है.

एचडीएफसी बैंक ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

पर्यावरण दिवस मनाते एचडीएफसी बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी.

रांची । विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर एचडीएफसी बैंक झारखंड क्षेत्र ने हाइड्रोपोनिक खेती की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए अपने ग्राहकों के साथ झारखंड क्षेत्र की सभी शाखाओं में जश्न मनाया. एचडीएफसी बैंक के जोनल हेड झारखंड अभिषेक कुमार तथा ईस्ट जोन के जोनल हेड पर्सनल लोन राहुल विजय सिंह पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डाला.

पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहतर कार्य करनेवाले पुरस्कृत

होटल बीएनआर में आयोजित समारोह में भाग लेते अधिकारी.

रांची। वन पर्यावरण एवं जल परिवर्तण विभाग एवं सीड संस्था की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन होटल बीएनआर में किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में शामिल वन विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल ने अन्य अतिथियों संग दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. उन्होंने पर्यावरण एवं वन क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले स्कूली बच्चों को पुरस्कृत किया.

न्यूज अपडेट

सुहागिनों की वट सावित्री पूजा और शनि जयंती आज

रांची। ज्येष्ठ अमावस्या गुरुवार को अखंड सौभाग्य के पर्व वट सावित्री पूजा के साथ शनि जयंती श्रद्धा पूर्वक मनायी जाएगी. सुहागिनें जहां नेम-निष्ठा से व्रत धारण कर अखंड सौभाग्य की कामना करेंगी, वहीं श्रद्धालु दर्शन- पूजन कर कर्म फलदाता और न्याय के देवता शनि देव को भी रिझाएंगे. आचार्य अजय मिश्रा और आचार्य श्रीकृष्ण ने बताया कि वट सावित्री की पूजा-अर्चना दिन के तीन बजे तक की जा सकती है. उन्होंने बताया कि ज्येष्ठ अमावस्या तिथि पांच जून की शाम 07 : 54 बजे शुरू होगी और छह जून की शाम 06:07 बजे इसका समापन होगा. उदया तिथि के अनुसार गुरुवार को दिनभर पूजा की जा सकती है. ज्योतिषों के अनुसार ज्येष्ठ अमावस्या पर धृति योग और शिव वास योग का दुर्लभ संयोग बन रहा. इसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ेगा. पंडित सुरेंद्र इंद्रगुरु और पंडित रामदेव पंडित ने ज्योतिषगणना कर बताया कि वृषभ, कर्क, सिंह, तुला और मकर राशि के जातकों के लिए यह अति मंगलकारी रहेगा.

अग्रवाल सभा का मोतियाबिंद जांच शिविर

रांची। अग्रवाल सभा रांची की ओर से अनगड़ा ब्लॉक के तुरूप गांव में शालिनी अस्पताल, रुक्का में निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं ऑपरेशन शिविर लगाया गया. शिविर में चिकित्सकों ने 91 लोगों की जांच की. इनमें 13 मोतियाबिंद मरीजों की पहचान हुई और 33 जरूरतमंद व्यक्तियों के बीच निःशुल्क चश्मे बांटे गए. मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किए गए लोगों का ऑपरेशन 13 जून को शालिनी हॉस्पिटल रूक्का में होगा. इसी दौरान विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस गांव में पौधारोपण के साथ-साथ पौधों का वितरण भी किया गया.

सैयदा सरवरी खातून नेजामी का उर्स मना

रांची । खानकाह मजरिया मुनअमिया फिरदौस नगर डोरंडा में बुधवार को सैय्यदा सरवरी खातून नेजामी का उर्स मनाया गया. इनका मजार चांदपुरा बिहार शरीफ में हुजूर सैय्यदना मखदूम फरीदुद्दीन तवेला बक्श चिस्ती निजामी रहमातुल्ला अलैह के पायती में है. हजरते मखदूम सुलताने मसाइक हजरत महबूबे एलाही के पोते हैं और सैय्यदा मरहुमा हजरते मखदूम की निवासी हैं. नमाजे फजर सैय्यदा के बाद बुधवार को इसाले सवाब किया गया और उनके फरजंद ए अखबर जनाब सैय्यद शाह आफताब आलम चिस्ती के जानिब से मदरसे के तलबा को खाना खिलाया गया और गरीबों को पैसा तकसीम किया गया.

पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो विकार जनरल नियुक्त

रांची। संत मरिया महागिरजाघर में बुधवार को रांची डायसिस के 50 से अधिक पुरोहितों का सम्मेलन हुआ. धर्माध्यक्ष विसेंट आइंद की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में रांची, लोहरदगा, मांडर, हुलहुडु, लोधमा, खूंटी, सामलौंग, दिधिया और डोरंडा के पुरोहित शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत मिस्सा बलिदान और परमेश्वर विनती से हुई. इसके बाद चर्च में एक विशेष बैठक हुई. जिसमें आर्च बिशप विसेंट आइंद ने संत मरिया महागिरजाघर के पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो को विकार जनरल नियुक्त किया. उन्होंने कहा कि हमें दूसरों के लिए आदर्श बनना है.

वीमेंस प्रीमियर लीग: आरडीसीए ग्रीन ने येलो को हराया

रांची। आरडीसीए वीमेंस प्रीमियर लीग में बुधवार को आरडीसीए येलो और आरडीसीए ग्रीन के बीच मुकाबला हुआ. इस मैच में आरडीसीए ग्रीन ने आरडीसीए येलो को चार विकेट से हराया. मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए आडीसीए येलो ने निर्धारित 25 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए. टीम के लिए प्रियंश्री ने सर्वाधिक 39 व पल्लवी ने 38 रन का योगदान दिया. विपक्षी टीम के खुशबू व आरती ने एक-एक विकेट लिए. आरडीसीए ग्रीन की टीम ने रीना की तबड़तोड़ 59 रन की पारी के बदौलत 24.2 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को हासिल कर लिया. टीम के लिए आरती ने नाबाद 35 व प्रीति ने 23 का योगदान दिया. आरडीसीए येलो की रागिनी ने 34 रन खर्च कर दो विकेट चटकाए. रीना को ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

श्रद्धा-भक्ति तीन दिवसीय महोत्सव के पहले दिन कलाकारों ने बहायी भक्ति की धारा

शोभायात्रा के साथ मणिटोला में बड़ा पूजा महोत्सव शुरू

संवाददाता। रांची

मां काली जगदंबा मंदिर, डोरंडा मणिटोला का तीन दिवसीय बड़ा पूजा महोत्सव बुधवार को शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हो गया. शाम साढ़े छह बजे गाजे-बाजे के साथ भव्य यात्रा निकाली गयी. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय और बाहर से आये कलाकारो ने खास तौर से हिस्सा लिया. भजन गायक आकाश वर्मा और सविता ने भक्ति की अविरल धारा बहायी. प्रधान पुजारी रामेश्वर पासवान संग राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, कांग्रेस नेता आलोक दुबे, विनय सिन्हा दीपू, वीरेंद्र प्रधान अगुवाई करते बढ़ रहे थे. इनके

गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु.

बाद ओड़िशा, छत्तीसगढ़ से आये कलाकारों के साथ पद्मश्री मुकुंद नायक की टोली थी. अंत में भजनों पर नाचती-झूमती और धर्म ध्वज लहराती महिलाओं की लंबी कतार सरक रही थी. यात्रा जैसे-जैसे बढ़ती गयी, भक्तों का कारवां भी लंबा होता चला गया. शोभायात्रा पत्थर रोड, यात्रा शिवपुरी, हिनू मुख्य मार्ग होते हुए इंदिरा पैलेस से घूम कर पीएचईडी, बाल मंदिर मार्ग के रास्ते वापस मंदिर पहुंच कर संपन्न हुई.

जगह-जगह हुआ स्वागत

विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा शोभायात्रा में शामिल भक्तों का जगह-जगह स्वागत किया गया. उनके बीच पेय जल आदि का वितरण किया गया. महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को मां के दर्शन को श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ेगा. सुबह पांच बजे मां की विशेष पूजा की जायेगी. इसके बाद दर्शन-पूजन का शुरू हुआ सिलसिला रात 11 बजे तक चलेगा. ट्रस्ट की ओर से सवा लाख भक्तों के बीच प्रसाद बांटा जायेगा. पवन पासवान ने बताया कि दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रख हरसंभव व्यवस्था की गयी है. शुक्रवार मां भवानी जागरण के साथ महोत्सव संपन्न हो जायेगा.

लिटिल विंग्स क्रिकेट टूर्नामेंट : रोमांचक मुकाबले में एक रन से जीती कुशमाही सीए

संवाददाता। रांची

लिटिल विंग्स स्कूल बी-डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक प्री-क्वार्टर फाइनल में कुशमाही सीए ने अरविंदो सीए को एक रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए कुशमाही सीए की टीम ने दस विकेट खोकर 139 रन बनाए. टीम के लिए अविनाश ने सर्वाधिक 36 व भास्कर ने 32 रन बनाए. तुषार ने अपनी टीम के लिए 20 रन खर्च कर छह विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरविंदो की टीम 138 रन ही बना सकी. टीम के लिए पवन ने सर्वाधिक 46 रन बनाए. कुशमाही के वैभव ने 18 रन देकर चार विकेट और पवन ने 24 रन खर्च कर दो विकेट चटकाए.

तुषार.

वैभव.

नवभारत नर्सरी को हराकर जेयूवीएनएल क्वार्टर फाइनल में : नेहरू मैदान में खेले गए मैच में झारखंड उर्जा विकास निगम लिमिटेड (जेयूवीएनएल) ने नवभारत को हराकर सात रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. मैच में जेयूवीएनएल टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवर में 196 रन बनाए. टीम के लिए ज्वाला ने सर्वाधिक 42 व अश्विनी ने 39 रन का योगदान दिया. विपक्षी टीम के अर्जुन व रिशु ने दो-दो विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी नवभारत नर्सरी की 189 रन ही बना सकी. टीम के लिए डैनियल ने सर्वाधिक 49 व आकृष्ट ने 23 रन बनाए. जेयूवीएनएल के अमित ने तीन और ज्वाला व रितु ने दो-दो विकेट चटकाए.

गठबंधन पर भरोसा

यह जनादेश बहुरंगी और संघीय भारत की अवधारणा पर मुहर लगाता है. वास्तविक गठबंधन राजनीति की वापसी इसी बात का संकेत है कि देश न केवल आर्थिक असमानता के खिलाफ है, बल्कि चंद कारपारेट घरानों की बढ़ती अमीरी और बेपनाह छूट से भी परेशान है. लोकतंत्र और संविधान की गरिमा की हर कीमत पर रक्षा का भी जनादेश है. इसके साथ ही एक बार फिर कमजोर वर्गों के सामाजिक और आर्थिक हितों के पक्ष में भी जनादेश है. देश के सबसे कमजोर समूह के लोगों ने ही बार बार इस देश के लोकतंत्र की हिफाजत की है. किसी भी एक दल में आम वोटरों ने विश्वास नहीं व्यक्त किया है. इसका मतलब साफ है कि लोग आर्थिक और सामाजिक नीतियों में बडे बदलाव के हिमायती हैं. यानी समावेशी और सहकार के सामाजिक सरोकार के साथ समावेशी विकास के भी पक्ष में हैं. सरकार बनाने वाले दलों को इस संदेश को समझना चाहिए. चुनाव में जीत हासिल करने वाले दलों को भी जनता ने चेतावनी दी है. जनता की चेतावनी को नजरअंदाज करना राजनीतिक दलों के लिए हाराकिरी साबित होगी. भारत एक बहुभाषी बहुधार्मिक देश है और भारत की बहुसंख्यक जनता धार्मिक जरूर है, लेकिन सांप्रदायिक नहीं. यह संदेश भी चुनाव नतीजों में पढ़ा जाना चाहिए. नफरत की सियासत भारत के लिए अस्वीकार्य है. भारत के लोगों ने वर्ष 2024 के जनादेश में साफ कर दिया है कि जनता लोकतंत्र में किसी भी दल को स्वच्छंद व्यवहार की अनुमति नहीं देती. वह लोकप्रहरी की भूमिका में आ जाती है. अब चाहे सामने कितना भी कद्दावर नेता क्यों न हो, जनता देश में सशक्त विपक्ष की भूमिका की जरूरत भी महसूस करती है. देश में आपातकाल के बाद भी बदलाव का जनादेश आया था. सही मायनों में यह जनादेश किसी की जीत व हार का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीत का है. विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल निरंकुश व्यवहार करते हुए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग विपक्षी नेताओं को भयभीत करने को करता है. कुछ विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों एवं मंत्रियों को राजनीतिक दुराग्रह के लिए जेल भेजने के आरोप भी लगे हैं. उम्मीद की जानी चाहिए कि गठबंधन सरकार के दौर में अब सत्ताधीश निरंकुश व्यवहार नहीं कर पाएंगे. इस चुनाव परिणाम का इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी असर दिख सकता है. जनादेश ने भारतीय संवैधानिक संस्थाओं को मजबूती की जरूरत भी बतायी है. निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन को इस सम्मानजनक स्थिति में लाने में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के मुखर प्रतिरोध ने विपक्ष को ताकत दी. वहीं दूसरी ओर इन लोकसभा चुनावों के परिणामों ने सत्ताधीशों को बताया है कि बेरोजगारी, महंगाई और आम जीवन से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. हरियाणा और राजस्थान में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया का प्रतिकार युवाओं की अभिव्यक्ति के रूप में इन चुनावों में नजर आने की बात कही जा रही है.

> भारत के लोगों ने वर्ष 2024 के जनादेश में साफ कर दिया है कि जनता लोकतंत्र में किसी भी दल को स्वच्छंद व्यवहार की अनुमति नहीं देती. वह लोकप्रहरी की भूमिका में आ जाती है.

सुभाषित

नमन्ति फलिनो वृक्षाः नमन्ति गुणिनो जनाः।
शुष्ककाष्ठश्च मूर्खश्च न नमन्ति कदाचन॥

जिस प्रकार फलों से लदी हुई वृक्ष की डाली झुक जाती है, ठीक उसी प्रकार से गुणीजन सदैव विनम्र होते हैं, किंतु मूर्ख उस सूखी लकड़ी के समान होता है, जो कभी नहीं झुकता. तात्पर्य यह कि जो गुणवान होते हैं, उनमें विनम्रता स्वाभाविक रूप से आ जाती है और सर्वप्रिय बन जाते हैं.

इस बार जीत केवल जनता की है

इस बार के परिणाम से यह भी साबित हो गया कि जनता को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है. जनता जब मौन रहकर विचार करती है तो गंभीरता से विचार करती है और विवेकपूर्ण ढंग से निर्णय लेती है. जिस तरह बदलाव प्रकृति का नियम है, उसी तरह बदलाव ही लोकतंत्र की जान है. अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की एक बात सबको ध्यान में रखनी चाहिए–आप कुछ लोगों को हमेशा ही मूर्ख बना सकते हैं, सारे लोगों को कभी–कभी मूर्ख बना सकते हैं.

• देश-काल

डॉ. प्रमोद पाठक

लोकसभा चुनाव के नतीजे तो आ गए. परिणाम कमोबेश अपेक्षित ही रहे. कम से कम उन थोड़े से लोगों की नजर में जो वस्तुनिष्ठ होकर सोचने वाली जमात थी . दरअसल मनोविज्ञान की नजर में जो सबसे जटिल प्रश्न है वह यही है. वस्तुनिष्ठ होकर सोचने वाली बात. यानी अपनी इच्छा और राय में फर्क करना. दरअसल इच्छा और राय में एक बड़ा बारीक अंतर है, जिसे समझना थोड़ा कठिन होता है. ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते और वे पूर्वाग्रह के प्रभाव को अपने चेतन मन से हटाने में सफल नहीं होते. ऐसे लोग अक्सर वैसा ही देखते हैं जैसा कि वे देखना चाहते हैं. वे जनता पर भी अपने पूर्वाग्रह की दृष्टि से ही राय कायम करते हैं. गोस्वामी तुलसीदास ने अपने रामचरितमानस के एक दोहे में इसकी बड़ी सुंदर ढंग से व्याख्या की है-जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी. यानी हम अपने मनोभाव के अनुरूप ही चीजों को देखते समझते हैं. खैर, यह तो चुनाव परिणाम का एक मनोवैज्ञानिक आकलन था. लेकिन हमारा सरोकार इसके व्यावहारिक और राजनीतिक पक्ष से ज्यादा है. इस बार के चुनाव के परिणाम से जो निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं, उनका बड़ा महत्व है. विशेष रूप से भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के संदर्भ में, लेकिन इससे पहले एक निष्पक्ष टिप्पणी भारतीय जनता के बारे में. तो चाहे जो भी कह लें, लेकिन एक चीज तय है-मेरा भारतीय वोटर महान. भले ही तथाकथित विशेषज्ञ और विश्लेषक इसका जो भी अर्थ निकालें, इस पर जो भी टिप्पणी करें. लेकिन यह एक सत्य है, जो भारतीय मतदाता ने बार-बार अपने व्यवहार से स्थापित किया है. लैटिन भाषा का एक मुहावरा है- आवाम की आवाज भगवान की आवाज होती है. इसीलिए तो राजनीति में कई बार जनता जनार्दन का रूप मानी जाती है. तो कुल मिलाकर जनता ने अपने मतदान से भारतीय लोकतंत्र की सुरक्षित नियति पर मोहर लगा दी. एक बड़ा निष्कर्ष, जो निकाला जा सकता है इस बार के लोकसभा चुनाव के परिणाम का वह यह कहा कि हमारा लोकतंत्र समृद्ध और जीवंत है और इसको बचाने के लिए जनता जनार्दन कटिबद्ध है.

इस बार के परिणाम से यह भी साबित हो गया कि जनता को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है. जनता जब मौन रहकर विचार करती है तो गंभीरता से विचार करती है और विवेकपूर्ण ढंग से निर्णय लेती है. जिस तरह बदलाव प्रकृति का नियम है, उसी तरह बदलाव ही लोकतंत्र की जान है. अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की एक बात सबको ध्यान में रखनी चाहिए- आप कुछ लोगों को हमेशा ही मूर्ख बना सकते हैं, सारे लोगों को कभी-कभी मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन सारे लोगों को हमेशा मूर्ख नहीं बना सकते. यह लोकतंत्र का स्वर्णिम पाठ है. तो इस बार के चुनाव काफी जटिल रहे, जहां तक उनके परिणामों के बारे में भविष्यवाणी करने का सवाल था. और यही वजह है कि तमाम चुनाव विश्लेषक चूके. वैसे यहां हम एग्जिट पोल वालों की बात नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वह तो चूके नहीं, बल्कि वही कर रहे थे जो उन्हें कहने को कहा जा रहा था. कहने की आवश्यकता नहीं कि ऐसे तमाम प्रयास विफल रहे. वैसे इस भीड़ में भी कुछ निष्पक्ष राय रखने वाले लोग सही साबित हुए. कुल मिलाकर इस बार के चुनाव भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास के लिए मील का पत्थर साबित होंगे. हमारी लोकतांत्रिक परंपरा की समृद्धि कायम रही और जनता ने उस पर अपना विश्वास साबित किया. इन चुनाव परिणाम में जो सबसे महत्वपूर्ण चीज देखने को मिली, वह यह रही कि एक सबल विपक्ष तैयार हुआ, जो कि लोकतंत्र की जीत का पहला मंत्र है. विपक्ष जब कमजोर होता है तो लोकतंत्र मजबूर हो जाता है.

इन चुनाव परिणाम से जनता ने लोकतंत्र को मजबूती प्रदान की. वैसे अभी इस पर बहुत से लोग मंथन करेंगे और अपने-अपने तरीके से अपना मंतव्य देंगे, लेकिन जनता ने जो मंतव्य दिया है, वह स्पष्ट है-हमें हल्के में मत लो. इस तरह के उलट फेर से ही तो लोकतांत्रिक व्यवस्था चलती है. कुछ परिणाम वाकई चौंकाने वाले थे. जैसे उत्तर प्रदेश के नतीजे. वहां जो कुछ भी हुआ वह साधारणतया अपेक्षित नहीं था, लेकिन यही तो जानता है. क्या सोचती है, क्या करती है, क्यों करती है, इस पर कयास लगाना इतना आसान नहीं है. वैसे इस तरह के अप्रत्याशित परिणाम और भी कुछ राज्यों के रहे. जैसे बिहार, कर्नाटक, उड़ीसा इत्यादि, लेकिन उत्तर प्रदेश के परिणाम को गेम चेंजर कहा जा सकता है. कुछ और भी चीज इन चुनाव के परिणाम से हम समझ सकते हैं. पहली चीज तो यह कि कांग्रेस मुक्त भारत की कल्पना बेमानी है. भारतीय लोकतंत्र में कांग्रेस का एक अलग स्थान है और वह रहेगा.

साथ ही हम विचारधारा आधारित दो दलीय व्यवस्था की ओर तो नहीं, लेकिन दो बड़े राजनीतिक गठबंधन के दौर की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें क्षेत्रीय दल तो रहेंगे, लेकिन वह किसी न किसी गठबंधन का हिस्सा रहेंगे. यह व्यवस्था भी राष्ट्रीय एकता के हक में है और एक और भी महत्वपूर्ण बात जो इस बार के चुनाव परिणाम से निकल कर आती है-राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान के ग्राहक अब बढ़ रहे हैं और उनकी स्वीकार्यता ज्यादा व्यापक हो रही है. यानी राहुल गांधी को खारिज करने के प्रयास सफल नहीं हुए और कृत्रिम बुद्धि के हथियार जैसे डीप फेक टेक्नोलॉजी अब जनता को बरगलाने में सफल नहीं हो रहे.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

धर्म का असर

एक व्यक्ति ने साधक से पूछा " क्या कारण है कि आज धर्म का असर नहीं होता?" साधक बोले- यहां से दिल्ली कितनी दूर है?, उसने कहा- दो सौ माईल. "तुम जानते हो?" हां मै जानता हूँ. क्या तुम अभी दिल्ली पहुंच गये? पहुंचा कैसे? अभी तो यहां हूं. चलूंगा तब न पहुंचूंगा. साधक बोले, यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है, दिल्ली तुम जानते हो, पर जब तक तुम उस ओर प्रस्थान नहीं करोगे, तब तक दिल्ली नहीं पहुंच सकोगे. यही बात धर्म के लिए है. लोग धर्म को जानते हैं, पर जब तक उसके नियमों पर नहीं चलेंगे, उस ओर गति नहीं करेंगे, धर्म पा नहीं सकेंगे, अंगीकार किये बिना धर्म का असर कैसे होगा? शिष्य गुरु के पास आकर बोला, गुरुजी हमेशा लोग प्रश्न करते है कि धर्म का असर क्यों नहीं होता. मेरे मन में भी यह प्रश्न चक्कर लगा रहा है. गुरु समयज्ञ थे, बोले- वत्स! जाओ, एक घडा शराब ले आओ. शिष्य शराब का नाम सुनते ही आवाक् रह गया. गुरु और शराब! वह सोचता ही रह गया. गुरु ने कहा सोचते क्या हो? जाओ एक घड़ा शराब ले आओ. वह गया और एक छलाछल भरा शराब का घडा ले आया. गुरु के समक्ष रख बोला-"आज्ञा का पालन कर लिया." गुरु बोले – "यह सारी शराब पी लो." शिष्य अचंभित, गुरु ने कहा शिष्य! एक बात का ध्यान रखना, पीना पर शीघ्र कुल्ला थूक देना, गले के नीचे मत उतारना. शिष्य ने वही किया, शराब मुंह में भरकर तत्काल थूक देता, देखते देखते घडा खाली हो गया. आकर कहा- "गुरुदेव घडा खाली हो गया." "तुझे नशा आया या नहीं?" पूछा गुरु ने. गुरुदेव! नशा तो बिल्कुल नहीं आया. अरे शराब का पूरा घडा खाली कर गये और नशा नहीं चढा? "गुरुदेव नशा तो तब आता जब शराब गले से नीचे उतरती, गले के नीचे तो एक बूंद भी नहीं गई फ़िर नशा कैसे चढता." गुरु ने समझाया- बस फिर धर्म को भी ऊपर ऊपर से जान लेते हो, गले के नीचे तो उतरता ही नहीं, व्यवहार में आता नहीं तो प्रभाव कैसे पडेगा. पतन सहज ही हो जाता है, उत्थान बडा दुष्कर. दोषयुक्त कर्म प्रयोग सहजता से हो जाता है,किन्तु सत्कर्म के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता होती है. पुरुषार्थ की अपेक्षा रहती ही है. जिस प्रकार वस्त्र सहजता से फट तो सकता है, पर वह सहजता से सिल नहीं सकता. बस उसी प्रकार हमारे दैनंदिनी आवश्यकताओं में दूषित कार्य संयोग स्वतः सम्भव है.

विदेशी मीडिया की नजर में भारत का जनादेश

• विदेशी मीडिया

कुमार दिनेश

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकसभा चुनाव नतीजों पर न सिर्फ देश की ही नहीं, बल्कि विदेशी मीडिया की निगाहें टिकी हुई हैं. देश के ही नहीं, विदेश के मीडिया हाउस भी भारत के चुनाव को कवर कर रहे हैं. विदेशी मीडिया ने एनडीए को बहुमत मिलने पर अलग-अलग टिप्पणियां की हैं. ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की वेबसाइट की रिपोर्ट ने लिखा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने नेतृत्व में हो रहे इस तीसरे चुनाव में जबरदस्त जीत के दावे कर रहे थे, लेकिन इन रुझानों से पता चलता है कि उन्होंने वो शानदार जीत हासिल नहीं की है, जिसकी कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी. न्यूयॉर्क टाइम्स ने नतीजों को प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल पर रेफरेंडम बताया है. टाइम्स के मुताबिक काफी हद तक नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल में काम करने का मौका मिलेगा. रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में नए बने विपक्षी गठबंधन ने मोदी की बंटवारे की राजनीति के खिलाफ वोट मांगा था. विपक्ष ने लोगों के मन में ये डर भरा था कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी. न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा कि एग्जिट पोल्स में भाजपा की बड़ी जीत का अनुमान लगाया गया था. बड़े बहुमत की खबरों से सोमवार को भारत के शेयर मार्केट ने रिकॉर्ड सेट किया. हालांकि मंगलवार सुबह कहानी बदल गई. जैसे ही नतीजे आने शुरू हुए तो एग्जिट पोल्स के उलट विपक्ष टक्कर देता दिखाई देने लगा. सीएनएन लिखता है कि भारत के सबसे पॉपुलर लेकिन विवादित नेता को तीसरे टर्म का इंतजार है. पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े आबादी वाले देश में लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने के लिए कैंपेन में इस्लाम विरोधी भाषा का इस्तेमाल कियाअलजजीरा ने लिखा कि पीएम मोदी की भाजपा और एन.डी.ए. गठबंधन सभी दलों से आगे रही. चुनौती देने के लिए बनाया गया गठबंधन इंडिया अलायंस ने उन्हें कड़ी टक्करदिया. कांग्रेस ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है. नतीजों में कड़ा संदेश छिपा है, कि मोदी फिर से सत्ता में आने के बाद अपनी कितनी पीठ थपथपा लें, लेकिन वह बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे को छिपा नहीं सकते. मोदी को जरूरत है कि वह इन मुद्दों पर कुछ करें, अभी तक उन्होंने पुरानी सरकारों पर दोष मढ़ा है. लोग उनसे जवाब मांग रहे हैं.

पाकिस्तानी अखबार डॉन में जावेद नकवी ने लिखा कि चुनाव परिणाम यह तय करेगा कि भारत का लोकतंत्र में कितना यकीन है. उन्होंने आगे लिखा कि चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी ने मुसलमानों पर कई बार हमला किया. उन्होंने मुस्लिमों को घुसपैठिया बताया और 80 प्रतिशत हिंदुओं को डेमोग्राफिक डर दिखाया. उन्होंने दावा किया कि मुस्लिमों की नजर हिंदू महिलाओं के मंगलसूत्र और हिंदुओं के रोजगार पर है. उन्होंने कांग्रेस के मेनिफेस्टो को मुस्लिम लीग का डॉक्यूमेंट बताया.बीबीसी ने लिखा कि नतीजे तय करेंगे कि नरेंद्र मोदी को तीसरा कार्यकाल मिलेगा या नहीं. वे लगातार सबसे ज्यादा वक्त तक भारत के प्रधानमंत्री चुने जाने वाले जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़ पाएंगे या नहीं.न्यूयॉर्क टाइम्स ने नतीजों को प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल पर रेफरेंडम बताया है. टाइम्स के मुताबिक, 'काफी हद तक नरेंद्र मोदी को तीसरा टर्म मिलेगा. भारत में नए बने विपक्षी गठबंधन ने मोदी की बंटवारे की राजनीति के खिलाफ वोट मांगा था. विपक्ष ने लोगों के मन में ये डर भरा था कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी.' फ्रांस के सबसे बड़े अखबार ली मांछ ने कहा है नरेंद्र मारेदी तीसरी बार सत्ता में रह सकते हैं लेकिन इस बार उन्हें जनादेश चेतावनी के साथ मिला है. उनकी पार्टी को 240 के आसपास सीटें मिली हैं. मोदी ने 200 से ज्यादा रैलियां की लेकिन उनका जूदे नहीं चला है. इतनी कम सीटों के सहारे अब मोदी संविधान में बदलाव नहीं कर सकते हैं. सीएनएन ने मोदी के इस्लमविरोधी भाषा को ले कर टिप्पणी की है अब उन्हें सरकार बनाने के लिए गठबंधन का सहरा लेना होगा.बांग्लादेशी के अखबार द डेली स्टार ने लिखा- ऐसा लगता है कि इस बार 'कमजोर' भाजपा की सरकार बनेगी.इसके साथ ही बांग्लादेशी अखबार ने सीएम ममता बनर्जी की तारीफों के पुल भी बांधे हैं. अखबार लिखता है कि एग्जिट पोल्स में तृणमूल कांग्रेस को काफी कम सीटें दिखाई गई थीं, लेकिन असल परिणाम कुछ और बता रहे हैं. ममता बनर्जी ने बीजेपी को एक बार फिर से मात दी है. द वाशिंगटप पोस्ट ने इस जनादेश को मोदी के नेतृत्व को नकारने जैसा बताया है. एक तरह से यह नरेंद्र मोदी की अप्रत्याशित हार जेसे नतीजे हैं.

> फ्रांस के सबसे बड़े अखबार ली मांछ ने कहा है नरेंद्र मारेदी तीसरी बार सत्ता में रह सकते हैं लेकिन इस बार उन्हें जनादेश चेतावनी के साथ मिला है. उनकी पार्टी को 240 के आसपास सीटें मिली हैं. मोदी ने 200 से ज्यादा रैलियां की लेकिन उनका जूदे नहीं चला है. इतनी कम सीटों के सहारे अब मोदी संविधान में बदलाव नहीं कर सकते हैं.

लोकसभा चुनाव के नतीजें : हर एक के लिए चेतावनी

• सामयिकी

प्रेमकुमार मणि

लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अलग-अलग व्याख्याएं हो रही हैं और होनी चाहिए. यह लोकतान्त्रिक समाज के जीवंत होने के प्रमाण हैं. कुछ लोग हैं,जो कांग्रेस मुक्त भारत का मिजाज रखते हैं, तो ऐसे भी हैं जो संघ-भाजपा मुक्त भारत की कामना करते हैं. मैं एक संतुलन चाहता हूँ. देश में उदार और अनुदार पक्ष बना रहे और इसकी रस्साकशी पर मुल्क की राजनीति कायम रहे, मैं ऐसा चाहने वालों में हूँ. उदारता के आवारा हो जाने और अनुदारता के जड़ता में तब्दील होने की आशंका बनी रहती है,इसीलिए मैं संतुलन का आकांक्षी हूँ. क्रम से दिन और रात की तरह दोनों पक्ष आते रहें. लोकतंत्र में यही अपेक्षित है. लेकिन आज भी हमारे समाज में जनतांत्रिक संस्कृति कमजोर है. देवपूजा और भक्ति की संस्कृति के साथ लोकतंत्र नहीं चलता. यह स्वस्थ आलोचना के साथ ही संभव होता है. दुर्भाग्य से हमारे देश में यह संस्कृति नहीं है. संयुक्त राज्य अमेरिका में कोई राष्ट्रपति दो टर्म के बाद उस पद पर चुनाव नहीं लड़ सकता. वाशिंगटन ने ही इस कायदे की वकालत की थी. दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने अगली बार चुनाव लड़ने से मना कर दिया. हमारे ही देश में तमिलदेश के मुख्यमंत्री कुमारसामी कामराज ने सात साल के बाद यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी की अब मेरा काम खत्म हो गया. इतिहास में जाएं तो चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपनी उम्र के अड़तालीसवें वर्ष में स्वयं सत्ता छोड़ दी और सन्यासी हो कर दक्षिण प्रदेश में चले गए. लेकिन यह सब आज क्यों नहीं संभव हो रहा. हमारे राजनेताओं को अंतिम सांस तक कुर्सी चाहिए. मैं जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व से प्रभावित रहा हूँ. लेकिन वह ऑफिस में मरे इसकी भरपूर आलोचना भी करता हूँ. उन्हें 1957 में ही पद छोड़ देना था. यदि ऐसा उन्होंने किया होता तो उनका व्यक्तित्व कितना भव्य हुआ होता . चुनाव के इन नतीजों ने प्रधानमंत्री मोदी केलिए एक संकेत दिया है. आपका कार्यकाल पूरा हो गया. इसे उन्हें समझना चाहिए था.लेकिन कल शाम में अपनी पार्टी के लोगों के बीच वह जिस तरह दहाड़ रहे थे उस से यही लगता है कि वह जनादेश का मर्म नहीं समझ रहे हैं. यह ठीक है कि एनडीए और इंडिया मोर्चे के बीच चुनावी संघर्ष था और गणितीय तौर पर एनडीए आगे है. लेकिन इतना तो तय है कि भाजपा चुनाव हार चुकी है. यह एनडीए की जीत हो सकती है,भाजपा और मोदी की नहीं. भाजपा को दस साल पहले लोकसभाचुनाव के 2014 चुनाव में 282 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत मिला था और 2019 में वह बढ़ कर 303 हो गया. दोनों दफा एनडीए का ढांचा था, लेकिन भाजपा को पूर्ण बहुमत आया था. भाजपा और उसके नेता नरेंद्र मोदी केलिए यह इसलिए महत्वपूर्ण था कि 1984 के बाद किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं आया था. इसी रुतबे ने नरेंद्र मोदी को भाजपा का ' चक्रवर्ती ' नेता बना दिया. धीरे-धीरे उनकी बोली-बानी में इसका तेवर दिखने लगा. वह एक सनक में जीने लगे. अंततः कुछ रोज पहले उन्होंने यह बात सार्वजनिक कर ही दी कि उनका जन्म बायोलॉजिकल से कुछ अलग है. वह अवतारी पुरुष हैं, ऐसी बातें उनके मन में घुमड़ती होंगी. इन्हीं सब का प्रतिफलन था कि उन्होंने 400 पार की एक लाइन खींच दी थी.केवल मैं हूँ, दूसरा नहीं. (एकोअहम् द्वितीयो नास्ति). जनता ने इसी घमंडिया प्रवृति पर चोट की है. कुल मिला कर भारत की जनता ने उन्हें करारा जवाब दिया है. उन्हें 272 के भीतर ला दिया. अब ऐसे में उनके भीतर कुछ नैतिकता यदि है तो पूरी शालीनता से प्रधानमंत्री पद से अलग हो किसी अन्य काम में, या फिर पार्टी संगठन में अपने को लगा दें.. शी जिनपिंग और पुतिन बनने की होड़ से उन्हें बचना चाहिए. लेकिन उनके इर्द-गिर्द के चापलूस उन्हें ऐसा शायद ही करने दें. वे इन नतीजों की अभिनव व्याख्या करेंगे और अपने नेता को खुश रखेंगे. सत्ता का यही चरित्र होता है. इस चरित्र को समझने और तोड़ने वाले इतिहास पुरुष होते हैं. माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी में यदि कोई गरिमा और नैतिकता है तो उन्हें विनम्रता पूर्वक जनादेश का सम्मान करते हुए अविलम्ब अपने पद से इस्तीफा कर देना चाहिए. देश की जनता से उन्होंने 400 पार का बहुमत माँगा था, क्योंकि उन्हें देश का आमूलचूल परिवर्तन करना था. जनता ने इसे न केवल नकार दिया है बल्कि उन्हें 272 के भीतर ला कर बता दिया है कि उन्हें यह स्वीकार नहीं है. जनता का यह भी संकेत है कि भाजपा अपना नेता तुरंत बदले और एनडीए की काया में सरकार में आए. वस्तुतः यह दम्भ और तानाशाही की पराजय है.

> संयुक्त राज्य अमेरिका में कोई राष्ट्रपति दो टर्म के बाद उस पद पर चुनाव नहीं लड़ सकता. वाशिंगटन ने ही इस कायदे की वकालत की थी. दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने अगली बार चुनाव लड़ने से मना कर दिया. हमारे ही देश में तमिलदेश के मुख्यमंत्री कुमारसामी कामराज ने सात साल के बाद यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी की अब मेरा काम खत्म हो गया.

मीडिया में अन्यत्र

लोकतंत्र में लोक ही सर्वोपरि

लोकतंत्र के केंद्र में जनता होती है और उसे होना भी चाहिए. 18वें आम चुनाव के नतीजों में जनता ने इसी सिद्धांत को स्पष्ट रूप से दोहराया है. ज्योंही चार जून को जनादेश सामने आया, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकसभा में पूर्ण बहुमत से दूर रह गई जो कि चुनाव अभियान के दौरान उसके द्वारा किए गए दावों से कोसों दूर है. हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसकी अगुवाई भाजपा कर रही है, ने 290 से ज्यादा सीटें प्राप्त करके बहुमत हासिल कर लिया है. भाजपा की अपनी सीटें 240 हैं, जोकि 2019 की 303 सीटों की उसकी ताकत से 63 कम है. एनडीए के दो सहयोगी, बिहार में जद (यू) और आंध्र प्रदेश में टीडीपी, जिन्होंने क्रमशः 12 और 16 लोकसभा सीटें जीती हैं, सामान्य तौर पर अन्य क्षेत्रीय दलों की तरह, लोकसभा में महत्वपूर्ण प्रभाव रखेंगे. जनता का फैसला इससे ज्यादा स्पष्ट नहीं हो सकता - वह चाहती है कि भाजपा देश के विभिन्न समुदायों एवं क्षेत्रों की राजनीतिक आकांक्षाओं के प्रति और ज्यादा सौहार्दपूर्ण तथा कम टकराव वाला रवैया रखे. यह जनादेश लामबंदी की एक रणनीति के रूप में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, जोकि भाजपा के चुनाव अभियान का मुख्य आधार बन गया था, की सीमाओं को भी दर्शाता है. चुनाव का यह नतीजा भाजपा को जवाबदेह बनाता है तथा उससे और ज्यादा रचनात्मक होने की मांग करता है. भाजपा को लोकतांत्रिक भावना के साथ इस संदेश पर ध्यान देना चाहिए और 10 साल बाद गठबंधन की राजनीति के दोबारा उभरने की हकीकत के अनुरूप खुद को ढालना चाहिए. वर्ष 2019 की अपनी संख्या को लगभग दोगुनी करते हुए 99 सीटों तक पहुंचने वाली कांग्रेस ने भारतीय राजनीति के दूसरे ध्रुव के रूप में अपनी हैसियत बहाल कर ली है. हालांकि, वह काफी अंतर से पिछड़कर दूसरे स्थान पर रही. उसे भी इस जनादेश का सम्मान करना चाहिए और फिलहाल चुनाव-बाद का कोई भी गठबंधन बनाने का प्रयास करने के लोभ से बचना चाहिए. कांग्रेस की अगुवाई वाला चुनाव-पूर्व गठबंधन - इंडिया - बहुमत का आंकड़ा पार नहीं कर पाया है, जबकि एनडीए ने ऐसा किया है. जनता के प्रति सम्मान की खातिर सभी पार्टियों को अपने चुनाव-पूर्व गठबंधनों और नजरिए पर डटे रहना जरूरी है. कांग्रेस कई आंतरिक विरोधाभासों के बावजूद एक गठबंधन बनाने और उसकी अगुवाई करने में कामयाब रही है तथा इसके नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती पेश करने वाले एक नेता के रूप में खुद को लोगों की नजरों में ऊपर उठाया है. कांग्रेस का संगठन, उसकी रणनीति और संचार का उसका तौर-तरीका इस बार उसके लिए कारगर रहा, जबकि भाजपा अपने दावों के बरक्स इन तीनों पहलुओं पर पिछड़ गई. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ऋत/ऋति/ऋतु

एक ऋतु आये, एक ऋतु जाये, दीप जलाये, दीप बुझाये, कभी हंसाये, कभी रुलाये. एक ऋतु आये एक ऋतु जाये. यह 1966 में आयी हिंदी फिल्म सौ साल बाद के एक गीत का मुखड़ा है, जिसे शास्त्रीय संगीत से आबद्ध इस गीत को मन्ना डे और लता मंगेशकर ने अपनी आवाज साकार किया था. फिल्मी गीतों में ऐसे गीतों की संख्या नगण्य है, जिसमें ऋतु शब्द का प्रयोग हुआ हो. ऋतु या मौसम को चित्रित करनेवाले ऐसे गीतों की संख्या पर्याप्त है, जिसमें ऋतु के स्थान पर रुत शब्द का प्रयोग हुआ है. जैसे तू भी आजा के आ गई रुत मस्तानी, ओ ढोल सजना, ढोल जानी, मेरी गली आ, तेरी मेहरबानी. या मेरे सपनों की रानी कब आयेगी तू, आयी रुत मस्तानी कब आयेगी तू. ऋतु संस्कृत मूल का तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका अर्थ है मौसम, वातावरण में होनेवाले परिवर्तन, वातावरण के अनुसार वर्ष के छह परिवर्तन-ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर, बसंत, रजोदर्शन. ऋतु से बने कई शब्दों का प्रयोग हिंदी में अक्सर होता है. उन्हीं शब्दों में है ऋतुकर जिसका मतलब है वृक्ष, वन जो पर्यावरण के संतुलन को बनाये रख कर ऋतुचक्र को व्यव्िस्थत करते हैं. ऋतुचर्या यानी ऋतु के अनुसार आहार-विहार का पालन, गरमी, वर्षा आदि ऋतुओं के अनुसार आहार-विहार, ऋतुराज यानी बसंत ऋतु, मधुमास. विशिष्ट मौसम में उत्पनन या होनेवाले फल को ऋतुफल कहा जाता है. जैसे ककड़ी, आम आदि, मौसमी फल. वेदों और उपनिषदों में ऋत शब्द का प्रयोग बहुत अधिक मिलता है. यह संज्ञा पुल्लिंग है. इसका अर्थ है सत्य, सृष्टि का आदि तत्व, मोक्ष, मुक्ति, यज्ञ, कर्मों का फल, उच्छवृत्ति यानी अनाज की कटाई बाद जो दाने खेतों में गिरे रह जाते हैं, उन्हें एकत्र करके जीविका निर्वाह करना. विशेषण के रूप में इसी शब्द अर्थ होता है सत्य, सच्चा, नैतिक, उचित, प्रकाशित, दीप्त. ऐसा ही तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है ऋति. इसका मतलब है समृद्धि, मंगल, कल्याण, अभ्युदय, निंदा, स्पर्धा.

मैं इस देश का बहुत महान आदमी

• तीर-तुक्का

सुरेश सौरभ

मैं इस देश का बहुत महान आदमी हूं. महान इसलिए अपने आप को कह रहा हूं, क्योंकि खुद को महान कहते-कहते मीडिया वाले भी मुझे अब महान बना चुके हैं. जीते जी और मरने के बाद भी मुझे महान ही बने रहने की हसरत है. मरने बाद इस पावन मातृभूमि पर मेरी विश्व की सबसे बड़ी मूर्ति लगाई जाए, ऐसी दिल-फेफड़े-गुर्दे में तमन्ना पाले बैठा हूं. लेकिन आजकल पता नहीं क्यों, लोग मेरी महानता से बेवजह जलने-भुनने लगे हैं. जरा-जरा सी बात के लिए बस मेरी ही टांग खिंचाई करते हैं. खाने को तो मैं बिना डकारे पूरा देश खा सकता हूं, पर मैं ऐसा न करके सबको खाने-कमाने का चांस दे रहा हूं और फिर मैं सभी छोटे-बड़े देवी देवताओं की, अपने पूरे खानदान की, कसम खाकर कहता हूं कि मैं हन्डरेड टेन परसेन्ट पूरी तरह दूध से नहाया-धोया हुआ बिलकुल पाक-साफ सत्तावन इंची सीने का जिंदादिल शेर का बच्चा हूं या पठान का बच्चा हूं. यानी जिसका भी हूं, बिलकुल सीधा-सच्चा हूं और सबका चच्चा हूं. संडे-मंडे या सब दिनों में अपनी सेहत बनाने के लिए जब आप अंडे खा सकते हैं तो राष्ट्रहित में थोड़े डंडे क्यों नहीं खा सकते. लाठी-डंडे गोली खाकर हमारे बाप-दादाओं ने हमें आजादी दी थी. इसलिए आज हम आजाद हिंद में अपनी सांसें बाहर-भीतर सुड़क रहे हैं. मैंने भी संघर्ष करते हुए कभी लाठियां खाईं हैं, कभी गालियां खाईं थीं, किसके लिए? इस देश के लिए. मैं रहूं या इस जहान से चुक जाऊं, पर देश नहीं चुकना चाहिए. कुछ लोग कह रहे हैं कि अगर जेएनयू के छात्रों पर जब डंडे चलाये जा सकते थे तो बीएचयू में जो छात्र एक मुस्लिम टीचर का विरोध कर रहे थे, उनको क्यों नहीं तिड़ी किया गया. इसमें मेरा कोई रोल नहीं. यह सरासर नाइंसाफी है. हर ओर-छोर पर जाने क्यों लोग मेरी बुराई-भलाई कर रहे हैं. पता नहीं, बुराई-भलाई करने में लंपटों को क्यों मजा आता है. मैं तो यही कहूंगा- न कर पूत भतार बुराई, एक दिन तोरे आगे आई. एक चाय वाला देश चला रहा है यह किसी को भा नहीं रहा है, मार अंदर-बाहर लोगों के जलन खाए जा रही हैं. मरे जा रहे हैं. पता नहीं क्यों दूसरे को खाता-पीता देखकर लफंगों को फूटी आंखों नहीं सुहाता. अगर डंडे चलाये गए तो उसमें भी कोई राष्ट्रीय हित छिपा होगा. राष्ट्रीय हितों में लोगों को हमारा सहयोग करना चाहिए. देश की एकता अखंडता संप्रभुता कायम रखने के लिए और देश का विकास करने के लिए हम हर समय आपकी सेवा में तत्पर हैं.

लाइफ लाइन

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : रकुल प्रीत सिंह

बुलेट कॉफी और प्रोटीन शेक है फिटनेस का राज

रकुल प्रीत सिंह बी टाउन की फिट एक्ट्रेसेस में से एक हैं. अक्सर वे खुद सोशल मीडिया पर इसके राज खोलती रहती हैं. रकुल के अनुसार डाइटिंग का मतलब कतई ये नहीं है कि आप भूखे रहें. डाइटिंग और फिटनेस केवल बैलेंस डाइट लेना और एक हेल्दी रूटीन को फॉलो करना है. इससे फिट रहने और वेट लॉस करने में मदद मिलती है. बकौल रकूल, मैं नो ग्लूटेन और नो डेयरी डाइट फॉलो करती हूं.

दिन की शुरुआत बुलेट कॉफी से
रकूल दिन की शुरुआत बुलेट प्रूफ कॉफी से करती हैं. बुलेट कॉफी को आप घी कॉफी भी कह सकते हैं. इसे बनाने के लिए एक चम्मच कॉफी पाउडर, एक कप गुनगुना पानी और हेल्दी फैट के तौर पर एमसीटी ऑयल या घी या फिर बिना नमक के बटर या नारियल के तेल की जरुरत होती है. इन सब चीजों को ब्लेंडर में डालकर अच्छे से ब्लेंड कर बुलेटप्रूफ कॉफी तैयार होती है.

वर्कआउट के बाद प्रोटीन शेक
एक मग बुलेट कॉफी लेने के बाद रकुल प्रीत जिम में जम कर पसीने बहाती हैं. वे नियमित रूप से एक्सरसाइज करती हैं और सख्त वर्कआउट रूटीन फॉलो करती हैं. इसके बाद रकूल एक खास तरह का शेक पीती हैं जो प्रोटीन से भरपूर है. इसके लिए 2/3 कप घर का बना कोकोनट मिल्क, 2/3 कप पानी, 1 स्कूप व्हे आइसोलेट पाउडर, 1 चम्मच फ्लैक्ससीड्स और दो केले की जरुरत होती है. इन सभी चीजों को एक मिक्सी में डालकर अच्छी तरह ब्लेंड कर के प्रोटीन स्मूदी तैयार की जाती है. इस शेक को बतौर ब्रेकफास्ट लेती हैं. कभी कभी स्वाद बढ़ाने के लिए वे ऊपर से एक चम्मच शहद और एक चुटकी दालचीनी का पाउडर छिड़कती हैं.

दिन का खाना सादा
दिन के खाने में अक्सर दाल, चावल सब्जी आदि होता है. ईवनिंग स्नैक के तौर पर भूने मखाने, भूने चने आदि के साथ नारियल पानी लेती हैं. डिनर आमतौर पर रात साढे सात तक कर लेती हैं. इसमें ग्रिल्ड वेजिटेबल, सूप, सलाद आदि ही होते हैं.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

पलाश के पत्ते, बीज, फूल... सब हैं काम के

"पलाश" झारखंड के पलामू प्रमंडल की जान था पर अब दंतकथा बन कर रह गया है. हिंदी में पलाश, टेसू, ढाक, बंगाल में पलाश गाछ, लैटिन में ब्युटिया पार्विफ्लोरा, अंग्रेजी में डाउनी ब्रांच ब्युटिया कहते हैं.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

पलाश के कोमल पत्तों का उपयोग औषधि के लिए होता है. व्रण शोध, पत्र का क्वाथ प्रदर रोग में, मुखक्षत में केवल क्वाथ धारण करते हैं. इसके बीज रेचक और कृमि नाशक हैं. पलाश के फूल खाने में कड़वे कसैले, वातकारक, शीतल होता है. रुधिर विकार, तृष्णा, दाह तथा कुष्ठ को नष्ट करता है. लकवा रोगी के लिए भी पलाश दंड (छड़ी) धारण करना औषधी के रूप में काम करती है.

भारत सरकार हो या बीते कल का बिहार सरकार या आज का झारखंड सरकार लाह उत्पादन का मुख्य औषधीय वृक्ष पलाश पर कोई काम ही नहीं किया, लाह उत्पादन ग्रामीण क्षेत्रों का एक रोजगार गारंटी योजना की तरह कार्य कर रही थी पर सरकार के तरफ से संरक्षण प्रदान नही करने के कारण और ग्रामीण क्षेत्रों में उत्कृष्ट लाह उत्पादन का मूल्य नहीं मिलने के कारण इसका उत्पादन लगभग बंद हो गया है और नकली लाह बाजार में स्थान बना लिया.

सफेद फूल वाला पलाश आज झारखंड से विलुप्त हो गया है. लातेहार, लोहरदगा, पलामू, गढवा, रांची इत्यादि जिला में सफेद फूल वाला पलाश एक दंतकथा बन गया है कि यहां पर था वहां पर था. लातेहार जिला के चंदवा प्रखंड के ढोटी गांव में सफेद फूल वाला पलाश था पर अज्ञानता के चलते काट दिया गया.

(औषधीय पौधा के खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

डॉ दीपक चंद्रा प्रकाश
फिजीशियन व गहन रोग विशेषज्ञ, मेडिका, रांची

फूड पॉइजनिंग यानी खाद्य विषाक्तता एक ऐसी बीमारी, जो दूषित भोजन या पेय पदार्थ को लेने से होती है. फूड पॉइजनिंग की समस्या संक्रमण के कारण होती है, जिसमें कुछ सामान्य जीवाणु और खाद्य पदार्थों के वायरस मुख्य कारक होते हैं. सबसे आम सूक्ष्मजीव एंटअमीबा (एक आम परजीवी, जिसके कारण पेचिश हो सकती है), जिआर्डिया (एक ऐसा परजीवी, जो दस्त का कारण बनता है), कैंपाइलोबैक्टर, शिगेला, साल्मोनेला, ई कोलाई, लिस्टेरिया और नोरोवायरस (ऐसा बैक्टीरिया, जो टाइफाइड का कारण बनता है) है. साल्मोनेला बैक्टीरिया अंडे, मांस और मुर्गे में पाया जाता है तो ई-कोलाई बैक्टीरिया मुख्यतः दूषित मांस, असुरक्षित दूध और अधपके खाद्य पदार्थों में पाया जाता है. स्टैफिलोकोकस ऑरियस बैक्टीरिया नाक और त्वचा में पाया जाता है. दूषित भोजन के संपर्क में आने से फैल सकता है.

फूड पॉइजनिंग
खान-पान में लापरवाही पड़ सकती जान पर भारी

कैसे होती है फूड पॉइजनिंग

जब ऊपर बताए गए बैक्टीरिया या वायरस किसी तरीके से हमारे पेट में पहुंच जाते हैं, तो फूड पॉइजनिंग हो सकती है. अधपका खाना खाने से या गंदे बर्तनों में पकाया गया खाना खाने से, ऐसे डेयरी उत्पाद, जिन्हें उचित तरीके से फ्रिज में न रखा गया हो या लंबे समय तक उन्हें फ्रिज से बाहर रखा गया हो, फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकते हैं. फ्रिज से निकालने के बाद जब हम दोबारा गर्म किए बगैर कोई खाना खाते हैं, दो-तीन दिनों का रखा बासी खाना खाते हैं तो भी फूड पॉइजनिंग हो सकती है. फल और सब्जियों को बिना अच्छी तरह धोए खाने या दूषित पानी पीने से भी फूड पॉइजनिंग हो सकता है. फ्रोजन चीजों को सही तापमान पर नहीं रखना, सब्जियां काटने वाले बोर्ड या चाकू को ठीक से साफ न करना, दूषित पानी पीना, एक्सपायरी डेट वाली चीजों का सेवन आदि भी फूड पॉइजनिंग के लिए जिम्मेदार कारक हैं.

क्या हैं लक्षण

डायरिया, मरोड़ के साथ पेट दर्द, जी मिचलाना, ऐंठन, उल्टी, दस्त, शरीर में दर्द, सिरदर्द, ठंड लगकर बुखार आना आदि लक्षण सामान्य हैं. खाना लंबे समय तक पचता नहीं या फिर पेट फूला-फूला सा महसूस होता है. गंभीर स्थिति में सामान्य लक्षणों के अलावा सांस लेने में तकलीफ, आंखों और त्वचा का पीला होना, जोड़ों में दर्द और खून की उल्टी भी हो सकती है. सूक्ष्मजीव एंटम्यूबा का संक्रमण होने पर पेचिश के कारण हल्के रक्त के साथ पतले दस्त आते हैं.

कितना खतरनाक

आमतौर पर फूड पॉइजनिंग के केस हफ्ते भर में ठीक हो जाते हैं. लेकिन कई बार यह जीवन आफत भी बन जाता है. खासकर बुजुर्ग, कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों, गर्भवती महिलाओं और एचआईवी संक्रमण वाले लोगों को फूड पॉइजनिंग के मामले में लापरवाही बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए.

ऐसे करें बचाव

- रसोई घर बिल्कुल साफ रखें. चाकू और कटिंग बोर्ड को रोज माइल्ड सोप से धोएं. सफाई में उपयोग होने वाले कपड़े रोज साफ कर धूप में सुखाएं.
- पकाया भोजन दो घंटे के अंदर फ्रिज में रखें. इस भोजन को 24 घंटे के भीतर खत्म कर लें.
- भोजन पकाने से पहले फल, सब्जियों को नमक वाले पानी से अच्छे से धो लें.
- फ्रिज की भी नियमित सफाई करें. अगर कोई खाद्य या पेय पदार्थ गिर जाए तो तुरंत साफ करें. फ्रिज में रखा सामान उपयोग न हो तो उन्हें हटाते भी जाएं.
- नॉनवेज अच्छे से साफ करके और पूरा पकाने के बाद ही खाएं.
- बाहर का खाना न खाने से जितना बचें, बेहतर है. अक्सर ऐसे खाने को ढक कर भी नहीं रखा जाता या बनाते समय हाइजिन का ख्याल नहीं रखा जाता.
- साफ पानी पिएं.

संक्रमण होने पर यह करें

- टॉक्सिन को बाहर निकालने के लिए अधिक से अधिक पानी का सेवन करें.
- उल्टी और दस्त की शिकायत होने पर नारियल पानी या सादा पानी ही पिएं, ठोस आहार नहीं लें. ऐसा आहार तो बिल्कुल नहीं जिसे चबाने की दरकार हो.
- पेट का दर्द असहनीय हो तो शीघ्र किसी विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श से अल्ट्रासाउंड कराएं.
- डायरिया और उल्टी की वजह से अक्सर हमारे शरीर से पानी, सोडियम, पोटैशियम और अन्य मिनरल भी निकल जाते हैं. ऐसे में पानी के साथ इलेक्ट्रल पाउडर का सेवन करें. नमक और चीनी का घोल भी ऐसे में काफी फायदेमंद साबित होता है.

डॉ सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय चिकित्सक

हमारा मानसिक स्वास्थ्य, हमारा मूड कई छोटी-छोटी चीजों से प्रभावित होता है. अक्सर इनका हमें भान तक नहीं होता, पर जब इन चीजों को हम अपनी दिनचर्या में कुछ दिनों तक शामिल करते हैं, तो फर्क महसूस किया जा सकता है. आइए, आज चर्चा करें कि किन छोटी-छोटी आदतों/चीजों को अपनाने से मानसिक तौर पर हम बेहतर महसूस करेंगे-

मूड बेहतर करेंगी ये आदतें

प्रतिदिन चलाएं साइकिल

साइकिल चलाना मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माना गया है. अगर आप तनाव, एंजाइटी, डिप्रेशन आदि से जूझ रहे हैं, तो कोशिश करें कि हफ्ते में कुछ दिन ही सही, साइकिल चलाएं. साइकिल चलाने के दौरान एरोबिक्स के एक्सरसाइज की गतिविधियां होती है. यह गतिविधियां मानसिक स्थिति में बदलाव लाकर मस्तिष्क में खून का प्रभाव बेहतर बना सकती है, जो तनाव को कम करने में मदद करता है. साइकिल चलाने से शरीर में एंडोर्फिन हॉर्मोन बनते हैं, जिससे तनाव कम होता है और लोग बेहतर महसूस करने लगते हैं. साइकिल चलाते समय सड़क पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी होता है. इससे एकाग्रता शक्ति बढ़ती है. एक अध्ययन में पाया गया कि साइकिल चलाने से वृद्ध वयस्कों की मेंटल हेल्थ में काफी सुधार होता है. अगर आप सुस्त महसूस करते हैं, तो कम से कम 10 मिनट के लिए साइकिल जरूर चलाएं. नियमित साइकिलिंग करने से आत्मविश्वास और संतुष्टि के स्तर में इजाफा जल्द ही खुद महसूस होने लगता है.

- **असेंशियल ऑयल**
प्लांट से प्राप्त होने वाले असेंशियल ऑयल में मेडिशिनल प्रॉपर्टी होती है. एक अध्ययन में देखा गया है कि लैवेंडर, लेमन, बेरगामोट आदि के असेंशियल ऑयल मूड को बेहतर करने का माद्दा रखते हैं. नाक में जब इनकी खुशबू पहुंचती है तो सेरोटोनिन और डोपामाइन रिलीज होता है.

- **खाने की प्लेट में ये हों शामिल**
आहार भी हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है. कॉफी पीने से सेरोटोनिन और डोपामाइन लेवल बढ़ता है. वहीं ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर आहार के सेवन से सेरोटोनिन लेवल बूस्ट होता है. कई अध्ययनों में देखा गया है कि ओमेगा 3 डिप्रेशन को कम करने में मददगार होता है. तीसी, मछली आदि में ओमेगा 3 पाया जाता है. स्टार्ची फूड जैसे चावल, मकई, आलू आदि में ट्राइटोफान पाया जाता है. आहार में यह पर्याप्त मात्रा में नहीं होता है तो मस्तिष्क में सेरोटोनिन का स्तर गिर जाता है. इसलिए बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए आहार में इसे भी संतुलित मात्रा में शामिल करें.

- **थ्री ब्लेसिंग एक्सरसाइज**
एक सप्ताह तक रोज रात में एक छोटी सी आदत दिनचर्या में शामिल करें. तीन ऐसी चीजों का जिक्र करें जिसके लिए आप किसी को धन्यवाद देना चाहेंगे. जो व्यक्ति इस आदत को कुछ दिनों तक कायम रखता है, वह दूसरों से थोड़ा अधिक खुश रहने लगता है, ऐसा कई अध्ययनों में देखा गया है. इससे जो मूड बेहतर होता है, आमतौर पर तीन महीने तक कायम रहता है.

- **प्रकृति संग समय गुजारें**
पहले के दौर में लोग अपना ज्यादातर समय घर के बाहर गुजारते थे. इन दिनों हमारा ज्यादातर वक्त अप्राकृतिक रोशनी में क्रंक्रीट के जंगल में गुजरता है. अध्ययनों में देखा गया है कि प्रकृतिक वातावरण में गुजारा गया पांच मिनट का छोटा समय भी हमारे मूड में इजाफा कर सकता है. सूरज की रोशनी जब हमपर पड़ती है तो सेरोटोनिन और डोपामाइन रिलीज होता है और हम मानसिक तौर पर पहले से बेहतर महसूस करते हैं. इसकारण पार्क में थोड़ी देर टहलना भी हमें फ्रेश कर देता है.

दादी मां के नुस्खे

घरेलू नुस्खों से डायबिटीज पर लगेगी लगाम

लैंसेट के हालिया शोध के अनुसार भारत की 10.1 करोड़ आबादी डायबिटीज से ग्रसित है और 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज हैं. यह लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारी है जिसमें खानपान का विशेष महत्व है. दादीमां के नुस्खों में भी इसके कुछ कारगर उपाय हैं. आइए करें इसकी चर्चा-

- नीम की पत्तियों को सूखा क महीन पाउडर बना लें. प्रतिदिन एक छोटा चम्मच नीम का पाउडर सेवन करें.
- करेला को भी डायबिटीज में बहुत लाभकारी माना गया है. प्रतिदिन करेले का जूस पिएं या फिर कम तेल में पकी सब्जी का सेवन करें.
- जामुन को काले नमक के साथ खाना लाभप्रद है. जब इसका सीजन नहीं रहे इसकी गुठलियों का पाउडर गुनगुने पानी में डाल कर सुबह-शाम सेवन करें.
- दो चम्मच मेथी के दाने को रात में पानी में भिगो कर रखें और सुबह इसे पानी के साथ चबा कर खा लें.
- अदरक की हर्बल चाय पिएं या फिर सब्जी आदि में डाल कर इसका सेवन करें. यह डायबिटीज कंट्रोल करेगा.
- एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच दालचीनी पाउडर में आधा-आधा चम्मच मेथी पाउडर और हल्दी पाउडर मिला कर प्रतिदिन सेवन करें.
- चुटकी भर कालीमिर्च पाउडर में चुटकी भर हल्दी पाउडर मिलाएं और रात के खाने से एक घंटे पहले इनका सेवन करें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

ब्रीफ खबरें

सिंधू इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर में हारीं

जकार्ता। भारत की शीर्ष शटलर पी वी सिंधू बुधवार को इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर में चीनी ताइपे की सू वेन-ची से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गयी. दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू को बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल स्पर्धा में 15-21, 21-15, 14-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी. यह वेन-ची के खिलाफ उनकी पहली हार है. ताइवान की खिलाड़ी को राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता को हराने में एक घंटे 10 मिनट का समय लगा.

चेन्नईयिन एफसी ने एल्सिन्हो से करार किया

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने बुधवार को ब्राजील के रक्षापंक्ति के खिलाड़ी एलसन जोस डायस जूनियर (एल्सिन्हो) के साथ दो साल का करार किया, जिससे वह 2026 तक क्लब के साथ जुड़े रहेंगे. इस सप्ताह की शुरुआत में मिडफील्डर जितेंद्र सिंह की सेवाएं हासिल करने के बाद एल्सिन्हो इस टीम से 2024-25 सत्र से पहले जुड़ने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं. चेन्नईयिन के मुख्य कोच ओवेन कॉयले ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, एल्सिन्हो एक बहुमुखी, मजबूत और तकनीकी फुटबॉलर है जो मिडफील्ड और सेंटर बैक में अपनी सेवाएं दे सकता है. इससे हमें रक्षापंक्ति में बेहतर विकल्प मिलेगा.

एलपीएल की दाम्बुला को मिला नया मालिक

दाम्बुला। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बुधवार को कहा कि लॉस एंजिल्स स्थित एक सिविल इंजीनियरिंग परामर्श फर्म लंका प्रीमियर लीग की दाम्बुला फ्रेंचाइजी की नई मालिक होगी जिसे 'दाम्बुला सिक्सर्स' नाम दिया गया है. इससे पहले इस फ्रेंचाइजी को दाम्बुला थंडर्स के नाम से जाना जाता था. इसका मालिक तमीम रहमान नाम का बांग्लादेश मूल का ब्रिटिश नागरिक था. मैच फिक्सिंग में शामिल होने के कारण फ्रेंचाइजी के अनुबंध को समाप्त करने के साथ रहमान को गिरफ्तार कर लिया गया था. लॉस एंजिल्स के कैलिफोर्निया स्थित एक अग्रणी सिविल इंजीनियरिंग परामर्श कंपनी 'सिकोइया कंसल्टेंट्स' एलपीएल टीम दाम्बुला का भविष्य संभालने के लिए आगे आई है.

मांसपेशियों में खिंचाव से नहीं खेलेंगे इमाद

डलास। ऑलराउंडर इमाद वसीम मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गुरुवार को यहां अमेरिका के खिलाफ होने वाले पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे. कप्तान बाबर आजम ने यह जानकारी दी. बाबर ने कहा कि वसीम मांसपेशियों में खिंचाव से पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं और बाएं हाथ के इस स्पिनर की प्रगति पर नजर रखी जा रही है. बाबर ने यहां मीडिया से कहा, मेडिकल स्टाफ उस पर नजर रखे हुए है और वह विश्व कप के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध रहेगा. विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इस अनुभवी टी20 विशेषज्ञ खिलाड़ी को संन्यास से वापसी कराई गई.

टी-20 विश्व कप में आज : ऑस्ट्रेलिया की नजरें इतिहास रचने पर

- मैच भारतीय समयानुसार सुबह छह बजे शुरू होगा

एजेंसी। ब्रिजटाउन (बारबडोस)

विश्व टेस्ट चैंपियन मेस (गदा) और 50 ओवर के विश्व कप का खिताब पहले ही जीत चुका ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप में गुरुवार को यहां जब ओमान के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा तो उसकी नजरें एक ही समय में तीनों विश्व खिताब अपने काम करने वाली पहली टीम बनने पर टिकी होंगी. इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की नजरें अपने अनुभवी खिलाड़ियों हैं. ऑस्ट्रेलियाई टीम में मैच विजेताओं की कोई कमी नहीं है. ऑलराउंडर और नवनियुक्त कप्तान मिचेल मार्श तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे. ट्रेविस हेड शानदार फॉर्म में हैं और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल तथा एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में भारत के खिलाफ टीम की जीत में अहम भूमिका निभा चुके हैं.

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर और एडम जंपा.

ओमान: आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, अयान खान, कश्यप प्रजापति, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, प्रतीक आठवले, नसीम खुशी, खालिद कैल, मेहरान खान, बिलाल खान, कलीमुल्लाह, फैयाज बट, शकील अहमद, रफीउल्लाह. रिजर्व: जतिंदर सिंह, समय श्रीवास्तव, सुफियान महमूद, जय ओडेड्रा.

पाकिस्तान की भिड़ंत अमेरिका से

दिन के दूसरे मैच में पिछले टूर्नामेंट के उप विजेता पाकिस्तान की भिड़ंत अमेरिका से होगी. कागजों पर बाबर आजम की टीम जीत की प्रबल दावेदार है लेकिन हालिया फॉर्म को देखते हुए टीम की राह आसान नहीं होने वाली.पाकिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला गंवाया जबकि इंग्लैंड के खिलाफ उसे 0-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे टी20 विश्व कप की उसकी तैयारियां काफी अच्छी नहीं रहीं. बाबर और मोहम्मद रिजवान टी20 प्रारूप में पाकिस्तान के सबसे अधिक निरंतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं लेकिन इन दोनों का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है और दोनों तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे हैं.पाकिस्तान की टीम हालांकि अपने दिन किसी को भी हराने की क्षमता रखी है.

टीम इस प्रकार हैं

पाकिस्तान: बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब, फखर जमां, उस्मान खान, आजम खान, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, शादाब खान, मोहम्मद आमिर, शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह, अब्बास अफरीदी, हारिस राऊफ, अबरार अहमद.

अमेरिका: मोनाक पटेल, शायन जहांगीर, एंड्रीज गौस, नितीश कुमार, स्टीवन टेलर, हरमीत सिंह, कोरी एंडरसन, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, शैडली वैन शल्कविक, अली खान, जेसी सिंह, सौरभ नेत्रवलकर, नोस्तुश केंजीगे.

समय: मैच भारतीय समयानुसार रात नौ बजे शुरू होगा.

पापुआ न्यू गिनी और युगांडा आमने-सामने

तीन के तीसरे मैच में पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) और युगांडा की टीमें आमने-सामने होंगी. पीएनजी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया. पीएनजी के गेंदबाजों ने दो बार की चैंपियन टीम के बल्लेबाजों को काफी दबाव में रखा. असद वला की अगुआई वाली टीम को मेजबान टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम की नजरें युगांडा के खिलाफ जीत पर टिकी हैं. पदार्पण कर रहे युगांडा को टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ 125 रन से हार का सामना करना पड़ा.कप्तान ब्रायन मसाबा की अगुआई में युगांडा के गेंदबाजों ने प्रभावित किया लेकिन बल्लेबाजों ने पूरी तरह से घुटने टेक दिए जबकि क्षेत्ररक्षण भी लचर रहा. अफ्रीका की टीम सभी विभागों में सुधार करके टी20 विश्व कप में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी.

टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया का विजयी आगाज

भारत ने आयरलैंड को आठ विकेट से हराया

संक्षिप्त स्कोर

आयरलैंड : 96

इंडिया : 97/2

कप्तान रोहित ने लगाया अर्धशतक, हार्दिक ने झटके तीन विकेट

न्यूयॉर्क। एजेंसी

कप्तान रोहित शर्मा को बाजू में लगी चोट ने भारतीय खेमे को चिंता में डाल दिया हालांकि चौतरफा तेज आक्रमण के दम पर भारत ने टी20 विश्व कप में अपने पहले मैच में बुधवार को आयरलैंड को आठ विकेट से हराया . भारत को अब नौ जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलना है लेकिन रोहित की चोट चिंता का सबब बन गई है . रोहित ने 37 गेंद में 52 रन बनाये लेकिन गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज जोश लिटिल की शॉर्टपिच गेंद पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में वह चूके और गेंद उनकी दाहिनी बाजू के ऊपरी हिस्से में जा लगी . असमान उछाल और अतिरिक्त सीम वाली 'ड्रॉप इन पिच' पर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की जरूरत भी नहीं पड़ी . अर्शदीप सिंह और आईपीएल की नाकामी को पीछे छोड़कर तरोताजा होकर उतरे हार्दिक पंड्या ने उम्दा गेंदबाजी करके आयरलैंड को 16 ओवर में 96 रन पर समेट दिया . अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 35 रन देकर दो विकेट लिये जबकि हार्दिक पंड्या ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाये .

बुमराह ने झटके 3 विकेट : जसप्रीत बुमराह ने तीन ओवर में छह रन देकर दो विकेट लिये और मोहम्मद सिराज ने तीन ओवर में 13 रन देकर एक विकेट लिया . भारत के चौतरफा तेज आक्रमण को मिल रही स्विंग, सीम और अतिरिक्त उछाल के सामने आयरलैंड के बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सके . भारत के लिये 16 में से 14 ओवर तेज गेंदबाजों ने फेंके . आयरलैंड के लिये जेरेथ डेलानी (14 गेंद में 20 रन) के अलावा कोई बल्लेबाज 20 रन के पार नहीं जा सका .

भारत ने 12 . 2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया

विराट कोहली (1) और सूर्यकुमार यादव (2) बल्लेबाजी के अभ्यास से चूक गए जबकि तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत ने नाबाद 36 रन बनाये . भारतीय टीम को खेलते देखने आये भारतीय दर्शकों को टीम के इस प्रदर्शन ने खुश कर दिया . लेकिन पिच की प्रकृति को लेकर काफी सवाल उठ रहे हैं , खासकर जब यहां नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होना है . इससे पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया . अर्शदीप ने सफेद कूकाबूरा से बेहतरीन गेंदबाजी करके सटीक लैंग्थ पकड़ी जिससे पॉल स्टर्लिंग और एंड्रयू बालबर्नी जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को काफी मुश्किलें पेश आई . दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज ने भी दबाव बनाये रखा . दोनों सलामी बल्लेबाजों के बल्ले पर गेंद नहीं आ रही थी . स्टर्लिंग ने एक अच्छी लैंग्थ वाली गेंद पर बल्ला अड़ाया और विकेट के पीछे ऋषभ पंत ने कैच लपक लिया . बालबर्नी को अर्शदीप ने बोल्ड कर दिया . पावरप्ले में आयरलैंड के दो विकेट सिर्फ 26 रन पर गिर गए थे और इस दबाव से टीम निकल ही नहीं सके . पंड्या दूसरे बदलाव के तौर पर गेंदबाजी के लिये आये और लोरकान टकर को पवेलियन भेजा . वहीं बुमराह का बाउंसर हैरी टेक्टर को दस्ताने पर लगा और लगभग सिर से टकराते हुए बचा . हाल ही में पाकिस्तान को टी20 श्रृंखला में हराने वाली आयरलैंड की टीम के छह विकेट 49 रन पर गिर गए थे .

टी-20 विश्व कप: घटिया फील्डिंग ने नेपाल का काम किया खराब

नीदरलैंड ने नेपाल की टीम को छह विकेट से हराया

संक्षिप्त स्कोर

नेपाल : 106/10

नीदरलैंड : 109/4

डलास। एजेंसी

टी-20 विश्व कप 2024 के सातवें मैच में नीदरलैंड का सामना नेपाल से था. यह मुकाबला डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में खेला गया. नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. स्पिनर टिम प्रिंगल और लोगन वान बीक की शानदार गेंदबाजी की बदौलत नीदरलैंड ने नेपाल को 106 रन पर समेट दिया. जवाब में नीदरलैंड ने मैक्स ओ''डॉड के नाबाद अर्धशतक की बदौलत 18.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया . प्रिंगल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया . इस जीत के साथ ग्रुप-डी में नीदरलैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर आ गई है. उसके और द. अफ्रीका के दो-दो अंक हैं. वहीं, बांग्लादेश क्री टीम ने अभी तक अभियान की शुरुआत नहीं की है. नेपाल चौथे और श्रीलंका पांचवें स्थान पर है.

नहीं चले नेपाल के बल्लेबाज : नीदरलैंड ने टॉस जीतकर नेपाल को बल्लेबाजी के लिए बुलाया. चार ओवर के अंदर ही नेपाल की ओपनिंग जोड़ी कुशल भुरतेल (7), आसिफ शेख (4) को टिम प्रिंगल और वॉन बीक ने विदा कर दिया. पावरप्ले में नेपाल ने दो विकेट पर सिर्फ 29 रन बनाए . अनिल साह (11) ने दो चौके जरूर लगाए, लेकिन प्रिंगल ने उन्हें भी आउट कर दिया . 9.1 ओवर में नेपाल ने 50 रन पूरे किए. कप्तान रोहित पाउडेल एक छोर से जमे थे. 10वें ओवर में वान मीकरन ने कुशल मल्ला (9) को भी विदा कर दिया . इसके बाद दीपेंद्र सिंह एयरी को बास डी लीडे ने पवेलियन भेजा. वह नौ रन बना सके. वहीं, मीकेरन ने सोमपाल कामी (0) और लीडे ने करण केसी (17) को आउट किया. प्रिंगल ने अपना तीसरा शिकार कप्तान रोहित पौडेल को बनाया. वह टीम के सर्वोच्च रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे.

बुमराह ने भुवनेश्वर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा शीर्ष पर पहुंचे

न्यूयॉर्क : भारत और आयरलैंड के बीच न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले में जसप्रीत बुमराह ने इतिहास रच दिया. वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों में सबसे ज्यादा मेडन ओवर फेंकने वाले गेंदबाज बन गए हैं. इस मामले में बुमराह ने भारत के ही भुवनेश्वर कुमार का रिकॉर्ड तोड़ दिया. वहीं, आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान बुमराह छठे ओवर यानी पावरप्ले के आखिरी ओवर में पहली बार गेंदबाजी के लिए आए. यह ओवर मेडन रहा. बुमराह ने तीन ओवर गेंदबाजी की और छह रन देकर दो विकेट लिए. इसमें एक मेडन रहा.एक मेडन करते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में बुमराह के मेडन की संख्या 11 हो गई है.

भारत-पाक मुकाबले पर अफरीदी ने कहा-

खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता

भाषा। न्यूयॉर्क

पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी भारत-पाकिस्तान मुकाबले को अमेरिका में बेहद लोकप्रिय सुपर बाउल के समकक्ष रखते हैं. उनका मानना है कि यह खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है और जो टीम नौ जून को न्यूयॉर्क में टी20 विश्व कप मुकाबले में दबाव से बेहतर तरीके से निपटेगी वह जीत दर्ज करेगी. दोनों टीमें टी20 विश्व कप में जब पिछली बार आमने-सामने थी तो विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत दिलाई थी. क्रिकेट का यह सबसे बड़ा मुकाबला पहली बार अमेरिका की सरजमीं पर हो रहा है और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अफरीदी दर्शकों के बीच बैठकर इसके गवाह बनेंगे. टी20 विश्व कप के दूत अफरीदी ने अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, वे अमेरिकी जो टूर्नामेंट के बारे में जानना चाह रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का मैच हमारे सुपर बाउल की तरह है.

उन्होंने कहा, मुझे भारत के खिलाफ खेलना बहुत पसंद था और मेरा मानना है कि यह खेल में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है. जब मैं उन मुकाबलों में खेलता था, तो मुझे भारतीय प्रशंसकों से बहुत प्यार और सम्मान मिलता था और यह दोनों टीमों के लिए बहुत मायने रखता है.

फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबले में भारत की कुवैत से भिड़ंत

छेत्री को जीत के साथ विदाई देना चाहेगा भारत

कोलकाता। एजेंसी

करिश्माई फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री गुरुवार को यहां जब कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में आखिरी बार मैदान पर भारत की अगुवाई करेंगे तो भावनाएं उफान पर होंगी और टीम उन्हें जीत के साथ विदाई देना चाहेगी.भारतीय टीम के लिए यह मैच करो या मरो की तरह है. टीम अगर इस मैच को जीतती है तो वह पहली बार 18 टीमों के क्वालीफायर के अंतिम चरण के लिए क्वालीफाई करने के लिए काफी बेहतर स्थिति में होगी. छेत्री पिछले 19 साल से भारतीय फुटबॉल के ध्वज वाहक रहे हैं और 39 वर्ष का यह खिलाड़ी खुद

कोच के साथ सुनील छेत्री.

भी टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने के लिए तैयार होगा. चार-चार टीमों के नौ समूहों में से शीर्ष दो टीमें क्वालिफिकेशन के तीसरे चरण में पहुंचेंगी. फीफा ने विश्व कप में एशिया के कोटे में आठ बर्थ का इजाफा किया है और तीसरे चरण के बाद ही इसे हासिल करने वालों का फैसला होगा. उत्तरी अमेरिका में होने वाले 2026 विश्व कप में भारतीय टीम की कल्पना करना थोड़े दूर के सपने की तरह है. कुवैत पर जीत से हालांकि टीम को कम से कम 10 मैचों में एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का मौका मिल सकता है. टीम को इसके साथ बेहतर टीमों के खिलाफ अभ्यास मैच खेलने का भी मौका मिलेगा. भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंकों के साथ कतर (12 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर काबिज है. अफगानिस्तान गोल अंतर से पिछड़कर तीसरे स्थान पर है. कुवैत तीन अंक के साथ आखिरी पायदान पर है. भारतीय टीम अगर कुवैत को हराने में सफल रहती है तो वह अफगानिस्तान पर बढ़त बना सकती है. भारतीय टीम इसके बाद मंगलवार को कतर का सामना करेगी जबकि अफगानिस्तान के सामने कुवैत की चुनौती होगी. छेत्री का करियर साल 2000 में मोहन बागान से जुड़ने के बाद इसी मैदान में परवान चढ़ा था ऐसे में अपने चहेते खिलाड़ी को भारतीय टीम की जर्सी में आखिरी बार देखने के लिए यहां का सॉल्ट लेक स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा होगा. छेत्री के बाद गुरप्रीत सिंह संधू 71 मैचों के साथ टीम के दूसरे सबसे अनुभवी खिलाड़ी है.

टीमें

भारत : गुरप्रीत सिंह संधू (गोलकीपर) निखिल पुजारी, सुभाशीष बोस, अनवर अली, जय गुप्ता, जैक्सन सिंह, अनिरुद्ध थापा, नाओरेम महेश सिंह, ब्रैंडन फर्नांडीस, लालियानजुआला चांगटे, सुनील छेत्री.

कुवैत : सुलेमान अब्दुलगफर (गोलकीपर), राशेद अल-दोसारी, खालिद अल इब्राहिम, हसन अल-एनेजी, सलमान बोरमेया, ईद अल-रशीदी, हमद अल-हरबी, फैसल जायद, अजबी शेहाब, मोहम्मद दाहम, यूसुफ़ नासिर.

मैच : शाम सात बजे शुरू होगा.

अंतरराष्ट्रीय संन्यास की पूर्व संध्या पर सुनील की प्रतिक्रिया

यह सिर्फ मेरे आखिरी मैच के बारे में नहीं है: छेत्री

भाषा। कोलकाता

भारतीय फुटबॉल टीम के करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री ने बुधवार को अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच को लेकर चल रही सुर्खियों को कम महत्व देते हुए यहां कुवैत के खिलाफ टीम के अहम फीफा विश्व कप क्वालीफायर पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की.

भारत अगर गुरुवार को खेले जाने वाले इस मैच को जीत जाता है तो फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में उसकी जगह लगभग पक्की हो जायेगी. फीफा विश्व कप का आयोजन 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होना है। इस में भाग लेने वाली एशिया की टीम का फैसला तीसरे चरण के क्वालीफायर के बाद होगा. छेत्री ने पिछले महीने घोषणा की थी कि कुवैत

के खिलाफ फीफा क्वालीफायर का दूसरे चरण का मैच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में उनका आखिरी मैच होगा. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 19 साल तक भारतीय फुटबॉल का चेहरा रहे इस खिलाड़ी ने कुवैत के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि हममें से ज्यादातर लोग 20 दिन पहले ही मिल चुके हैं और हमने मेरे करियर की आखिरी मैच की बात कर ली है. यह हो चुका है. हम यहां केवल और केवल कुवैत और भारत के बारे में बात करने के लिए आए हैं. भावुक छेत्री ने पत्रकारों से अनुरोध किया कि वे उनसे बार-बार उनके संन्यास के बारे में न पूछें ताकि वह खुले दिमाग से खेल सकें. उन्होंने कहा, मैं फिर अनुरोध करता हूं... यह मेरे और मेरे अंतिम मैच के बारे में नहीं है, यह हमारे और कुवैत के बारे में है. और मैं अपने अंदर एक छोटे से संघर्ष से गुजर रहा हूं। कृपया बार-बार 'आप कैसा महसूस कर रहे हैं' पूछकर इसे बदतर न बनाएं.

ब्रीफ खबरें

शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नवादा । उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा के निर्देश पर उत्पाद एसआई पिंटू कुमार ने बुधवार को रजौली थाना क्षेत्र के जॉब कला डैम और हाथोचक गांव से छापेमारी कर दो बाइक पर लदे 145 लीटर देशी महुआ शराब के साथ दो तस्कर को गिरफ्तार किया है. सूचना के आलोक में एक टीम का गठन कर संघन छापेमारी अभियान चलाया गया,जिसमें अकबरपुर थाना क्षेत्र के लोहसिंघना गांव निवासी दिनेश कुमार और पप्पू यादव को देशी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है.

तीन अपराधी पकड़ाए हथियार भी बरामद

पटना । राजधानी में चुनावी नतीजे आने के बाद अपराधी एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं. पटना पुलिस ने घटना को अंजाम देने से पहले ही तीन अपराधियों को खदेड़कर धर दबोचा है. मामला पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र स्थित कल्याण ज्वेलर्स के समीप का है. जहां बाइक से आए तीन अपराधियों को गुप्त सूचना के आधार पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने अपराधियों के पास से एक देसी कट्टा, 4 जिंदा कारतूस, एक देसी पिस्टल 1 जिंदा कारतूस, एक बिना नंबर प्लेट लगा पल्सर बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद किया है. पुलिस की पूछताछ में शातिर अपराधियों ने कई राज उगले है.

ट्रैक्टर ने सब्जी विक्रेता को कुचला, मौत

नालंदा । नालंदा में बुधवार को बिहार शरीफ राजगीर मुख्य मार्ग पर रफ्तार का कहर देखने को मिला है. जहां तेज रफ्तार अवैध बालू लोड ट्रैक्टर ने सड़क किनारे ठेले पर सब्जी बेच रहे अधेड़ को कुचल दिया. इस हादसे में सब्जी विक्रेता की मौत हो गई. मामला नालंदा थाना क्षेत्र के दिनकर नगर के समीप की है. मृतक की पहचान नालंदा थाना क्षेत्र के रानी बिगहा निवासी स्वर्गीय जोगेश्वर चौहान के (48) वर्षीय पुत्र दशरथ चौहान के रूप में की गई है. सड़क हादसे की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को मिली तो वे लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और समीप जाम कर दिया.

सीएम एनडीए व पूर्व डिप्टी सीएम इंडी की बैठक में शामिल होने गए दिल्ली

नीतीश और तेजस्वी एक ही फ्लाइट से दिल्ली रवाना हुए

संवाददाता । पटना/दिल्ली

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद नेता तेजस्वी यादव बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की बैठक में शामिल होने सुबह 10:40 की विस्तारा की एक ही फ्लाइट से दिल्ली रवाना हुए. दिल्ली जाने से पहले सीएम नीतीश कुमार ने अपने आवास पर जदयू नेताओं के साथ बैठक की. बैठक में ललन सिंह, अशोक चौधरी, सांसद कौशलेंद्र कुमार, चिराग समेत कई नेता मौजूद थे. बाद में चिराग पासवान ने पत्रकारों को बताया कि हम सभी लोग बधाई देने पहुंचे थे. जिस तरह से सीएम नीतीश कुमार ने हमारे गठबंधन को मजबूती देने का काम किया, हमारा बिहार में प्रदर्शन रहा, उसका श्रेय जितना पीएम मोदी को जाता है उतना ही हमारे सीएम को भी जाता है.

राजद ने अपनी सीटों की संख्या बढ़ाई है : दिल्ली में आहूत इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने के लिए पटना से रवाना होने के पूर्व यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान तेजस्वी ने कहा, हमने (राजद ने) अपनी सीटों की संख्या बढ़ाई है और राजद को एक करोड़ से अधिक वोट मिले हैं. हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है. हमने वास्तविक मुद्दों पर चुनाव लड़ा. इंडिया गठबंधन को मिला अयोध्या के श्रीराम का आशीर्वाद. एक बात तो साफ है कि मोदी फैक्टर अब खत्म हो चुका है. भाजपा अब सहयोगियों पर निर्भर है क्योंकि उसे बहुमत नहीं मिला है. यह पूछे जाने पर कि क्या इंडिया गठबंधन सरकार बनाने की कोशिश करेगा, तेजस्वी ने कहा कि हमारी ओर से प्रयास तो रहेगा ही.

राज्य की 40 में से 12 लोस सीटें जीतीं जदयू

नीतीश की पार्टी ने राज्य की 40 में से 12 लोकसभा सीटें जीतीं हैं. जिस उड़ान से नीतीश ने दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं, उसमें उनकी सीट के ठीक पीछे ही तेजस्वी बैठे हुए दिखे. नीतीश ने सप्ताहांत में दिल्ली का दौरा किया था और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित शीर्ष भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी. भाजपा के बहुमत से दूर रह जाने के कारण, केंद्र में राजग की सरकार की गठन में नीतीश की भूमिका महत्वपूर्ण हो गयी है. उन्हें हालांकि विपक्षी इंडिया गठबंधन भी अपने पाले में करने की कोशिश में लगा हुआ है.

बम ब्लास्ट के आरोपी को मारी गोली, मौत

लूट, हत्या, रंगदारी समेत कई आपराधिक मामले थे दर्ज

संवाददाता । आरा

आरा में एक कुख्यात बदमाश को अज्ञात हमलावरों ने मंगलवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी. घटना कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी और कुल्हड़िया गांव के बीच सकड्डी-नासरीगंज रोड की है. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस युवक को इलाज के लिए लेकर आरा सदर अस्पताल जा रही थी लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई. हमलावरों ने करीब से उसे लगभग 8 गोली मारी है. मृतक की पहचान कोईलवर थाना क्षेत्र के धनडीहा (कुबेरचक) गांव निवासी सुरेश पासवान के 28 वर्षीय पुत्र मिथिलेश पासवान के रूप में की गई है. सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे. सदर-2 डीएसपी रंजीत कुमार सिंह एवं कोईलवर थानाध्यक्ष भी अस्पताल पहुंचे. मृतक के परिजनों से पूछताछ की. इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया.

दर्जनों मामले दर्ज थे आरोपी पर : बताया जाता है कि मिथिलेश मंगलवार की रात बाइक से टाउन थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ले में शहर के कुख्यात बदमाश छोटू मिश्रा के घर आया था. उससे मिलने के बाद वह बाइक से अपने गांव लौट रहा था. सकड्डी और कुल्हड़िया गांव के बीच गोलियों से भूनकर उसकी हत्या कर दी गई. सदर-2 डीएसपी रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि मृतक मिथिलेश एक कुख्यात अपराधी था. टाउन, कोईलवर, चांदी, गीधा एवं अरवल थाने में रंगदारी, लूट, हत्या, आर्म्स एक्ट सहित करीब एक दर्जन से अधिक मामलों में वह आरोपित था. उन्होंने बताया कि ऐसा लगता है कि उसकी कहीं दूसरी जगह गोली मारकर हत्या की गई है और फिर सकड्डी गांव के समीप सड़क किनारे फेंक दिया गया है.

पटना । लोकसभा चुनाव के बाद लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान और पार्टी नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया. वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने विजय उम्मीदवार रविशंकर प्रसाद को मिठाई खिलाते हुए.

जमीनी विवाद में बालक का अपहरण, हत्या

बिहारशरीफ । नालंदा जिलान्तर्गत हरनौत थाना क्षेत्र के रूपसपुर गांव स्थित खंधे से बुधवार की सुबह एक बालक का शव मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक बालक की पहचान रूपसपुर गांव के टुन्नी महतो के पुत्र भोला कुमार उर्फ प्रिंस कुमार (15 वर्ष) के रूप में की गई है. मृतक के अभिभावक ने बताया कि 27 मई के शाम को सीएम नीतीश कुमार के द्वारा किये जा रहे रोड शो में शामिल होने रूपसपुर गांव के एनएच 20 पर गया था. जहां वह सीएम पर फुल भी छीटा था. मृतक के मां ने बताया कि सीएम के कार्यक्रम के बाद उनका बेटा घर आया था एवं 20 रूपये लेकर मोमोज खाने के लिए जीडीएम कॉलेज के पास गया था.

लखमिनिया स्टेशन पर हादसा

प्लेटफॉर्म पर आकर राज्यरानी एक्स. में ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

- जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर को हटाया गया

संवाददाता । बेगूसराय

पटना से सहरसा जा रही राज्यरानी एक्सप्रेस हादसे की शिकार हो गई. बेगूसराय के लखमिनिया स्टेशन के बाद रेलवे के ट्रैक्टर अचानक ट्रेन की एक्सप्रेस बॉगी से टकरा गई. गनीमत रही कि बॉगी के अंदर बैठे लोग बार-बार बच गए. घटना के बाद स्टेशन पर हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही रेलवे की टीम मौके पर पहुंची.

इसके बाद जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर को हटवाने में जुट गई. घटना के बाद मामले की जांच की जा रही है. बता दें कि बुधवार पटना जंक्शन से ट्रेन सहरसा के लिए रवाना हुई थी. लखमिनिया में यह हादसा हो गया.

नालंदा में करंट लगने से बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत

संवाददाता । बिहारशरीफ

नालंदा जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी इसुआ गांव में बुधवार की सुबह बिजली का करंट लगने से 60 साल के एक बुजुर्ग की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी. मृतक की पहचान पुरानी इसुआ गांव निवासी कामेश्वर प्रसाद के रूप में की गयी है. घटनाक्रम की जानकारी सरमेरा थाना पुलिस को दी गयी. घटनाक्रम की सूचना पाकर सरमेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. वहीं मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर कर बुरा हाल हो गया है.

जिले का टॉप टेन इनामी गजनी गिरफ्तार

संवाददाता । अररिया

जिले के टॉप टेन कुख्यात अपराधियों में शुमार पांच हजार का इनामी गजनी उर्फ मुस्ताजीर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. अररिया जिला पुलिस को लंबे अर्से से इनकी तलाश थी.जिले के जोकीहाट थाना में केवल इनके खिलाफ 13 और पलासी थाना में संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं.सभी मामलों में पुलिस को इनकी तलाश थी.

गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए एसपी अमित रंजन ने बताया कि जोकीहाट थाना क्षेत्र के ललिया के रहने वाले गजनी उर्फ मुस्ताजीर पिता बाजबूल के बारे में गुप्त जानकारी मिली कि वह दिल्ली से अपने घर आ रहा है.सूचना के बाद सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह की अगुवाई में गठित टीम जोकीहाट थानाध्यक्ष राजीव कुमार झा, एसआई श्रवण कुमार,डीआईयू प्रभारी अजीत चौधरी एवं डीआईयू की टीम और सशस्त्र पुलिस बलों ने कार्रवाई करते हुए गजनी उर्फ मुस्ताजीर को जोकीहाट के चरघरिया बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया. गजनी उर्फ मुस्ताजीर के खिलाफ जोकीहाट थाना में 13 और पलासी थाना में एक चोरी, लूट, डकैती जैसे संगीन मामले दर्ज हैं.

कारोबार

ट्रैवेन्यूज का आईपीओ 10 जून को खुलेगा

नयी दिल्ली । ट्रैवल बुकिंग मंच इक्सिगो का परिचालन करने वाली ली ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड 10 जून को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाएगी. आईपीओ के जरिए 740 करोड़ रुपये तक जुटाने की है. कंपनी ने घोषणा की कि 88 रुपये से 93 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरा वाला यह निर्गम 10 जून को खुलेगा. एंकर निवेशक सात जून को बोली लगा पाएंगे. गुरुग्राम स्थित कंपनी के आईपीओ में 120 करोड़ के ताजा शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 620 करोड़ के मूल्य के 6.66 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश शामिल है.

नोवेलिस ने अपना आईपीओ किया स्थगित

नयी दिल्ली । हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की अमेरिका स्थित इकाई नोवेलिस इंक ने बाजार की स्थितियों को देखते हुए अपना आईपीओ स्थगित कर दिया है. हिंडाल्को ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि नोवेलिस भविष्य में पेशकश लाने के सही समय को लेकर विचार जारी रखेगी. नोवेलिस ने कुछ दिन पहले कहा था कि वह 12.6 अरब डॉलर के इक्विटी मूल्यांकन पर 94.5 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए अमेरिकी बाजार में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लेकर आएगी. नोवेलिस हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है.

मारुति सुजुकी 450 करोड़ का करेगी निवेश

नयी दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को कहा कि वह सौर ऊर्जा तथा बायोगैस से जुड़ी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को चालू करने के लिए तीन साल में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने इस क्षेत्र में 120.8 करोड़ रुपये का निवेश किया था. कंपनी ने बयान में कहा कि वह वित्त वर्ष 2024-25 से तीन वर्षों में इस निवेश को करीब चार गुना कर 450 करोड़ रुपये करेगी. मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेयूची ने कहा, हमारा लक्ष्य 2030-31 तक अपनी उत्पादन क्षमता को 20 लाख से बढ़ाकर 40 लाख तक ले जाने का है.

सेंसेक्स 2,303 अंक चढ़ा, मंगलवार को 4,389 अंक टूटा था

निफ्टी 735 अंक बढ़ा, इंडसइंड बैंक के शेयर में तेजी

एजेंसी : मुंबई

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद बुधवार को सेंसेक्स 2,303 अंक (3.20%) की तेजी के साथ 74,382 के स्तर पर बंद हुआ. मंगलवार को ये 4,389 अंक गिरा था. वहीं निफ्टी में 735 अंक (3.36%) की बढ़त रही. ये 22,620.35 के स्तर पर बंद हुआ. मंगलवार को कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में तेजी रही. इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 7.75% चढ़ा. टाटा स्टील, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 4% से ज्यादा तेजी के साथ बंद हुए. एलटी में मामूली गिरावट रही. बुधवार को कारोबार में ऑटो, मेटल, एफएमसीजी और प्राइवेट बैंक के शेयर सबसे ज्यादा चढ़े हैं. निफ्टी मेटल इंडेक्स सबसे ज्यादा 5.75% चढा है. प्राइवेट बैंक इंडेक्स में भी 5.13% की तेजी रही. वहीं ऑटो, एफएमसीजी इंडेक्स में 4% से ज्यादा की तेजी रही.

रेलवे, डिफेंस और पीएसयू शेयरों में गिरावट आ सकती है : ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कहा- कम बहुमत के बावजूद, हम उम्मीद करते हैं कि कुछ बदलावों के साथ मोदी 2.0 का नीतिगत एजेंडा (निवेश-आधारित विकास, कैपेक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, आदि) जारी रहेगा. सरकार गठन को लेकर शुरुआती निराशा और चिंता के बाद, हम उम्मीद करते हैं कि निवेशकों का फोकस फंडामेंटल बॉटम-अप स्टॉक पिकिंग पर वापस आ जाएगा. हालांकि, रेलवे, डिफेंस और पीएसयू के शेयरों में थोड़ी नरमी दिख सकती है.

मंगलवार 4,389 अंक टूटा था सेंसेक्स, निफ्टी 1,379 अंक गिरा : लोकसभा चुनाव के नतीजों वाले दिन मंगलवार को सेंसेक्स 4389 अंक (5.74%) की गिरावट के साथ 72,079 के स्तर पर बंद हुआ था. वहीं, निफ्टी में भी 1,379 अंक (5.93%) की गिरावट रही, ये 21,884 के स्तर पर बंद हुआ था. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट और 5 शेयरों में तेजी रही. एनटीपीसी और एसबीआई के शेयरों में करीब 15% की गिरावट रही. एलटी, पावर ग्रिड के शेयर 12% से ज्यादा नीचे थे. वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में करीब 5.74% की तेजी रही थी.

2020 के बाद मंगलवार को बाजार में सबसे बड़ी गिरावट रही : मई 2020 के बाद मंगलवार को बाजार की सबसे बड़ी 5.74% की गिरावट रही. कोरोना के समय 2020 में बाजार 5.94% टूटा था. 30 अप्रैल 2020 को सेंसेक्स 33,717 के स्तर पर था जो 4 मई को 2002 अंक गिरकर 31,715 पर आ गया था. 1, 2 और 3 मई 2020 को बाजार बंद था. क्रोनॉक्स लैब साइंसेज लिमिटेड के आईपीओ में निवेश का बुधवार को आखिरी दिन है. ये 3 जून को ओपन हुआ था. इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 110 शेयर के लिए अप्लाय करना होगा. कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 129-136 प्रति शेयर तय किया है.

यदि आप आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 136 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,960 लगाने होंगे. रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 1430 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 194,480 इन्वेस्ट करने होंगे.

अमेरिकी कंपनी सोप सेंट्रल का करेगी अधिग्रहण

नयी दिल्ली । नजारा टेक्नोलॉजीज की अनुषंगी कंपनी एब्सोल्यूट स्पोर्ट्स ने अमेरिकी मनोरंजन सामग्री वेबसाइट सोपसेंट्रल.कॉम को 14 लाख अमेरिकी डॉलर (11.6 करोड़ रुपये) नकद में खरीदने की बुधवार को घोषणा की. एक बयान के अनुसार, यह अधिग्रहण कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी स्पोर्ट्सकीड़ा.कॉम के जरिये किया गया और इस सौदे के 30 दिन में पूरा होने की उम्मीद है. यह सौदा पूरा तरह नकद लेन-देन पर आधारित है. सोपसेंट्रल डॉट कॉम ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, स्पोर्ट्सकीड़ा इंक. (क्रेता) कंपनी की भौतिक अनुषंगी कंपनी एब्सोल्यूट स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एब्सोल्यूट) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है. वह 'सोपसेंट्रल' के सभी बौद्धिक संपदा अधिकारों का अधिग्रहण कर रही है, जिसमें डोमेन अधिकार, ट्रेडमार्क, वेबसाइट, सॉफ्टवेयर कोड आदि शामिल हैं. बयान के अनुसार, इस अधिग्रहण का मकसद अमेरिकी खेल और मनोरंजन बाजार में कंपनी की स्थिति को मजबूत करना है. एब्सोल्यूट स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय प्रताप सिंह ने कहा कि यह कदम कंपनी को विस्तार के लिए एक बेहतरीन मौका उपलब्ध कराता है.

एयर इंडिया एक्स. लागत पक्ष और योजनाओं पर देगा ध्यान

एजेंसी । नयी दिल्ली

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने बुधवार को कहा कि एयरलाइन 2024-25 में लागत पक्ष और बदलाव योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगी. सिंह ने कहा, लागत पक्ष पर अधिक ध्यान दे रहे हैं. टाटा समूह अपने विमानन व्यवसाय को मजबूत करने के लिए एआईएस कनेक्ट (पूर्व नाम एयर एशिया इंडिया) का एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ और विस्तारा का एयर इंडिया के साथ विलय कर रही है.

उन्होंने कहा कि एयर इंडिया की लंबी दूरी की उड़ानों और घरेलू छोटी दूरी की उड़ानों के बीच 'क्रॉस फीड' होगी और इसमें पर्याप्त वृद्धि होने वाली है.

सिंह ने कहा कि नेटवर्क और नए बेड़े के आने से राजस्व तथा लागत पक्ष में उल्लेखनीय वृद्धि होगी. राष्ट्रीय राजधानी में 'सीएपीए इंडिया एविएशन समिट' 2024 में सिंह ने कहा कि अगले पांच वर्षों के लिए उन्हें द्विपक्षीय उड़ान अधिकारों का कोई मुद्दा इसके विकास को प्रभावित करते हुए नहीं दिखता है. इस सम्मेलन में द्विपक्षीय अधिकारों पर एयर इंडिया प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कहा कि इसमें व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए.

सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इन्फ्राटेक का किया गया अधिग्रहण

- 20,000 से अधिक मकान खरीदारों को राहत मिलने की उम्मीद है

एजेंसी । नयी दिल्ली

जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी सुरक्षा ग्रुप ने कर्ज में फंसी जेपी इन्फ्रोटेक का अधिग्रहण कर लिया है. इस कदम से 20,000 से अधिक मकान खरीदारों को राहत मिलने की उम्मीद है. कंपनी ने तीन सदस्यीय बोर्ड का गठन किया है और वह अटकी पड़ी आवासीय परियोजना के निर्माण के लिए जल्दी ही 125 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी डालेगी. यह अधिग्रहण ऋण शोधन अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के 24 मई के फैसले के बाद हुआ है.

फैसले में जेपी इन्फ्राटेक के अधिग्रहण के लिए सुरक्षा रियल्टी की बोली को बरकरार रखा गया था. साथ ही कंपनी को किसानों के मुआवजे के रूप में अतिरिक्त 1,334 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था.

जेपी इन्फ्राटेक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि सुरक्षा ने आईएमसी को सूचित किया कि 24 मई, 2024, यानी अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेश की तारीख को 'अनुमोदन तिथि' के रूप में माना जाना चाहिए. क्रियान्वयन और निगरानी समिति ने मंगलवार को हुई अपनी बैठक में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में सुधीर वी वालिया की नियुक्ति को मंजूरी दे दी. समिति ने कार्यकारी निदेशक के रूप में आलोक चंपक दवे और स्वतंत्र निदेशक के रूप में उषा अनिल कदम की नियुक्ति को भी मंजूरी दी. सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा ग्रुप 15 जून तक जेपी इन्फ्राटेक में 125 करोड़ की इक्विटी पूंजी लगाएगी और जल्द ही निर्माण प्रक्रिया शुरू करेगी.

मार्केट सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार को मामूली गिरावट देखने को मिली

सोना 71,897 रु और चांदी 88,351 रुपये प्रति किग्रा बिकी

- 4 जून को चांदी 88,837 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी

भाषा । नयी दिल्ली

सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार को मामूली गिरावट देखने को मिल रही है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 72 रुपए सस्ता होकर 71,897 रुपए पर आ गया है. वहीं, चांदी की बात करें तो बुधवार को एक किलो चांदी 486 रुपए सस्ती होकर 88,351 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है. इससे पहले 4 जून को चांदी 88,837 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी.

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,800 रुपए है.
मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,600 व 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,650 रुपए है.
कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,650 रुपए है.
चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,360 रुपए है.
भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,700 रुपए है.

इस साल सोने में अब तक 8 हजार रुपये से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 8,545 रुपए बढ़ चुके हैं. 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,897 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है. वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 88,351 रुपए पर पहुंच गए हैं. नए नियम के तहत अब छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा. जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा.

ब्रीफ खबरें

बाइडन-डोनाल्ड ट्रंप ने प्राइमरी चुनाव जीते

न्यूयॉर्क । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ राज्यों में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीत लिया. पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद पहली बार चुनाव में उतरे ट्रंप ने न्यू मेक्सिको, मोंटाना और न्यू जर्सी में प्राइमरी चुनाव जीता. बाइडन ने न्यू मेक्सिको, साउथ डकोटा, न्यू जर्सी, मोंटाना और वाशिंगटन डीसी में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीता.

विमान में बम होने की धमकी से मचा हड़कंप

नयी दिल्ली। एयर कनाडा की टोरंटो जाने वाली उड़ान में उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को विमान में एक बम रखे होने की धमकी वाला ईमेल मिला. अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बाद में यह धमकी फर्जी निकली. उन्होंने बताया कि दिल्ली अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन लिमिटेड (डायल) के कार्यालय में मंगलवार रात 10 बजकर 50 मिनट पर एक ईमेल मिला कि दिल्ली से टोरंटो जाने वाली एयर कनाडा की उड़ान में एक बम रखा है.

उत्तरकाशी में चार पर्वतारोहियों की मौत

उत्तरकाशी । उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में उच्च हिमालयी क्षेत्र सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर गया पर्वतारोहियों का एक दल खराब मौसम में रास्ता भटक गया जिससे उसके चार सदस्यों की मृत्यु हो गयी तथा 18 अन्य फंस गए. जिलाधिकारी डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि पर्वतारोहियों को बाहर निकालने के लिए जमीनी और हवाई बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है. उन्होंने बताया कि इसके लिए मातली एवं हरसिल सहित अन्य हेलीपैड पर भी आवश्यक प्रबंध कर लिए गए हैं.

जम्मू कश्मीर के मंदिर में आग लगी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पर्यटन स्थल गुलमर्ग में एक पहाड़ी पर स्थित मंदिर में बुधवार तड़के आग लग गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. आग लगने की यह घटना रानी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध शिव मंदिर में हुई. अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने आग को तो बुझा लिया लेकिन मंदिर पूरी तरह जल चुका था. आग लगने का कारण फिलहाल पता नहीं चल पाया है. यह मंदिर पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है क्योंकि इसे कई बॉलीवुड फिल्मों में दिखाया गया है.

इनामी बदमाश पुलिस से मुठभेड़ में मारा गया

जौनपुर (उप्र)। जौनपुर जिले में हत्या और लूट की विभिन्न वारदात में वांछित एक लाख रुपये का इनामी बदमाश पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया. मारे गये बदमाश पर हत्या, लूट और डकैती समेत विभिन्न जघन्य अपराधों के आरोप में कुल 28 मुकदमे दर्ज थे. पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने बुधवार को बताया कि मंगलवार देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश खेतासराय इलाके में टहल रहे हैं. पुलिस ने तलाश शुरू की तभी दो बदमाशों ने पुलिस दल पर गोलियां चलाते हुए भागने की कोशिश की.

हम साथ-साथ हैं

नई दिल्ली। नई दिल्ली में बुधवार को पीएम आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार और अन्य नेताओं के साथ.

पीएम ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर बुधवार को बुद्ध जयंती पार्क में पौधारोपण कर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की. अधिकारियों के मुताबिक इस अभियान का नाम 'एक पेड़ मां के नाम' रखा गया है और इसके तहत देशभर में लाखों पेड़ लगाए जाएंगे. कार्यक्रम में मोदी के साथ केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना भी शामिल हुए.

लोकसभा चुनाव : जानें अंतिम परिणाम में किसे कितनी सीटें मिलीं

भाजपा को 240, कांग्रेस को 99 सीटें मिलीं

भाषा। नयी दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने देशभर के सभी 543 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित कर दिए हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 240 और कांग्रेस को 99 सीट पर जीत मिली है. महाराष्ट्र के बीड निर्वाचन क्षेत्र का परिणाम सबसे अंत में घोषित किया गया. इस निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) उम्मीदवार बजरंग मनोहर सोनवणे ने भाजपा की पंकजा मुंडे को 6,553 मतों से हराया. देशभर में लोकसभा के कुल 543 निर्वाचन क्षेत्र हैं. गुजरात के सूरत से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल के निर्विरोध चुने जाने के बाद 542 सीट के लिए मतों की गिनती की गई.

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, लोकसभा चुनाव में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक दलों को प्राप्त सीट की संख्या इस प्रकार है:

भाजपा	240	इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	3	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)	1
कांग्रेस	99	आम आदमी पार्टी (आप)	3	वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी	1
समाजवादी पार्टी (सपा)	37	झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)	3	ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट	1
तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)	29	जनसेना पार्टी	2	शिरोमणि अकाली दल	1
द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके)	22	भाकपा (माले) (लिबरेशन)	2	राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	1
तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी)	16	जनता दल सेक्युलर (जेडीएस)	2	भारत आदिवासी पार्टी	1
जनता दल यूनाइटेड (जदयू)	12	विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके)	2	सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा	1
शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)	9	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)	2	मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके)	1
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार)	8	राष्ट्रीय लोक दल (रालोद)	2	आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)	1
शिवसेना	7	नेशनल कॉन्फ्रेंस	2	अपना दल (सोनेलाल)	1
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)	5	यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल	1	आजसू पार्टी	1
युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी)	4	असम गण परिषद	1	ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम)	1
राष्ट्रीय जनता दल (राजद)	4	हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर)	1	निर्दलीय	7
मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)	4	केरल कांग्रेस	1		
		रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी	1		

विश्व के नेताओं ने एनडीए की जीत पर दी मोदी को बधाई

कोलंबो । इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल ''प्रचंड'' सहित विश्व के तमाम नेताओं ने आम चुनावों में राजग की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है. दुनिया भर के नेताओं ने उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई है. भारत निर्वाचन आयोग ने सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए हैं, इसमें भाजपा ने 543 सीट में से 240 पर जीत हासिल की है और कांग्रेस को 99 सीट मिली हैं. आम चुनावों के परिणाम में भाजपा नीत राजग गठबंधन 543 सदस्यीय लोकसभा में 272 के बहुमत के आंकड़े से तो काफी ऊपर है, लेकिन भाजपा 2014 के बाद पहली बार जादुई आंकड़े से पीछे रह गई है. इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''एक्स'' पर पोस्ट करते हुए लिखा, लोकसभा चुनाव में जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई. यह निश्चित है कि हम इटली और भारत को जोड़ने वाली दोस्ती को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे तथा हमारे राष्ट्रों व हमारी जनता की भलाई के लिए विभिन्न मुद्दों पर सहयोग करेंगे.

लोस चुनाव ट्रांसजेंडर उम्मीदवार

- **लोकसभा चुनाव में सभी ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों की जमानत जब्त**

नयी दिल्ली । इस बार लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सभी तीन ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई है, जो देश में राजनीतिक प्रतिनिधित्व पाने के लिए इस समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करता है. भारत में अभी तक किसी ट्रांसजेंडर ने लोकसभा चुनाव नहीं जीता है. तीनों ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था. धनबाद से चुनाव लड़ने वाली सुनैना किन्नर को 3,462 मत मिले. दक्षिणी दिल्ली से उम्मीदवार राजन सिंह को 325 मत मिले. दमोह (मध्य प्रदेश) से चुनाव लड़ने वाली दुर्गा मौसी को 1,124 मत मिले. इनमें से कोई भी ट्रांसजेंडर उम्मीदवार जीत के करीब भी नहीं पहुंच पाया और सभी अपनी जमानत राशि बचाने में भी असफल रहे. निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार जो उम्मीदवार कुल वैध मतों का कम से कम छठा हिस्सा प्राप्त करने में असफल रहते हैं उनकी जमानत राशि जब्त हो जाती है.

भाजपा को रोकने की लड़ाई में हम कामयाब हो गये : अखिलेश

समर्थकों के बीच अखिलेश यादव.

एजेंसी। कन्नौज (उप्र)

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में समाजवादियों का लक्ष्य भाजपा को रोकने का था और वे इसमें कामयाब रहे हैं. यादव ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में सपा द्वारा उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 37 सीट जीते जाने पर कहा, समाजवादियों का लक्ष्य था कि भाजपा को रोकें. समाजवादी लोग उस लड़ाई में कामयाब हुए हैं. उन्होंने कहा, मैं सबसे पहले कन्नौज की जनता का धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने सकारात्मक राजनीति का समर्थन किया. मैं कन्नौज की जनता का बहुत आभार प्रकट करता हूं, उनको सलाम करता हूं कि उन्होंने समाजवादियों को पुनः एक मौका दिया. यादव ने कहा कि उनके पिता और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बताये रास्ते पर चलने का ही परिणाम है कि समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी. उन्होंने जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि उसने नई उम्मीद और नयी आस के साथ वोट दिया है ताकि इस देश का लोकतंत्र बचे, संविधान बचे, आरक्षण बचे और नकारात्मक राजनीति वाले हटें.

अमृतसर में दो संदिग्ध तस्कर गिरफ्तार, दो करोड़ बरामद

एजेंसी । चंडीगढ़

अमृतसर में तलाशी अभियान के दौरान मादक पदार्थों के दो संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनसे करीब दो करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए. सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी. प्रवक्ता के अनुसार, अमृतसर के कक्कड़ गांव में मंगलवार शाम सीमा सुरक्षा बल और पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया और संदिग्ध तस्कर के घर की तलाशी ली. उन्होंने कहा,

तलाशी अभियान के दौरान दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया. इसके साथ ही घर से 1,97,14,650 रूपये, लैपटॉप, तीन स्मार्टफोन और दो कीपैड मोबाइल फोन भी बरामद किए गए. प्रवक्ता ने कहा कि इस मामले में आगे की जांच जारी है.

पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा गया

मेंढर/जम्मू। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के एक बुजुर्ग व्यक्ति को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में घुसने के बाद पकड़ा गया. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति की पहचान पीओके के बट्टल गांव निवासी 72 वर्षीय मुनीर हुसैन के रूप में हुई है. अधिकारियों के अनुसार उसे मंगलवार शाम मेंढर उप-मंडल के मनकोट सेक्टर में घोरा चौकी के पास नांगी टकराई अग्रिम क्षेत्र से हिरासत में लिया गया.

जलवायु परिवर्तन से जीवन और आजीविका प्रभावित हो रही: मुर्मू

भाषा। नयी दिल्ली

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से हमारा जीवन और आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं और स्थिरता पर आधारित एक बेहतर और हरित विश्व के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि धरती की रक्षा करना हर किसी की मौलिक जिम्मेदारी है. राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, हम प्राकृतिक संसाधनों के मालिक नहीं बल्कि संरक्षण करने

वाले हैं. जलवायु परिवर्तन से हमारा जीवन और आजीविका प्रभावित हो रही है, खासकर कमजोर समुदायों के लिए. आइए हम स्थिरता पर आधारित एक बेहतर और हरित विश्व के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करें. हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है.

इनामी समेत नौ नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नौ नक्सलियों को गिरफ्तार किया है जिनमें एक पर पांच लाख रुपये का इनाम था. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरसेगढ़ और मद्देड़ थाना क्षेत्रों में सुरक्षाबलों ने अलग-अलग कार्रवाई कर नौ नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों में मद्देड़ एरिया कमेटी का सदस्य लच्छु पूनेम (35) भी शामिल है जिसके सिर पर पांच लाख रुपए का इनाम है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में सुरक्षाबलों ने करीब से पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया था.

दिल्ली : अस्पताल में लगी भीषण आग

एजेंसी। नयी दिल्ली

दक्षिणपूर्व दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में बुधवार को आंखों के एक निजी अस्पताल में भीषण आग लग गयी. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है. पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि दो मंजिला इमारत के भूतल पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी. डीएसएफ अधिकारी ने बताया कि 'आई7 चौधरी आई सेंटर' में आग लगने की सूचना सुबह करीब साढ़े 11 बजे मिली और घटनास्थल पर दमकल की 12 गाड़ियों को भेजा गया है.

उम्मीद अमेरिकी उद्योग जगत को मोदी के तीसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधार जारी रहने की उम्मीद

अमेरिका-भारत संबंध सकारात्मक रूप से आगे बढ़ेंगे

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी उद्योग जगत को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे, भले ही वह थोड़े कम बहुमत के साथ सत्ता में लौटे हों. यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मुकेश अघी ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि माहौल ऐसा है कि प्रधानमंत्री थोड़े कम बहुमत से गठबंधन के साथ वापस आयेंगे. सुधार का एजेंडा जारी रहेगा.

अमेरिका-भारत संबंध सकारात्मक रूप से आगे बढ़ेंगे, क्वाड, आई2यू2, आईएमएसी पर ध्यान देना जारी रहेगा. उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि जहां तक (भारत-अमेरिका) संबंधों की बात है तो इसमें कोई बदलाव आया है. मुझे लगता है कि वे (अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन) उम्मीद कर रहा था कि प्रधानमंत्री मोदी वापस आयेंगे और दोनों देशों के बीच बैठकें जारी रहेंगी. अघी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि चुनाव के प्रभाव से भारत में कॉर्पोरेट निवेश की गति प्रभावित होगी.

धांधली या जनादेश चोरी के आरोपों से नहीं जूझना पड़ा : सिस्को के मानद चेयरमैन जॉन चैम्बर्स ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई, जिन्होंने भारत के आम चुनाव में तीसरे कार्यकाल के लिए जीत हासिल की है उनके नेतृत्व में भारत ने आर्थिक और डिजिटलीकरण के मामले में जबरदस्त प्रगति की है. अमेरिका में पाकिस्तान के पूर्व राजदूत हुसैन हक्कानी ने भी भारत के लोगों को बधाई दी. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत के लोगों को 1947 के बाद से 18वें संसदीय चुनाव के लिए बधाई, जिसमें उन्हें कभी भी बड़े पैमाने पर धांधली या जनादेश चोरी के आरोपों से नहीं जूझना पड़ा.

अमेरिका-भारत व्यापार परिषद ने भारतीयों को बधाई दी

यूएसआईबीसी के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अतुल केशप ने एक बयान में कहा, अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) लोकसभा चुनाव के सफल समापन पर सभी भारतीयों को बधाई देता है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को उनके विस्तारित जनादेश के लिए बधाई देता है. उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री, उनके मंत्रिमंडल तथा भारत के सभी निर्वाचित नेताओं के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं, ताकि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार व निवेश को बढ़ाया जा सके. साथ ही भारतीयों को अधिक समृद्धि तथा विकास की उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद मिल सके.

फडणवीस ने डिप्टी सीएम पद से इस्तीफे की पेशकश की

एजेंसी । मुंबई

संसदीय चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा के लोकसभा सदस्यों की संख्या 23 से नौ पर आने के बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को पद से इस्तीफा देने की पेशकश की ताकि वह विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के कामकाज पर ध्यान केंद्रित कर सकें.

उन्होंने कहा, मैं महाराष्ट्र के नतीजों की जिम्मेदारी लेता हूं. मैं पार्टी नेतृत्व से अनुरोध करता हूं कि मुझे सरकार में जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए ताकि मैं आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए पूरा समय काम कर सकूं. अब से छह महीने से भी कम समय में राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं. उन्होंने कहा, इस परिणाम की पूरी जिम्मेदारी मेरी है. मैं

मानता हूं कि इस सबमें कहीं न कहीं मेरी कमी रही है और मैं इस कमी को दूर करने का पूरा प्रयास करूंगा. उन्होंने कहा, मैं जल्द ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मिलने जा रहा हूं और वे जो भी कहेंगे, मैं वही करूंगा. फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राकांपा के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ समन्वय को लेकर मुद्दे हैं.

तमांग नौ जून को सीएम के रूप में शपथ लेंगे

गंगटोक । सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के प्रमुख प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार को कहा कि वह दूसरे कार्यकाल के लिए राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में नौ जून को शपथ लेंगे. तमांग और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह राज्य की राजधानी गंगटोक के पलजोर स्टेडियम में होगा. तमांग ने कहा, नये मंत्रिपरिषद का शपथ ग्रहण समारोह नौ जून को पलजोर स्टेडियम में होगा, जैसा कि पांच साल पहले हुआ था. उन्होंने कहा कि सिक्किम के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में आम लोगों के साथ-साथ एसकेएम कार्यकर्ताओं के भी कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है. एसकेएम ने लोकसभा चुनाव के साथ-साथ हुए विधानसभा चुनाव में राज्य की 32 सीटों में से 31 सीटें जीतीं. सांसद इंद्र हंग सुब्बा केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा होंगे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)